खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 16 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-73

5 राज्यों में बजा चुनावी बिगुल

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 9 से 29 अप्रैल तक, मतगणना 4 मई को

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां) ।
चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की रविवार को घोषणा कर दी। ये चुनाव नौ अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच कराये जायेंगे जबकि मतगणना एक साथ चार मई को होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में बताया कि असम की 126 सीटों, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए एक चरण में चुनाव नौ अप्रैल को कराया जायेगा। तमिलनाडु की 234 सीटों पर मतदान एक चरण में 23 अप्रैल को होगा।

पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव कराया जायेगा। राज्य की कुल 294 सीटों में से पहले चरण में 152 सीटों के लिए और दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए वोट डाले जायेंगे।

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल लागू हो गयी है।

असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 16 मार्च को जारी की जायेगी और उसी दिन से नामांकन-पत्र भरने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 23 मार्च रखी गयी है। उनकी जांच 24 मार्च को होगी और उम्मीदवार 26 मार्च तक नाम वापस ले सकेंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 30 मार्च को जारी की जायेगी और नामांकन पत्र भरने की आखिरी तिथि छह अप्रैल होगी। इनकी जांच सात अप्रैल को की जायेगी तथा उम्मीदवार नौ अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचना 30 मार्च को जारी की जायेंगी तथा नामांकन पत्र छह अप्रैल तक भरे जा सकेंगे। इनकी जांच सात अप्रैल को की जायेगी और नाम नौ अप्रैल तक वापस लिये जा सकेंगे। इन सीटों पर मतदान 23 अप्रैल को कराया जायेगा।

राज्य की शेष 142 सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचना दो अप्रैल को जारी की जायेगी और नामांकन पत्र भरने की आखिरी तिथि नौ अप्रैल होगी। नामांकन पत्रों की जांच 10 अप्रैल को की जायेगी तथा नाम 13 अप्रैल तक वापस लिये जा सकेंगे।

राज्य की कुल 294 सीटों में से 68 अनुसूचित जाति के लिए और 16 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

आयोग ने बताया कि 28 फरवरी को जारी प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 6,45,61,152 मतदाता हैं जिनमें 6,44,52,609 आम मतदाता और 1,08,543 सेना, अर्द्धसैन्य बलों और पुलिस के जवान हैं जिन्हें सर्विस वोटर कहा जाता है। कुल मतदाताओं में 5,23,229 युवा मतदाता (18-19 वर्ष के) शामिल हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 4,16,089 है। कुल 1,152 मतदाता थर्ड जेंडर के हैं और 85 वर्ष से अधिक आयु के 3,78,979 मतदाता हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में छूटे हुए नामों की पात्रता पर विचार के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय की निर्देशाधीन जजों की नियुक्ति की गयी है। उनके निर्णय के बाद पूरक सूची जारी की जायेगी जिससे मतदाताओं की संख्या बढ़ सकती है।

श्री कुमार ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर लिये गये हैं और आयोग मतदान-केंद्रो पर मतदाताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी के भी तरह की हिंसा में लिप्त पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि इन चुनावों में करीब 25 लाख कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात किये जायेंगे ताकि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से कराये जा सकें। इनमें 15 लाख मतदान कर्मी, 8.5 लाख सुरक्षा कर्मी, मतदान के लिए 1,444 ऑब्जर्वर, 49 हजार माइक्रो ऑब्जरवर, 40 हजार मतगणना कर्मचारी और 21 हजार सेक्टर ऑफिसर तैनात होंगे। ▶10पर

8 सीटों पर उपचुनाव 9 और 23 अप्रैल को

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां) ।
चुनाव आयोग ने गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा विधानसभा की आठ रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव अप्रैल महीने में कराने की घोषणा की है।

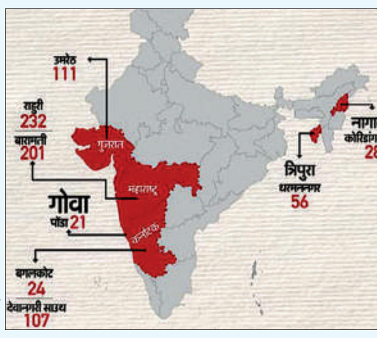

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां रविवार को एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोवा, कर्नाटक , नागालैंड और त्रिपुरा में विधान सभा उप चुनाव नौ अप्रैल को तथा गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को कराये जाएंगे। उन्होंने असम, केरल , पुदुचेरी , तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधान सभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि उपचुनावों की मतगणना भी चार मई को विधान सभा चुनावों की मतगणना के साथ ही करायी जाएगी।

गोवा की पोंडा, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे (दक्षिण) , नागालैंड की कोरिदांग (अजजा) तथा त्रिपुरा की धर्मनगर विधानसभा सीट के उप चुनावों के लिए अधिसूचना 16 मार्च को जारी की जाएगी और उम्मीदवार 23 मार्च तक नामांकन कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की गिनती 24 मार्च को की जाएगी तथा नाम 26 मार्च तक वापस लिए जा सकेंगे। ▶10पर

‘बीबी अभी ज़िंदा है...’

मौत की अफवाहों के बीच कॉफी पीते नज़र आए नेतन्याहू

तेल अवीव, 15 मार्च (एजेंसियां)।
इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक शॉप में कॉफी पीते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर उन अफवाहों के बीच सामने आया है, जिनमें उनके निधन की झूठी खबरें फैलाई जा रही थीं। वीडियो में नेतन्याहू मजाकिया अंदाज में कहते हैं, ‘लोग कह रहे हैं कि बीबी (नेतन्याहू का निकनेम) मर गया है। क्या आप भी यही पूछ रहे हैं?’ इसके बाद उन्होंने कैमरे के सामने अपने दोनों हाथों को दिखाते हुए कहा, ‘लोग मेरी उंगलियां भी गिन सकते हैं।’

एआई अफवाहें और सोशल मीडिया पर बहस

ये अटकलें उस समय शुरू हुईं जब बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह ईरान युद्ध को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते दिख रहे थे। वीडियो पोस्ट होने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि नेतन्याहू के दाहिने हाथ में छह उंगलियां दिखाई दे रही थीं। करीब 35 सेकंड के आसपास छोटी उंगली के पास दिखाई देने वाले अतिरिक्त मांस के टुकड़े को कुछ लोगों ने छठी उंगली समझ लिया और इसे एआई से बनी तस्वीर की गड़बड़ी बताया। ताजा वीडियो में बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि उन्हें कॉफी बेहद पसंद है और अपने लोगों से भी उतना ही लगाव है। उन्होंने युद्ध की इस घड़ी में इजरायली नागरिकों की हिम्मत और धैर्य की सराहना करते हुए कहा, ‘हमारे देश के लोगों का यही ▶10पर

मोइनाबाद ड्रग्स मामले में

रोहित और एमपी महेश समेत 6 पॉज़िटिव

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के पास मोइनाबाद स्थित एक फार्महाउस पर शनिवार रात पुलिस की ईगल फोर्स द्वारा की गई छापेमारी में एक बड़े ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में कुल 11 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से शुरुआती जांच और लैब रिपोर्ट के बाद 6 लोगों के ड्रग्स सेवन की पुष्टि हुई है।

रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह फार्महाउस पूर्व बीआरएस विधायक पायलट रोहित रेड्डी का है। परीक्षण के दौरान रोहित रेड्डी के शरीर में नशीले पदार्थों के अंश पाए गए हैं और उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं, आंध्र प्रदेश से टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार को लेकर नाटकीय घटनाक्रम सामने आया। पुलिस का आरोप है कि उन्होंने शुरुआती जांच में अपने यूरिन सैंपल में पानी मिलाकर सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की, जिससे रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। हालांकि, अगली सुबह किए गए ब्लड टेस्ट में उनके सिस्टम में कोकीन और मेथमफेटामाइन जैसे घातक ड्रग्स की पुष्टि हुई है।

पुलिस टीम पर फायरिंग और हथियारों की बरामदगी

छापेमारी के दौरान स्थिति तब और गंभीर हो गई जब पुलिस टीम को देखते ही नमित शर्मा नामक व्यक्ति ने अपनी पिस्टल से 3 से 4 राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि कोई पुलिसकर्मी हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने मौके से हथियार और खाली कारतूस बरामद कर लिए हैं। इस गोलीबारी को लेकर एक अलग और गंभीर मामला दर्ज किया गया है।

ईगल फोर्स के एसपी आर. गिरिधर ने पुष्टि की कि फार्महाउस में संदिग्ध हलचल की सूचना मिलने के बाद यह ऑपरेशन चलाया गया था, जहाँ उद्योगपति, रियलटर्स और राज-नेता पार्टी कर रहे थे।

सांसद को स्टेशन बेल; अन्य के खिलाफ कार्रवाई जारी

गिरफ्तार किए गए लोगों में से सांसद पुट्टा महेश कुमार और प्रियंका रेड्डी को संसद सत्र में शामिल होने के आधार पर स्टेशन बेल (जमानत) दे दी गई है। वहीं, दो अन्य आरोपियोंअर्जुन रेड्डी और कौशिक रविने लिखित वचन दिया है कि वे 45 दिनों के पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरेंगे। मुख्य आरोपी और फार्महाउस के मालिक रोहित रेड्डी सहित शेष लोगों को जल्द ही अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

इन 11 लोगों पर दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने मोराविनैनी रमेश, पुट्टा महेश कुमार, पांजुगुला रोहित रेड्डी, वरमचानेनी श्रवण कुमार, नमित शर्मा, पांजुगुला रितेश रेड्डी, नल्लापन्नेनी विजय कृष्णा, कौशिक रवि, तिरुवीडुला अर्जुन रेड्डी, आर. प्रियंका रेड्डी और सिलवेरी शरथ कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार्टून कॉर्नर

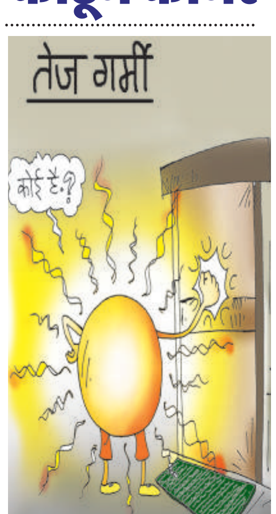

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 22^0

हैदराबाद के खाद्य उद्योग पर संकट

एलपीजी की कमी से हर दिन 100 करोड़ का नुकसान!

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):
हैदराबाद का होटल और रेस्टोरेंट उद्योग इस समय एक बड़े वित्तीय संकट के मुहाने पर खड़ा है। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत के कारण शहर की 70,000 से अधिक इकाइयों को हर दिन लगभग 100 करोड़ का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। उद्योग प्रतिनिधियों के अनुसार, पिछले दो दिनों में ही इस क्षेत्र को करीब 50 करोड़ की चपत लग चुकी है।

मेनू में कटौती और कीमतों में बढ़ोतरी

गैस की कमी के कारण कई रेस्टोरेंटों ने अपनी किचन गतिविधियों को सीमित कर दिया है। अब केवल वही व्यंजन बनाए जा रहे हैं जिनमें गैस की खपत कम होती है। कई छोटे भोजनालयों और टिफिन सेंटरों ने गैस बचाने के लिए कुछ घंटों के लिए अपना कामकाज पूरी तरह बंद कर दिया है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि एलपीजी की बढ़ती लागत के कारण कई होटलों ने नाश्ते (टिफिन) और भोजन की कीमतों में वृद्धि कर दी है, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरए-आई) का कहना है ▶10पर

फूड डिलीवरी एजेंटों की कमाई हुई आधी

हैदराबाद में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की भारी कमी ने शहर की फूड डिलीवरी सेवाओं को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। रसोई गैस की सीमित आपूर्ति के कारण कई रेस्टोरेंटों ने या तो अपने परिचालन को सीमित कर दिया है या ऑनलाइन ऑर्डर लेना बंद कर दिया है। इस संकट की सबसे ज्यादा मार ‘गिग वर्कर्स’ (डिलीवरी पार्टनर्स) पर पड़ रही है, जिनकी दैनिक आय में भारी गिरावट दर्ज की गई है। शहर के विभिन्न हिस्सों में काम करने वाले जोमैटो और स्विगी जैसे प्लेटफार्मों के डिलीवरी पार्टनर्स ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि उनकी कमाई पहले ▶10पर

ईरान युद्ध पर भारत का स्टैंड सही : आरएसएस

पानीपत, 15 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के आखिरी दिन रविवार को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच ईरान को लेकर भारत के स्टैंड पर कहा कि भारत हित में सरकार सही कर रही है, ऐसा विश्वास है कि सरकार का स्टैंड सही है। उन्होंने कहा कि संघ पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों पर जोर देता है। बांग्लादेश और नेपाल में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नई सरकारें बनी हैं। दोनों देशों में शांति-स्थिरता और उनका भारत के साथ अच्छा संबंध पूरे एशिया के विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी चिंता जताई। होसबाले ने कहा- भारतीयता क्या है, हिंदुत्व क्या है, इसकी एक स्पष्ट अवधारणा होनी चाहिए। यह केवल एक मानसिकता नहीं बल्कि एक जीवनशैली है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) उत्तर भारत के लिए हरियाणा में बड़ा केंद्र विकसित करने की तैयारी में है। इसका प्रस्ताव हरियाणा के पानीपत में चल रही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में रखा जाएगा। पानीपत के पट्टीकल्याणा में बना माधव दृष्टि साधना केंद्र करीब 25 एकड़ में फैला है। ▶10पर

किम जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया को चेताते हुए किया मल्टी-राकेट टेस्ट का निरीक्षण

प्योंगयांग, 15 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए अपनी बेटी के साथ एक शक्तिशाली मल्टी-राकेट लान्चर परीक्षण का निरीक्षण किया है। सरकारी मीडिया द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार, किम जोंग उन ने शनिवार को देश के पूर्वी तट पर 12 अति-सटीक 600 मिमी कैलिबर के राकेट प्रक्षेपकों के परीक्षण की निगरानी की। इस कदम को अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास के कड़े जवाब के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि वह इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों का मुंहतोड़ जवाब देगा, जिन्हें वह अपने ऊपर आक्रमण की तैयारी और उकसावे के रूप में देखता है। परीक्षण के दौरान किम जोंग उन ने स्पष्ट किया कि यह अभ्यास उनके दुश्मनों को बेचैन करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि इन हथियारों की मारक क्षमता के दायरे में आने वाला प्रतिद्वंद्वी का कोई भी सैन्य बुनियादी ढांचा बच नहीं पाएगा। किम ने यह भी रेखांकित किया कि इस परीक्षण के माध्यम से दुनिया उनके सामरिक परमाणु हथियार की विनाशकारी शक्ति को बेहतर ढंग से समझ सकेगी। दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, शनिवार को उत्तर कोरिया की ओर से पूर्वी सागर में लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है। परिषद ने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों का सीधा उल्लंघन बताया है जो उत्तर कोरिया की किसी भी प्रकार की बैलिस्टिक गतिविधियों पर रोक लगाते हैं। जानकारों का मानना है कि 420 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले इन राकेट्स का मुख्य निशाना दक्षिण कोरिया और वहां तैनात अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं। इस सैन्य निरीक्षण के दौरान किम जोंग उन की बेटी, किम जू ऐ भी उनके साथ नजर आईं। तस्वीरों में पिता-पुत्री विशाल जैतूनी-हरे रंग के लान्चिंग ट्रकों के पास चलते हुए और हथियारों के प्रक्षेपण का अवलोकन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। लगभग 13 वर्षीय किम जू ऐ 2022 के अंत से ही प्रमुख सैन्य परेडों और हथियार परीक्षणों में अपने पिता के साथ सक्रिय रूप से दिखाई दे रही हैं। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का अनुमान है। कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में तैयार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के गोरखा जिले में बस हादसा, सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में शनिवार देररात हुए बस हादसे में सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। 14 तीर्थयात्री मनकामना मंदिर के दर्शन कर माइक्रो बस (बागमती प्रदेश 006 ब 8430) से लौट रहे थे। यह बस शहीद लखन गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गोरखा जिला पुलिस अधीक्षक भरत बहादुर के अनुसार बस में सवार 14 लोगों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें पांच महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। अन्य सात गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि बस सड़क किनारे लगभग 200 मीटर नीचे ढलान में गिर गई। वाहन में चालक और सह चालक को छोड़कर बाकी सभी यात्री भारतीय नागरिक थे। हादसे की सूचना मिलते ही गोरखा स्थित सशस्त्र पुलिस बल नेपाल की 29वीं बटालियन की बचाव टीम और जिला पुलिस कार्यालय गोरखा के पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। नेपाल पुलिस ने मृतकों की सूची जारी की है। इनमें से किसी के भी प्रदेश का जिक्र नहीं है। यह सूची इस प्रकार है- मुतु कुमार, 58 वर्ष, पुरुष, अनामलिका, 58 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 59 वर्ष, महिला, शिवगामी, 53 वर्ष, महिला, विजयाल, 57 वर्ष, पुरुष, मीणा, 58 वर्ष, महिला, तमिलारेशी 60 वर्ष, महिला। पुलिस का कहना है कि इनके दक्षिण भारतीय होने की संभावना है। भरतपुर मेडिकल अस्पताल में भर्ती घायल भारतीय नागरिकों की सूची इस प्रकार है- सोरनम, 62 वर्ष, पुरुष, मंगदा जलम, 65 वर्ष, महिला, सुभद्रा, 75 वर्ष, महिला, मायला, 65 वर्ष महिला, सरोजा, 73 वर्ष,महिला, भाग्यलक्ष्मी, 65 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 34 वर्ष, महिला।

पेंटागन ने इराक में रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटना में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान की

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन ने गुरुवार को पश्चिमी इराक में ईरान के खिलाफ

अभियान में हिस्सा ले रहे रीफ्यूलिंग विमान हादसे में मारे गए सभी छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान कर ली है। पेंटागन ने कहा कि इस हादसे की जांच अभी भी जारी है। सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट में पेंटागन के हवाले कहा कि इन छह सैनिकों की पहचान इस प्रकार है- (1) मेजर जान ए. क्लिनर (33) आबर्न, अलबामा (2) कैप्टन एरियाना जी. सैविनो (31) कोविंगटन, वाशिंगटन, (3) टेक. सार्जेंट एशले बी. प्रुइट (34) बार्डस्टाउन, केंटकी (4) कैप्टन सेथ आर. कोवल (38) मूर्सविले, इंडियाना, (5) कैप्टन कर्टिस जे. एंगस्ट (30) विलमिंगटन, ओहियो और (6) टेक. सार्जेंट टायलर एच. सिमंस (28) कोलंबस, ओहियो। पेंटागन ने कहा कि क्लिनर, सैविनो और प्रुइट फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फ़ोर्स बेस की 6वीं एयर रीफ्यूलिंग विंग और कोवल, एंगस्ट और सिमंस कोलंबस ओहियो में रिकेनबैकर एयर नेशनल गार्ड बेस की 121वीं एयर रीफ्यूलिंग विंग में तैनात थे।

ईरान ने मिडिल ईस्ट देशों से अमेरिकी सेना हटाने की अपील की

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रों से अमेरिका की सेना को हटाने पर विचार करें। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में विदेशी सैन्य मौजूदगी क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा रही है। अराघची ने कहा कि पूरे क्षेत्र में लगातार जवाबी हमले और सैन्य गतिविधियां जारी हैं, जिससे हालात और अधिक अस्थिर हो गए हैं। उनके अनुसार, ऐसी स्थिति में बाहरी ताकतों की सैन्य मौजूदगी शांति स्थापित करने के बजाय संकट को और गहरा कर सकती है। ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका लंबे समय से खाड़ी देशों को सुरक्षा देने का दावा करता रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह सुरक्षा ढांचा कमजोर साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी सुरक्षा नीति क्षेत्र में स्थिरता लाने में प्रभावी नहीं रही है। अराघची ने यह दावा भी किया कि अमेरिका अब महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों, खासकर चीन से सहयोग की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दिखाती है कि क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं।

नेतन्याहू की मौत की अफवाहों पर लगा विराम इजरायली पीएमओ ने दावों को बताया फेक न्यूज

तेलअवीव, 15 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत की अफवाहें जंगल की आग की तरह फैल रही थीं। इन चर्चाओं ने तब और जोर पकड़ लिया जब नेतन्याहू के एक हालिया वीडियो को एआई डीपफेक बताया जाने लगा। हालांकि, अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने आधिकारिक बयान जारी कर इन सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है और स्पष्ट किया है कि नेतन्याहू पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। अफवाहों का यह सिलसिला तब शुरू हुआ जब 13 मार्च को नेतन्याहू के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया। इस वीडियो में वे एक मंच से भाषण देते नजर आ रहे थे।

इंटरनेट यूजर्स ने वीडियो के एक विशिष्ट फ्रेम को जूम करके यह दावा करना शुरू कर दिया कि उनके दाहिने हाथ में छह उंगलियां दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया पर इसे क्लासिक एआई ग्लिच करार दिया गया और तर्क दिया गया कि चूंकि प्रधानमंत्री कुछ समय से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं, इसलिए सरकार उनकी मौत की खबर छिपाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले रही है। इन दावों की गंभीरता को देखते हुए इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने तुर्की मीडिया के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी किया। कार्यालय ने कहा, यह पूरी तरह से फेक न्यूज है। प्रधानमंत्री सुरक्षित हैं और अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। इस बयान का मुख्य उद्देश्य उन भ्रामक सूचनाओं पर लगाम लगाना था, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ईरान द्वारा किए गए जवाबी हमलों में नेतन्याहू को निशाना बनाया गया है। तकनीकी विशेषज्ञों और फैक्ट-चेकर्स ने भी छह उंगलियों वाले वीडियो का विश्लेषण किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिसे लोग छठी उंगली समझ रहे हैं, वह दरअसल कैमरे के एंगल, हाथों की तेज गति और लाइटिंग के कारण पैदा हुआ एक आप्टिकल इल्यूजन यानी दृष्टि भ्रम है। कई स्वतंत्र फैक्ट-चेकिंग संस्थाओं ने पुष्टि की है कि वीडियो में हाथ की बनावट सामान्य है और वह हिस्सा हथेली का ही एक अंग है जो खास एंगल की वजह से उंगली जैसा दिख रहा है। गौरतलब है कि ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को एक हवाई हमले में हुई मौत के बाद से दोनों देशों के बीच युद्ध का माहौल चरम पर है।

ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई पाकिस्तानी नौसेना......होर्मुज जलडमरूमध्य जाने से किया इंकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे अपने मालवाहक जहाजों को एस्कार्ट करने से पीछे हटी है। यह बात खुद पाकिस्तान ने स्वीकार की है कि वह इसके लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को न पार करेगी और ना ही फारस की खाड़ी में कोई अभियान चलाएगी। इसके इतर, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज अरब सागर में ही रुके रहने वाले है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान ने इस इलाके को समुद्री बारूदी सुरंगों से पाट दिया है, जिससे न सिर्फ युद्धपोतों बल्कि मालवाहक जहाजों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। पाकिस्तानी मीडिया ने वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य पर नहीं, बल्कि अपने समुद्री मार्गों पर मर्चेंट शिप को एस्कार्ट कर रही हैं। इस आपरेशन की सीधी जानकारी रखने वाले एक सुरक्षा आफिसर ने बताया कि यह अहम रास्ता बंद होने से दुनिया भर में एनर्जी संकट के बीच हुआ है। उसने कहा कि यह आपरेशन मुहाफिज-उल-बहर सिर्फ पाकिस्तान की अपनी समुद्री कम्युनिकेशन लाइनों पर फोकस है, खासकर कराची को खाड़ी क्षेत्र और लाल सागर से जोड़ने वाले रूट पर। इन आपरेशन को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को एस्कार्ट करने के तौर पर गलत नहीं समझना चाहिए। पाकिस्तानी मिलिट्री के मीडिया विंग ने बताया कि नौसेना ने आपरेशन मुहाफिज-उल-बहर शुरू किया है। इसमें पाकिस्तानी नौसेना के जहाज मर्चेंट शिप को एस्कार्ट कर रहे हैं ताकि देश की एनर्जी सप्लाई बिना रुके चलती रहे और कम्युनिकेशन की समुद्री लाइनों की सिक्योरिटी बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य इतना जरूरी क्यों है होर्मुज जलडमरूमध्य अरब की खाड़ी का पतला मुहाना है, जिससे दुनिया का करीब पांचवां हिस्सा तेल गुजरता है। ईरान के खिलाफ यूएस-इजरायल युद्ध ने अहम रास्ते पर टैंकर ट्रैफिक रोक दिया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कई जहाजों पर हमला किया है और वहां से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को धमकी दी है।

ईरान महिला फुटबाल टीम की तीन सदस्यों का आस्ट्रेलिया में शरण लेने से इनकार

कैनबरा (आस्ट्रेलिया), 15 मार्च (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलियाई सरकार के एक मंत्री ने रविवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि ईरान की महिला फुटबाल टीम की ती सदस्यों ने अपना इरादा बदल लिया है। इनका आस्ट्रेलिया में रहने के लिए शरणार्थी वीजा स्वीकार किया जा चुका है। बावजूद इसके उन्होंने अपने वतन लौटने का फैसला किया।

रिपोर्ट के अनुसार, आस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इनके जाने के बाद टीम की शुरुआती सात सदस्यों में से अब सिर्फ तीन सदस्य ही आस्ट्रेलिया में हैं। टोनी बर्क ने एक बयान में कहा, रात भर में ईरान की महिला फुटबाल टीम की तीन सदस्यों ने बाकी सदस्यों के साथ ईरान वापस जाने का फैसला किया।

उल्लेखनीय है कि ईरान की टीम पिछले महीने महिला एशियाई कप के लिए आस्ट्रेलिया पहुंची थी। इसके फौरन बाद 28 फरवरी को मध्य पूर्व में युद्ध शुरू हो गया। इसके बाद हुआ यह कि दो मार्च को दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरानी महिला खिलाड़ियों ने अपना राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इसे ईरान में चल रहे शासन-विरोधी प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा गया।

ईरानी सरकारी मीडिया और वहां के उच्च अधिकारियों ने इन महिला खिलाड़ियों को युद्धकालीन देशद्रोही करार दिया। यह एक गंभीर आरोप है। इसके लिए ईरान में मौत की सजा तक का प्रावधान है। इन खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आस्ट्रेलियाई सरकार ने टीम की कई सदस्यों को मानवीय वीजा प्रदान किया।

शुरुआत में सात सदस्यों (छह खिलाड़ी और एक स्टाफ) ने शरण स्वीकार की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए आस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने की अपील की थी। ईरानी फुटबाल महासंघ ने आस्ट्रेलिया पर खिलाड़ियों को अगवा करने और उन्हें जबरन शरण लेने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

बलोचिस्तान में पुलिस पर हमले, कहीं हथियार छीने, कहीं वाहन फूंके

क्वेटा। बलोचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में सशस्त्र समूहों ने पुलिस बलों को निशाना बनाया है। तुरबत में चोगन कुंड के पास हथियारबंद लोगों ने पुलिस दल को निशाना बनाया और डीएसपी के आधिकारिक वाहन को हथियारों सहित छीन कर फरार हो गए। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में इन घटनाओं का जिक्र किया गया है। चोगन कुंड की घटना के बाद ईशा की नमाज के समय तुरबत हवाई अड्डे के पास एक जोरदार धमाका सुना गया। हालांकि, धमाके की प्रकृति और इसके संभावित प्रभावों के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। इसी बीच, चागाई जिले के पदाग इलाके में मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद लोगों ने एक पुलिस चौकी पर हमला किया। हमलावरों ने एक पुलिस वैन और एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी और हथियार लूट लिए। इन घटनाओं की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है।

व्हाट्सएप में जल्द जुड़ेंगे कई नए फीचर्स

सैन फ्रांसिस्को, 15 मार्च (एजेंसियां)।

आने वाले समय में लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफार्म्स व्हाट्सएप कई नए फीचर्स ला सकता है। इन फीचर्स में सब्सक्रिप्शन प्लान, ऐप आइकन और थीम कस्टमाइजेशन, क्लोज फ्रेंड्स स्टेटस लिस्ट, पैरेंटल कंट्रोल और प्रोफाइल कवर फोटो जैसे विकल्प शामिल हो सकते हैं।

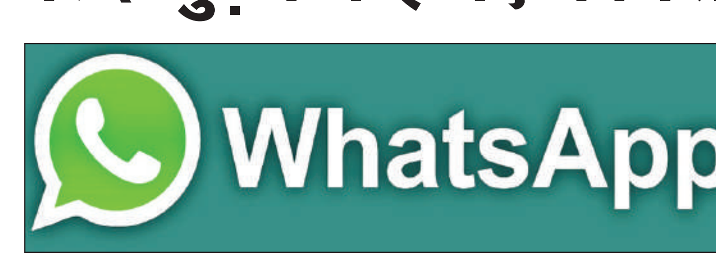

ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल इन फीचर्स की टेस्टिंग बीटा वर्जन में की जा रही है। अगर टेस्टिंग सफल रहती है तो इन्हें धीरे-धीरे सभी यूजर्स के लिए जारी किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार व्हाट्सएप एक नया पेड सब्सक्रिप्शन प्लान शुरू करने की तैयारी में है, जिसे व्हाट्सएप प्लस कहा जा रहा है। इस प्लान के तहत यूजर्स को कुछ अतिरिक्त सुविधाएं मिल सकती हैं। संभावित फीचर्स में क्लाउड स्टोरेज की सुविधा, एक अकाउंट को चार से ज्यादा डिवाइस में लागिन करने का विकल्प और कई नई थीम्स शामिल हो सकती हैं। इसके अलावा यूजर्स को ऐप के अलग-अलग आइकन चुनने का विकल्प भी दिया जा सकता है, जिससे वे अपने फोन में ऐप का लुक बदल सकेंगे। जल्द ही ऐसा फीचर भी आ सकता है, जिससे यूजर व्हाट्सएप का डिजाइन अपनी पसंद के अनुसार बदल सकेंगे।

इस फीचर की मदद से लोग होम स्क्रीन पर दिखने वाले ऐप आइकन का रंग या स्टाइल बदल पाएंगे। इसके साथ ही ऐप के अंदर की थीम को भी कस्टमाइज किया जा सकेगा। यानी चैट स्क्रीन, मेन्यू और अन्य इंटरफेस का लुक यूजर अपनी पसंद के अनुसार सेट कर पाएंगे। फिलहाल यह फीचर बीटा वर्जन में टेस्ट किया जा रहा है। स्टेटस को ज्यादा प्राइवेट बनाने के लिए कंपनी क्लोज फ्रेंड्स फीचर पर भी काम कर रही है। अभी यूजर्स अपने स्टेटस को सभी कान्टैक्ट्स के साथ शेयर करते हैं या फिर कुछ लोगों से छिपा देते हैं। नए फीचर के आने के बाद यूजर अपने खास दोस्तों या भरोसेमंद लोगों की अलग लिस्ट बना सकेंगे। इसके बाद जब भी वे स्टेटस पोस्ट करेंगे, वह सिर्फ उसी चुनी हुई लिस्ट में मौजूद लोगों को दिखाई देगा। आनलाइन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्हाट्सएप पैरेंटल कंट्रोल फीचर पर भी काम कर रहा है। इस फीचर के जरिए माता-पिता बच्चों के अकाउंट की गतिविधियों को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकेंगे।

लीक रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फीचर के तहत सेकेंडरी अकाउंट केवल फोन में सेव कान्टैक्ट्स को ही मैसेज या काल कर पाएगा और उन्हीं से काल या मैसेज प्राप्त कर सकेगा। इससे बच्चों के अनजान लोगों से संपर्क करने का जोखिम काफी कम हो सकता है। भविष्य में यूजर्स को प्रोफाइल कवर फोटो लगाने का विकल्प भी मिल सकता है। इस फीचर के जरिए यूजर अपने प्रोफाइल पर एक बड़ा बैनर फोटो लगा पाएंगे। यह फीचर सोशल मीडिया प्रोफाइल जैसा अनुभव देगा और इससे व्हाट्सएप का प्रोफाइल पेज पहले से ज्यादा आकर्षक नजर आ सकता है। अगर ये सभी फीचर्स लान्च होते हैं तो व्हाट्सएप का इस्तेमाल करने का अनुभव पहले से ज्यादा बेहतर और पर्सनलाइज्ड हो सकता है।

क्या अंतरिक्ष में गर्भधारण और बच्चे का जन्म सुरक्षित है..........क्या कहता हैं विज्ञान

वाशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)।

जैसे-जैसे इंसान मंगल और चंद्रमा पर बस्तियां बसाने की योजना तैयार कर रहा है, एक बड़ा सवाल वैज्ञानिकों के सामने खड़ा है कि क्या अंतरिक्ष में गर्भधारण और बच्चे का जन्म सुरक्षित है अब तक की रिसर्च में सामने आया हैं कि ये तकनीकी रूप से यह संभव है, लेकिन बिना पृथ्वी के सुरक्षा कवच (गुरुत्वाकर्षण और वायुमंडल) के, एक नए जीवन का विकास किसी बड़े खतरे से कम नहीं होगा। पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण हमारे शरीर की हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती देने में प्राथमिक भूमिका निभाता है। अंतरिक्ष की माइक्रोग्रैविटी में भ्रूण के विकास के दौरान उसकी हड्डियों के घनत्व में भारी कमी आ सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जीरो ग्रेविटी के कारण बच्चे का ऊपरी शरीर विकसित

हो सकता है, लेकिन निचले हिस्से और पैरों की मांसपेशियां बेहद कमजोर हो सकती हैं। अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण शरीर के तरल पदार्थ सिर की ओर शिफ्ट हो सकते हैं। इससे गर्भ में पल रहे शिशु की खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ सकता है। यह असामान्य दबाव बच्चे के मस्तिष्क विकास और आंखों की रोशनी को प्रभावित कर सकता है, जिससे भविष्य में न्यूरोलाजिकल समस्याएं पैदा होने का खतरा रहता है। इतना ही नहीं अंतरिक्ष खतरनाक कास्मिक रेडिएशन से भरा है, जिससे पृथ्वी का वायुमंडल हमें बचाता है। भ्रूण के सेल्स बहुत तेजी से विभाजित होते हैं, जिससे वे रेडिएशन के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। रेडिएशन डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके चलते जन्म दोष, मिसकैरेज या समय से पहले जन्म जैसी स्थितियां बन सकती हैं। इतना ही नहीं स्पेस में बच्चे को जन्म देना किसी मेडिकल चुनौती से कम नहीं होगा। बिना गुरुत्वाकर्षण के लेबर पेन के दौरान पुश करना और शरीर के फ्लूइड्स को नियंत्रित करना मां और डाक्टरों के लिए करीब असंभव होगा। इसके अलावा, जो बच्चा अंतरिक्ष में बड़ा होगा, उसके लिए बाद में पृथ्वी के भारी गुरुत्वाकर्षण में खुद को ढालना एक बड़ी शारीरिक चुनौती होगी।

अब गलत जानकारी नहीं देगा गूगल मैप, कंपनी जोड़ रही दो नई एआई सुविधाएं

वाशिंगटन। गूगल मैप की गलत जानकारी की वजह से कई हादसे हुए हैं। कुछ हादसों में तो जान-माल का भी नुकसान हुआ, लेकिन कंपनी ने अब इसका तोड़ निकाल लिया है। गूगल ने अपने डिजिटल मानचित्र मंच गूगल मैप्स में बड़े बदलाव की घोषणा कर कहा कि अब यह सेवा लोगों को कहीं जाने की योजना बनाने और वहां पहुंचने का बेहतर तरीका बताने के लिए एआई का ज्यादा इस्तेमाल करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गूगल की जेमिनी टेक्नोलाजी से आपरेटेड इस बदलाव के तहत मैप्स में दो नई एआई आधारित सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। यह फीचर लोगों को उनके रास्ते की ज्यादा सटीक और सही जानकारी उपलब्ध कराएगा। अभी दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा लोग इस सेवा का इस्तेमाल करते हैं। कंपनी ने बताया कि जेमिनी के सुझाव 30 करोड़ से ज्यादा स्थानों के डेटाबेस और 50 करोड़ से ज्यादा योगदानकर्ताओं की समीक्षा पर आधारित होंगे। गूगल की ओर से पेश किए गए दो फीचर में से पहली सुविधा आस्क मैप्स है, जो यूजर्स को बातचीत के अंदाज में सुझाव देगी। इसके जरिये यूजर मोबाइल चार्ज करने की नजदीकी जगह, कम भीड़ वाले कैफे या कई ठहराव वाली सड़क यात्रा के लिए विस्तृत यात्रा कार्यक्रम जैसी जानकारी पूछ सकेंगे।

आदतन गलती दोहराने वाले पेपर केंद्रों को प्रतिबंधित करने की जरुरत : योगी

लखनऊ 15 मार्च (एजेंसियाँ) उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (यूपी एसआई) भर्ती परीक्षा में हिंदी अनुभाग के एक प्रश्न के पूछे जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी भर्ती बोर्डों के चेयरपर्सन्स से कहा है कि सभी पेपर सेटर्स को स्पष्ट रूप से निर्देश दें कि हैबिचुअल ऑफेंडर्स (बार-बार गलती करने वाले) को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में किसी व्यक्ति, जाति, पंथ या सम्प्रदाय की मर्यादा और आस्था के संबंध में अमर्यादित टिप्पणी या संदर्भ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में पेपर सेटर्स के साथ किए जाने वाले एमओयू (समझौता ज्ञापन) में भी इस विषय को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हो रही बारिश को देखते हुए भी प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जिलाधिकारियों से कहा है कि वे फील्ड में जाकर फसलों को हुए नुकसान का तत्काल आकलन कराएं। साथ ही राहत आयुक्त को अधिकारियों के साथ सीधा समन्वय बनाकर किसानों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि 14 मार्च को आयोजित यूपी एसआई भर्ती परीक्षा के हिंदी अनुभाग में एक प्रश्न में 'पंडित' शब्द को 'अवसरवादी' के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस प्रश्न को लेकर ब्राह्मण समुदाय की भावनाएं आहत होने की बात सामने आई, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

ईरान का बड़ा बयान: बिना गारंटी और हर्जाने के युद्ध का अंत संभव नहीं

तेहरान, 15 मार्च (एजेंसियाँ) । ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा युद्ध का अंत तभी संभव है जब इस बात की पुख्ता गारंटी दी जाए कि हमले दोबारा नहीं दोहराए जाएंगे।श्री अराघची ने एक प्रमुख अरबी समाचार पत्र 'अल-अरबी अल-जदीद' से बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि युद्ध का अंत तभी संभव है जब इस बात की पुख्ता गारंटी दी जाए कि हमले दोबारा नहीं दोहराए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने संघर्ष के दौरान हुए नुकसान के लिए हर्जाने या मुआवजे के भुगतान की मांग भी उठाई है। श्री अराघची ने क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाने का प्रस्ताव भी दिया है जो क्षेत्र में हुए हमलों की बारीकी से जांच कर सके। ईरानी विदेश मंत्री ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि तेहरान की सैन्य कार्रवाइयां केवल इस क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और हितों तक ही सीमित रही हैं। उन्होंने इस बात का पुरजोर खंडन किया कि ईरान ने पड़ोसी देशों के किसी भी नागरिक या आवासीय क्षेत्र को

निशाना बनाया है। श्री अराघची ने आशंका जताई कि अरब देशों के नागरिक ठिकानों पर हुए हमलों के पीछे इजरायल का हाथ हो सकता है, जिसका उद्देश्य ईरान और उसके पड़ोसी अरब देशों के मधुर संबंधों में दरार पैदा करना है। श्री अराघची ने यह भी सनसनीखेज दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के 'शाहिद' की तरह ही 'लुकास' नामक एक नया ड्रोन बनाया है, जिसका उपयोग अरब देशों में ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान के ऊर्जा केंद्रों या तेल सुविधाओं को निशाना बनाया गया, तो तेहरान इसका कड़ा जवाब देगा। ऐसी स्थिति में ईरान इस क्षेत्र में सक्रिय अमेरिकी कंपनियों की ठिकानों पर सीधा हमला करेगा।

आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी स्वीकार नही : योगी

लखनऊ 15 मार्च (एजेंसियाँ) यूपी पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में प्रश्न पत्र संबंधी मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रवैया अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती बोर्ड के चेयरपर्सन्स को निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति,जाति,पंथ और सम्प्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न हो। ऐसी टिप्पणी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ऋइसका संज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स को भी निर्देशित करें और ऋहैबिचुअल ऑफेंडर्स को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए।

यह विषय पेपर सेटर्स के एमओयू का भी हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री ने रविवार सुबह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हुई वर्षा से फसलों को होने वाले नुकसान संबंधी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारी समेत सभी अधिकारियों को फील्ड में रहकर किसानों से संवाद करने और उनकी फसलों के नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया। राहत आयुक्त फील्ड के अधिकारियों से सीधा समन्वय रखें। ऋफसलों को होने वाली क्षति का आकलन प्राप्त कर ससमय मुआवजे के वितरण की व्यवस्था करें।

बसपा आंदोलन से जुड़कर बहुजन समाज बने ईमानदार और मिशनरी अम्बेडकरवादी : मायावती

लखनऊ 15 मार्च (एजेंसियाँ) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संस्थापक कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित देते हुए बहुजन समाज से अपील की है कि वे बसपा आंदोलन से जुड़कर ईमानदार और मिशनरी अम्बेडकरवादी बनें।उन्होने

कहा कि बहुजन समाज अपने वोट की ताकत से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल कर सकता है, जिससे संविधान में दिए गए अधिकारों को जमीन पर लागू किया जा सके।उन्होंने कहा कि यही कांशीराम का मिशन और उनके जीवन का संदेश भी है।

एयर इंडिया की अबु धाबी, रस अल खैमा शारजाह की विशेष उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ) एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की रविवार 15 मार्च की अपनी कई विशेष उड़ानें रद्द कर दी हैं।

टाटा समूह की कंपनियों ने रविवार को बताया कि यूएई हवाई अड्डा प्राधिकरण के निर्देश पर ये उड़ानें रद्द की गयी हैं। अबु धाबी, रस अल खैमा और शारजाह को जाने वाली विशेष उड़ानों को रद्द किया गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में खेद व्यक्त करते हुए बताया गया है कि प्रभावित यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आगे की तारीखों के लिए टिकट बुक करा सकते हैं या पूरा रिफंड पा सकते हैं। इनके अलावा, दिल्ली से दुबई की एयर इंडिया की पांच में से चार और एयर इंडिया एक्सप्रेस की छह में से पांच उड़ानें रद्द कर दी गयी हैं।

इससे पहले एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने आज नियमित और विशेष उड़ानें मिलाकर संयुक्त रूप से कुल 72 उड़ानों के परिचालन की सूचना दी थी। नियमित उड़ानें सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान की राजधानी मस्कट के लिए उपलब्ध हैं। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने भी दुबई से परिचालन पर प्रतिबंध बढ़ाये जाने की सूचना दी है।

ओपिनियन पोल : पश्चिम बंगाल में चौथी बार सीएम बन सकती हैं ममता बनर्जी, भाजपा को भी बड़ी बढ़त

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ) । भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में वोट डाले जाएंगे। पहले चरण में 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं, दूसरे चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को कुल 294 सीटों में से कम से कम 148 सीटों की आवश्यकता होती है। यह सदन की कुल सदस्य संख्या का आधा से एक अधिक है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान होने के साथ ही आईएएनएस-मैटराइज का ओपिनियन पोल भी आ गया है। ओपिनियन पोल में

पश्चिम बंगाल में किसके सिर पर सत्ता का ताज सजेगा, इसको लेकर राज्य की जनता की राय ली गई है।

ओपिनियन पोल के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सत्ता पर काबिज होने का अनुमान जताया गया है। वहीं, भाजपा के पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार ज्यादा सीटें जीतने के आसार ओपिनियन पोल में जताए गए हैं।

ओपिनियन पोल के अनुसार, पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से ममता बनर्जी की टीएमसी के 155 से 170 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा, भाजपा के 100 से 115 सीटें जीतने का दावा इस पोल में किया गया है। वहीं, अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं।ओपिनियन पोल में टीएमसी को 43-45 प्रतिशत वोट शेयर मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसके साथ ही एनडीए के 41-43 प्रतिशत और अन्य को 13 से 15 प्रतिशत वोट शेयर मिलने की उम्मीद जताई गई है। बंगाल विधानसभा चुनाव में 294 सीटों पर दो चरणों में चुनाव होने हैं।चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 6.44 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 3.28 करोड़, महिला मतदाता 3.16 करोड़ और थर्ड जेंडर 1,152 मतदाता हैं। अगर फर्स्ट-टाइम वोटर (18-19 साल) की बात करें तो उनकी संख्या 5.23 लाख है। 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के वोटरों की संख्या 1.31 करोड़ है। 85 साल से अधिक उम्र वाले मतदाता 3.79 लाख हैं। दिव्यांग वोटरों की संख्या 4.16 लाख है।

सीबीआई ने कंबोडिया साइबर ठगी गिरोह के रिक्रूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेशी साइबर ठगी गिरोहों के लिए भारतीय युवाओं की भर्ती करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के अनुसार यह आरोपी भारतीय नागरिकों को आकर्षक नौकरी का झांसा देकर विदेश भेजता था, जहां उन्हें साइबर अपराधों में जबरन शामिल किया जाता था। सीबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपी की पहचान कृष्ण कुमार लखवानी के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के कानपुर का रहने वाला है। एजेंसी को सूचना मिली थी कि कुछ संगठित साइबर अपराध सिंडिकेट विदेशी देशों में तथाकथित स्कैम कंपाउंड बनाकर बड़े पैमाने पर साइबर ठगी का संचालन कर रहे हैं। इन ठगी गिरोहों का एक प्रमुख केंद्र कंबोडिया में भी संचालित किया जा रहा है, जहां भारतीय युवाओं को फंसाकर उनसे ऑनलाइन ठगी कराई जाती है। जांच में सामने आया कि आरोपी युवाओं को डेटा एंट्री, कस्टमर सपोर्ट या अन्य आईटी से जुड़ी अच्छी सैलरी वाली नौकरियों का लालच देता था। उम्मीदवारों से करीब 300 से 400 अमेरिकी डॉलर तक वसूले जाते थे और उन्हें अलग-अलग रास्तों से दिल्ली के जरिए कंबोडिया भेजा जाता था। वहां पहुंचने के बाद इन युवाओं को साइबर ठगी के गिरोहों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था।

सीबीआई के मुताबिक, विदेशों में मौजूद इन स्कैम कंपाउंड्स में ले जाए गए लोगों को धमकी, डराने-धमकाने और अवैध कैद जैसी परिस्थितियों में रखा जाता था। उन्हें डिजिटल अरेस्ट स्कैम, पहचान की चोरी और अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जाता था। ऐसे पीड़ितों को आमतौर पर साइबर स्लेव कहा जाता है।सूचना के आधार पर निगरानी के बाद सीबीआई ने आरोपी को भारत पहुंचने पर ट्रैक कर लिया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए कार्यालय लाया गया। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन की पड़ताल की गई, जिसमें कई वीडियो मिले। इन वीडियो में वह उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेते हुए दिखाई दे रहा था, जो कथित तौर पर इन स्कैम कंपाउंड्स में भर्ती के लिए किए जा रहे थे। इसके अलावा, कई भारतीय उम्मीदवारों के पासपोर्ट की तस्वीरें भी बरामद की गईं, जिन्हें कथित तौर पर कंबोडिया स्थित इन केंद्रों में भेजा गया था।प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी एक बड़े आपराधिक सिंडिकेट का हिस्सा था, जो भारतीय नागरिकों को फर्जी नौकरी के ऑफर देकर विदेश भेजने का काम करता था। विदेश पहुंचने के बाद उन्हें अवैध रूप से कैद कर साइबर ठगी के नेटवर्क में शामिल किया जाता था, जो भारत समेत कई देशों के लोगों को निशाना बनाते हैं। सीबीआई ने आरोपी कृष्ण कुमार लखवानी को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने के लिए मामले की विस्तृत जांच जारी है।

राम मंदिर परिसर के नए नियम जारी

हथियार और मोबाइल को अनुमति नहीं, सिखों को किरपान की छूट

लखनऊ/अयोध्या, 15 मार्च (एजेंसियाँ)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में प्रवेश को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के मुताबिक मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते कुछ चीजों पर सख्त पाबंदी रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि आने वाले भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो। 'श्री राम जन्मभूमि परिसर में मोबाइल फोन लेकर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई व्यक्ति सुरक्षा कर्मियों के साथ आता है तो उन सुरक्षा कर्मियों को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।लाइसेंसी रिवॉल्वर, तलवार या बंदूक जैसे किसी भी प्रकार के हथियार परिसर के भीतर प्रतिबंधित रहेंगे। सिख भाइयों के अधिकारों के अनुसार केवल छोटी किरपान जिसे कानूनी रूप से धारण किया जाता है, गले में पहनकर लाने की अनुमति होगी। यह छूट केवल सिख समुदाय के लोगों के लिए होगी। 19 मार्च को चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत रखते हैं और दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचते है।

कश्मीर के उरी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया : सेना

श्रीनगर, 15 मार्च (एजेंसियाँ) जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सुरक्षा बलों ने कल रात घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया और इस ऑपरेशन के दौरान एक संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। कश्मीर क्षेत्र में इस वर्ष नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की यह पहली कोशिश थी, जिसे शनिवार की रात उरी सेक्टर के बुछार इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली एक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर नाकाम कर दिया गया।

सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि 'डिग्गी 2 उरी' नाम का यह ऑपरेशन अभी भी जारी है।सेना ने कहा, पुलिस से घुसपैठ की कोशिश के बारे में मिली खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार की रात उरी सेक्टर के बुछार इलाके में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। चौकस जवानों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध हलचल देखी। घात लगाकर आतंकवादी को ललकारा गया, जिसके जवाब में उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। सेना ने बताया कि मौके से एक राइफल, पिस्तौल और भारी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया गया है।

'बहुजन समाज के सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए खड़ी रहेगी कांग्रेस': राहुल गांधी

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और समाज सुधारक कांशीराम की जयंती के मौके पर उन्हें नमन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बहुजन समाज की भागीदारी, सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए पहले भी खड़ी थी, आज भी है और हमेशा रहेगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, बहुजन नायक कांशीराम की जयंती पर उन्हें सादर नमन। गरीबों, दलितों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका अथक संघर्ष और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है। उनका मानना था संविधान ही दलितों, पिछड़ों और वंचितों की असली ताकत है। राहुल गांधी ने लिखा, संविधान आज खतरे में है। बाबा साहेब के संविधान की शपथ ले कर सत्ता में बैठने वाले ही उसको कमजोर करने पर तुले हैं। जब तक सत्ता में भागीदारी नहीं, तब तक न्याय संभव नहीं, कांशीराम की विरासत यही कहती है। सामाजिक न्याय का यह सपना अधूरा नहीं रहेगा। कांग्रेस पार्टी बहुजन समाज की भागीदारी, सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए पहले भी

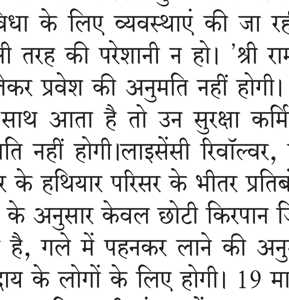

खड़ी थी, आज भी है और हमेशा रहेगी।इससे पहले, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पोस्ट किया, महान समाज सुधारक कांशीराम ने दलित, वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर उन्हें भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उनकी जयंती पर हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।वहीं, राजद नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लिखा, सामाजिक न्याय के प्रणेता, वंचितों के राजनीतिक एकीकरण व उत्थान के पुरोधा, हाशिए के समूहों में सामाजिक राजनीतिक चेतना जागृत करने वाले लोक समता के पैरोकार,

खरगे और प्रियंका ने कांशीराम के योगदान को किया याद

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सामाजिक समानता आंदोलन के नायक कांशीराम की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान को याद किया।दोनों नेताओं ने कहा कि श्री कांशीराम ने दलित और पिछले वर्गों की आवाज उठाकर उन्हें सामाजिक न्याय और बराबरी दिलाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री खड़गे ने अपने संदेश में लिखा महान समाज सुधारक मान्यवर कांशीराम जी ने दलित, वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर उन्हें भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

श्रीमती वाड्रा ने कहा कि श्री कांशीराम सामाजिक न्याय की विचारधारा के नायक एवं दलित, वंचित, शोषित तबकों की प्रखर आवाज बने। उन्होंने अपने विचारों और आंदोलनों के माध्यम से समानता और न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों को नई ऊंचाई दी। उनके विचार सभी को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

जनसेवा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : शर्मा

लखनऊ 15 मार्च (एजेंसियाँ) नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के कड़े रुख के बाद जौनपुर के मडियाहूं विद्युत उपकेंद्र में बड़ी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता यानि जेई के अनुपस्थित रहने और कार्यालय में अनियमितताएं पाए जाने पर अधीक्षण अभियंता अनिल पाठक ने अवर अभियंता शहजाद अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उपखंड अधिकारी सौरभ तिवारी को चार्जशीट दी गई है। ऊर्जा मंत्री ने साफ कहा कि विद्युत व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री शर्मा ने पाया कि कई अभिलेख और लॉगशीट सही तरीके से नही भरे थे और जिम्मेदार अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं थे।

उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत विभाग जनसेवा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए। जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए और अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करते रहें।

चाबहार बंदरगाह परियोजना पर स्थिति स्पष्ट करे सरकार : कांग्रेस

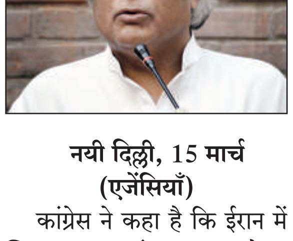

नयी दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियाँ)

कांग्रेस ने कहा है कि ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह इस दौरान परिदृश्य में नहीं है और इसका अदृश्य होना सरकार की कूटनीति के लिए और बड़ा झटका है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा कि सरकार को चाबहार परियोजना को लेकर स्थिति स्पष्ट कर बताना चाहिए कि क्या भारत अब भी इस परियोजना में शामिल है।

उनका उनका कहना था कि अगर ऐसा नहीं है तो यह भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका है।

समीरा रेड्डी की ज़िंदगी का स्पेशल गेस्ट बना एलपीजी सिलेंडर, खुशी से झूमीं अभिनेत्री

इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर भारत में देखने को मिल रहा है, जहां घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ लोग 28 दिन में एक सिलेंडर की बुकिंग ही कर पा रहे हैं। ऐसे में कई जगहों पर लोगों को घरेलू सिलेंडर के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है लेकिन इसी बीच 'मैंने दिल तुझको दिया' की अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसमें सिलेंडर को वीआईपी गेस्ट की तरह ट्रीट किया जा रहा है। देश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर बनी स्थिति के बीच समीरा रेड्डी ने ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद हंसी आना तय है लेकिन यह देश के हालात पर तंज भी है। अभिनेत्री द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एलपीजी सिलेंडर का स्वागत रेड कार्पेट पर किया जा रहा है और उसे ताज भी पहना रखा है। अभिनेत्री सिलेंडर की आवभगत में चाय भी पेश करती हैं और गुलाब से उसका स्वागत करती है। वीडियो देखकर साफ है कि अभिनेत्री भी काफी समय से घर में घरेलू सिलेंडर का इंतजार कर रही थी लेकिन अब जाकर उनके घर एलपीजी का आगमन हुआ है।

अभिनेत्री के फनी वीडियो को फैंस भी पसंद कर रहे हैं और उनका कहना है कि कैसे-कैसे दिन देखने को मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, यूजर्स ने एलपीजी का नया फुल फॉर्म भी ईजाद कर लिया है, जो है 'वेरी इम्पोर्टेंड पेट्रोलियम'। वीडियो भले ही मजाक के अंदाज में बनाया गया है लेकिन यह पूरे देश में चल रहे हालात को दिखाता है।

केंद्र सरकार का कहना है कि देश में एलपीजी गैस की किल्लत नहीं है लेकिन कमर्शियल सिलेंडर के बैन के बाद से कई राज्यों में पैनिक की स्थिति है। गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कई राज्यों में लोगों को गैस एजेंसी के बाहर लंबी लाइनों में लगते हुए देखा जा रहा है। गैस की बुकिंग की अवधि को भी बढ़ा दिया गया है। अब 28 दिनों की अवधि में एक ही घरेलू सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है।

कीर्तन में गाते थे मीका सिंह, कैसे बने बॉलीवुड के टॉप सिंगर? फराह खान को सुनाई आपबीती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की एक प्रमुख डायरेक्टर, कोरियोग्राफर और प्रोड्यूसर फराह खान इन दिनों अपनी यूट्यूब चैनल और कुकिंग व्लॉग्स के लिए सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिसमें वह अपने कुक दिलीप कुमार के साथ अलग-अलग सेलेब्रिटी के साथ बातचीत का वीडियो शेयर करती हैं। फराह के व्लॉग्स में लोगों को अलग-अलग सेलेब्रिटी के संग की गई अनफिल्टर्ड बातचीत और दिलीप के साथ की नोकझोंक काफी पसंद आती है। इसी बीच फराह ने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर एक और नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह दिलीप के साथ देश के लोकप्रिय पंजाबी पॉप गायक, रैपर और संगीतकार मीका सिंह के फार्महाउस पर नजर आ रही हैं। वीडियो में फराह को मीका सिंह के दिल्ली स्थित विशाल फार्महाउस में देखा जा सकता है, जहां मीका उन्हें अपने खूबसूरत फार्महाउस का टूर करवाते हैं। इस दौरान उनके प्राइवेट हेलीपैड, मंदिर, गुरुद्वारा, म्यूजिक स्टूडियो और एक अद्भुत आउटडोर किचन देखने को मिलता है।

फराह को भव्य फार्महाउस का टूर देने के साथ मीका उन्हें अपनी गायन यात्रा, जीवन की कहानियां और कुछ मजेदार पल भी साझा करते हैं। वह अपने शुरुआती जर्नी के बारे में बताते हुए कहते हैं कि उनके पिता गुरुद्वारे में कीर्तन करते थे, उनको म्यूजिक का शौक था। उन्होंने कहा, मैंने भी बहुत कीर्तन किया है।

इसी बीच, उन्होंने अपने बड़े भाई दलेर मेहंदी के बारे में जिक्र किया, जो एक मशहूर गायक हैं। उन्होंने कहा, पाजी भी पहले गुरुद्वारे में कीर्तन किया करते थे। उन्होंने कहा, हमारे जैसे आपको पंजाब के जितने भी गायक दिखेंगे, उन्हें म्यूजिक की तालिम सबसे पहले गुरुद्वारे से ही मिली है। सबको कीर्तन करने से ही राग और सुर मिले हैं।

उन्होंने बताया कि उनमें और दिलेर पाजी में 10 से 12 साल का फर्क है। आगे मीका ने बॉलीवुड पार्टी का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें नंबर 1 फराह खान, फिर सलमान भाई और शाहरुख खान हैं। इसके बाद उन्होंने अपने कुछ हीट गानों के बारे में जिक्र किया, जिसमें सावन में लग गई आग, तेनु मैं लव करदा, जुम्मे दी रात, आज की पार्टी, आंख मांगे और मौजा ही मौजा गानों के नाम शामिल हैं।

वीडियो में आगे आपको मीका के आउटडोर किचन में पंजाबी साग और गाजर-मटर की रेसिपी बिल्कुल देसी स्टाइल में देखने को मिलेगी। फराह के इस व्लॉग में आपको फार्म लाइफ, जानवर, खेत-खलिहान और प्राकृतिक दृश्य के साथ संगीत, मस्ती और मीका की मनोरंजक कहानियों के बारे में सुनने को मिलेगा।

हनी सिंह का वो दौर, जब सफेद बनियान और कार्गो पैंट ने किया था यूथ को पागल

शुरुआती करियर हर किसी का संघर्ष से भरा होता है लेकिन उसी संघर्ष को अगर पहचान और स्टाइल स्टेटमेंट बना लिया जाए तो ऐसा ही होशियारपुर के सिख परिवार से तालुक रखने वाले हृदेश सिंह उर्फ यो यो हनी सिंह ने किया। सिंगर हनी सिंह पंजाब के गांव एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे, जहां बड़े सपने देखना और उन्हें पूरा करना मुश्किल था, लेकिन हृदेश सिंह ने संघर्ष को चुन न सिर्फ संगीत का नया रूप दिया बल्कि युवाओं के बीच पहुंचकर फैशन को भी बदलकर रख दिया। 15 मार्च को जन्मे हृदेश सिंह को नहीं पता था कि वो ग्लोबल स्टार बनने वाले हैं। सिंगर की परवरिश और शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में हुई थी और उन्होंने 12 साल की उम्र में संगीत से जुड़ाव महसूस किया। इसके बाद हनी सिंह ने इंग्लैंड के मशहूर ट्रिनिटी स्कूल से शिक्षा ली और म्यूजिक प्रोडक्शन की बारिकियाँ सीखीं, जिसने उनके गानों को एक इंटरनेशनल टच दिया। बहुत कम लोग जानते हैं कि हनी सिंह ने संगीतकार एआर रहमान से प्रेरित होकर संगीत में आने का फैसला लिया था। स्कूल के समय ही सिंगर की टीचर ने उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था और उनकी मां को उन्हें मुंबई भेजने की सलाह दी थी।

टीचर ने कहा था कि हृदेश शाहरुख खान के जैसे अपना नाम बना सकता है। शायद इसे ही मेनिफेस्टेशन की ताकत कहते हैं क्योंकि सिंगर शाहरुख खान के बड़े फैन थे और हमेशा से उनके लिए गाना चाहते थे। सालों बाद उन्होंने शाहरुख खान के साथ 'लुंगी डांस' जैसा सुपरहिट गाना दिया, जिसके लिए खुद शाहरुख खान ने उन्हें सामने से फोन किया था।

2005 में रिलीज़ हुई एल्बम 'पेशी' और गाने 'ग्लासी' से उन्हें भारत में पहचान मिली लेकिन 'ब्राउन गर्ल' और 'अंग्रेजी बीट' गानों ने उन्हें ग्लोबल स्टार बना दिया। हालांकि, सिंगिंग में करियर बनाने से पहले पंजाब में एक म्यूजिक प्रोड्यूसर के तौर पर काम करते थे और उसके बाद पंजाबी फिल्मों में हाथ आजमाया। उन्होंने 'मिर्ज़ा', 'मैं तेरा 22 तू मेरा 22', और 'जोरावर' जैसी पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने 2014 में फिल्म 'द एक्सपोज़' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि एक अभिनेता के तौर पर दर्शकों ने उन्हें ज्यादा पसंद नहीं किया।

बहुत कम लोग जानते हैं कि करियर के शुरुआती दिनों में बजट की कमी और स्टेज शो बहुत कम होते थे और कई बार फ्री शो भी करने होते थे। ऐसे में स्टेज पर पहनने के लिए हनी सिंह के पास डिजाइनर कपड़े नहीं थे, ऐसे में उन्होंने खुद का स्टाइल चुना और स्टेज पर स्पोर्ट बनियान के साथ शो करने शुरू किए। उनका स्पोर्ट बनियान, कार्गो पैंट और गले में सोने की मोटी चेन वर्ष 2007-2008 के दौरान उभरता हुआ फैशन बना। आज लंबे ब्रेक के बाद हनी सिंह दोबारा युवाओं के दिलों पर राज कर रहे हैं लेकिन उनके साथ विवाद भी उनका पीछा नहीं छोड़ते।

रिलीज से पहले विवादों में घिरी धुरंधर द रिवेंज, सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का लगा आरोप

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, आर माधवन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 18 मार्च को फिल्म का पेड-प्रीव्यू रखा गया है, लेकिन रिलीज होने से पहले ही फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। सिख समुदाय ने फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार पर सवाल उठा दिए हैं। उनका कहना है कि फिल्म में सिख समुदाय की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता विक्की थॉमस सिंह ने फिल्म के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर और सिख का कैरेक्टर निभाने वाले एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ सीबीएफसी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को लीगल नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि सिख समुदाय तंबाकू नहीं खाता है और सिख धर्म में तंबाकू और धूम्रपान का सख्त निषेध है। ऐसे में फिल्म में इस तरह का सीन दिखाना न केवल धार्मिक रूप से असंवेदनशील है, बल्कि ये पूरे सिख समुदाय की आस्था का अपमान भी है।

विक्की थॉमस सिंह का कहना है कि फिल्म से सिख को धूम्रपान करते दिखाने वाले सभी दृश्य तुरंत हटाए जाएं। साथ ही फिल्म से जुड़े पोस्टर, ट्रेलर और अन्य प्रचार सामग्री से भी ऐसे दृश्य हटाए जाएं।

नोटिस में फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' से ईशनिंदात्मक, आपत्तिजनक और धार्मिक रूप से असंवेदनशील सामग्री को तत्काल हटाने के लिए कहा गया है और सिख समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है, क्योंकि फिल्म में ऐसे दृश्य और प्रचार सामग्री शामिल हैं, जो सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गंभीर रूप से आहत करते हैं।फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह रंगी नाम के काल्पनिक जासूस का रोल प्ले किया है, जो हमजा अली बनकर पाकिस्तान में मौजूद दुश्मनों के बीच रहकर उनकी जानकारी भारत को देता है।

वैष्णो देवी में जन्मदिन मनाने पर बोलीं संदीपा धर- यह मेरे लिए आध्यात्मिक जीवनशैली

अभिनेत्री संदीपा धर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का मानना है कि कोई अभिनेता तभी अच्छा परफॉर्म कर सकता है, जब स्क्रिप्ट और लेखन मजबूत हो। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत में बताया, जिम्मेदारी ज्यादातर लेखन पर होती है। अगर किरदार अच्छे से लिखे गए और अलग हों, तो एक्टर को बस उस ब्लूप्रिंट को फॉलो करना होता है। फिल्मों में असली चुनौती स्क्रीन टाइम होता है। कुछ ही सीन में कैरेक्टर का पूरा सफर, मुश्किलें और समाधान दिखाना पड़ता है। इसके लिए अच्छी तैयारी और क्राफ्ट में स्पष्टता जरूरी है। वहीं, संदीपा हर साल अपना जन्मदिन जम्मू-कश्मीर में वैष्णों देवी में मनाती हैं। इसके बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, हर साल मैं जन्मदिन मां वैष्णों देवी में मनाती हूं। ये मेरी पुरानी परंपरा है। पहाड़ों में मिलने वाली शांति मुंबई में नहीं मिलती है। उन्होंने कहा, शायद इसलिए कि मेरी जड़ें पहाड़ों से जुड़ी हैं, इसलिए मैं उनसे गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करती हूं।

संदीपा ने बताया कि उनका जन्मदिन साल की शुरुआत में पड़ता है, तो वे साल की अच्छी शुरुआत के लिए भी वैष्णो देवी जाती हैं। उन्होंने कहा, मेरा जन्मदिन साल की शुरुआत में पड़ता है, इसलिए यह एक आध्यात्मिक जीवनशैली जैसा लगता है। दिलचस्प बात यह है कि जब भी मैं वैष्णो देवी से लौटती हूं, तो आमतौर पर मेरे लिए कोई अच्छी खबर होती है। इस बार, मेरी फिल्म थिएटर में रिलीज होने वाली है। हमने इसे काफी समय पहले शूट किया था और इसे आखिरकार दर्शकों तक पहुंचते देखना और अब नेटफ्लिक्स पर भी स्ट्रीम होते देखना एक आशीर्वाद जैसा लग रहा है। मुझे सच में विश्वास है कि यह माता रानी की कृपा है कि मुझे अपने रोल के लिए इतनी तारीफ मिल रही है। फिल्म वैलिडेशन और सेल्फ-एक्सेप्टेंस पर फोकस करती है। सोशल मीडिया के दौर में वैलिडेशन का प्रेशर बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। संदीपा ने कहा, हम खुद को एक्सेप्ट करने की बजाय लगातार दूसरों से वैलिडेशन मांगते हैं। हम सोचते हैं कि जो हम बनना चाहते हैं, वह हमसे बेहतर है। लेकिन हमें समझना चाहिए कि जैसे हम हैं, वैसे ही काफी हैं।आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए संदीपा ने बताया कि उनका नेटफ्लिक्स शो 'चुंबक' जल्द आने वाला है, जिसे लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है।

मुश्किल घड़ी के असली हीरो: सायरा बानो की नज़र में ऐसे हैं आमिर खान

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' यानी आमिर खान को उनकी बेहतरीन एक्टिंग और फिल्मों के लिए जाना जाता है, लेकिन हिंदी सिनेमा से जुड़े लोग, जो उन्हें करीब से जानते हैं, उन्हें फिल्मों के साथ-साथ अभिनेता के शांत व्यक्तित्व से प्यार है। अभिनेता के जन्मदिन पर हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री सायरा बानो ने अभिनेता के व्यक्तित्व के बारे में बात की है, जिसे बहुत कम लोग ही जानते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनके सबसे मुश्किल समय में आमिर खान ने सबसे ज्यादा सपोर्ट किया था। सायरा बानो ने आमिर खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे बीमारी के दिनों में, जब अस्पताल के गलियारे बेहद लंबे और बोझिल लगते थे, तब भी वे उनके साथ थे। शांत और ऐसी दयालुता के साथ बिताए गए क्षणों को भूला पाना नामुमकिन है। उन्होंने आमिर खान और दिलीप कुमार साहब की फोटो शेयर कर लिखा, कुछ ही दिन पहले, जब आमिर खान गौरी के साथ मुझसे मिलने आए, तो मेरा दिल उस गर्माहट से भर गया जो केवल प्रियजनों की उपस्थिति से ही मिल सकती है। वे हमेशा विनम्र, विचारशील और सौम्य रहे हैं। दिलीप साहब के प्रति उनका आदर केवल दूर से देखने वाले प्रशंसक का नहीं था। यह सच्ची आत्मीयता से उपजा आदर था, जो समय-समय पर देखने को मिला।

सायरा बानो ने यह भी खुलासा किया कि आमिर उनके लिए सिर्फ इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके परिवार के हिस्से के जैसे हैं और हर जटिल परिस्थिति में हमेशा साथ रहे हैं। उन्होंने अभिनेता को बधाई देते हुए लिखा, इस विशेष दिन पर, जब पूरी दुनिया आपका जन्मदिन मना रही है, आमिर, मैं कहना चाहता हूं कि जहां लाखों लोग आपकी प्रतिभा के कायल हैं, वहीं हम जो आपको जानते हैं, आपके अद्भुत और अनमोल व्यक्तित्व को संजोकर रखते हैं।

60 और 70 के दशक की बड़ी और मुख्य अभिनेत्रियों में शुमार सायरा अब फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वो हिंदी सिनेमा से जुड़ी ऐसी यादें शेयर करती रहती हैं, जिनके बारे में कोई नहीं जानता है। वे हिंदी सिनेमा से जुड़ी लेजेंड्री हस्तियों की भूली-बिसरी यादों से फैंस का दिल जीतती रहती हैं। दिलीप कुमार के जाने के बाद अभिनेत्री सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े हर लम्हें को प्यार और खूबसूरती के साथ उनके फैंस तक पहुंचाती हैं।

सूर्य गोचर मीन राशि में, शुक्र और शनि संग युति से बना त्रिग्रह योग

14 अप्रैल तक मीन राशि में रहेगा सूर्य

14 मार्च की अर्द्धरात्रि में सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास शुरू हो गया है, जो 14 अप्रैल तक रहेगा। सूर्य अपनी मित्र राशि मीन में प्रवेश किया, जहां पहले से शनिदेव भी विराजमान हैं। गुरु की राशि मीन में सूर्य का गोचर हो गया, जो सूर्य के मित्र गुरु की राशि है। इस दौरान मीन राशि में शुक्र, शनि और सूर्य के बीच युति संबंध बनने से त्रिग्रही योग बनेगा। सूर्य यहां से अपनी राशि पर दृष्टि डालेंगे जबकि गुरु और सूर्य एक दूसरे से केंद्र भाव में रहेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य 14 अप्रैल तक मीन राशि में रहेगा। मित्र राशि में सूर्य का आना शुभ रहता है लेकिन गुरु की राशि में सूर्य के आने से अब एक महीने तक शादी, सगाई, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कामों के लिए मुहूर्त नहीं होगा। क्योंकि खरमास रहेगा। सूर्य ग्रह 15 मार्च को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर किया। मीन राशि में शनि ग्रह पहले से ही विराजमान हैं ऐसे में मीन राशि में सूर्य और शनि की युति होगी। ज्योतिष में इस युति को शुभ नहीं माना जाता। इस युति के चलते कुछ राशियों को पारिवारिक और सामाजिक जीवन में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सूर्य का राशि परिवर्तन वृष, मिथुन, तुला और मकर राशि के लिए शुभ रहेगा। वहीं चार राशियों के लिए अशुभ और अन्य चार के लिए सामान्य रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में मीन संक्रांति का विशेष महत्व होता है। सूर्यदेव का जब-जब गुरु की राशि धनु एवं मीन में परिभ्रमण होता है या धनु व मीन संक्रांति होती है तो वह मलमास कहलाती है। मीन संक्रांति में मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। मलमास में नामकरण, विद्या आरंभ, कर्ण छेदन, अन्न प्राशन, उपनयन संस्कार, विवाह संस्कार, गृह प्रवेश तथा वास्तु पूजन आदि मांगलिक कार्यों को वर्जित माना जाता है। खरमास में सूर्य ग्रह देवगुरु बृहस्पति की सेवा में रहते हैं। इस वजह से इस माह में मांगलिक कर्म करने से बचना चाहिए।

सूर्य का गोचर

14 मार्च को रात 1:01 मिनट पर सूर्य गुरु की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। सूर्य 14 अप्रैल की सुबह 9:38 मिनट तक इसी राशि में विराजमान रहेंगे। सूर्य को आत्मविश्वास, पहचान, नेतृत्व और ऊर्जा का कारक है। जबकि, मीन राशि करुणा, आध्यात्मिकता, कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

4 राशि वाले लोगों के लिए शुभ रहेगा समय

मीन राशि में सूर्य के आने से वृष, मिथुन, तुला और मकर राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन राशि वालों की जॉब और बिजनेस के लिए ये महीना फायदेमंद रहेगा। इन लोगों को भाग्य का साथ मिलेगा और हर काम में सफलता हासिल करेंगे। घर-परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। वैवाहिक जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की और बिजनेस करने वालों को धन लाभ होने के योग हैं।

4 राशि वाले लोगों को रहना होगा सावधान

सूर्य के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, कुंभ और मीन राशि वालों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। इन राशियों के नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। अधिकारियों से विवाद हो सकता है। मेहनत ज्यादा और उसका फायदा नहीं मिलने का योग बन रहा है। मानसिक तनाव रहेगा। बिजनेस करने वालों के कामकाज में देरी हो सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। धन हानि और विवाद होने की भी आशंका है। सेहत संबंधी सावधानी रखनी होगी।

4 राशि वाले लोगों के लिए सामान्य रहेगा समय

कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु राशि वालों के लिए मीन राशि का सूर्य सामान्य फल देने वाला रहेगा। सूर्य की वजह से कोई बड़ा बदलाव इन लोगों के जीवन में नहीं होगा। जितना काम करेंगे, उतना लाभ प्राप्त कर पाएंगे। जॉब और बिजनेस में जोखिम भरे फैसले लेने से बचें। बड़ा निवेश न करें। लेन-देन में एक्स्ट्रा सावधानी रखनी होगी। वरना पैसा उलझने और नुकसान होने का योग बन सकता है।

सूर्य के उपाय

भगवान विष्णु की उपासना करें। सूर्य को अर्घ्य दे। रविवार का व्रत रखना। मुंह में मीठा डालकर ऊपर से पानी पीकर ही घर से निकलें। पिता और पिता के संबंधियों का सम्मान करें। लाल और केसरिया रंग के वस्त्र धारण करें। प्रातः सूर्योदय से पहले उठें और अपनी नग्न आँखों से उगते हुए सूरज का दर्शन करें। सूर्य देव की पूजा करें। भगवान राम की पूजा करें। आदित्य हृदय स्तोत्र का जाप करें।

क्यों चढ़ाया जाता है शनि पूजा में सरसों का तेल और लोहा? जानिए इसके पीछे छिपा धार्मिक और ज्योतिषीय रहस्य

भारतीय धार्मिक परंपराओं में शनिवार का दिन शनि देव की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन देशभर के मंदिरों में श्रद्धालु शनि देव को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग प्रकार की पूजा-अर्चना करते हैं। खास बात यह है कि शनि पूजा में सरसों का तेल, जिसे आम बोलचाल में कड़वा तेल कहा जाता है, और लोहा चढ़ाने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर इन दोनों वस्तुओं को ही क्यों अर्पित किया जाता है। इसके पीछे केवल धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि पौराणिक कथाएं, ज्योतिषीय मान्यताएं और आध्यात्मिक संकेत भी जुड़े हुए हैं।

शनि देव को कर्म और न्याय का देवता माना गया है

ज्योतिष शास्त्र में शनि को कर्म, न्याय, अनुशासन और समय का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि शनि देव व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। इसलिए उन्हें निष्पक्ष न्यायाधीश भी कहा जाता है। शनि से जुड़ी कई प्रतीकात्मक चीजें भी बताई गई हैं, जिनमें काला या गहरा नीला रंग, लोहा, तिल और सरसों का तेल प्रमुख माने जाते हैं। इन प्रतीकों के माध्यम से शनि की ऊर्जा और उनके स्वभाव को समझने का प्रयास किया जाता है।

सरसों का तेल चढ़ाने के पीछे की मान्यता

शनिवार के दिन शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाने की परंपरा बहुत पुरानी मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार सरसों का तेल शनि ग्रह से जुड़ा हुआ द्रव्य माना जाता है। इसकी प्रकृति भारी और गहरी मानी जाती है, जो शनि के स्वभाव से मेल खाती है।

एक पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान हनुमान और शनि देव का सामना हुआ तो हनुमान जी ने अपनी शक्ति से शनि को परास्त कर दिया था। उस समय शनि देव को चोट लग गई और उन्हें पीड़ा होने लगी। तब हनुमान जी ने उनके शरीर पर सरसों का तेल लगाया, जिससे उन्हें आराम मिला। इसी घटना के बाद से यह मान्यता प्रचलित हुई कि शनि देव को सरसों का तेल अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी तेल का एक प्रतीकात्मक अर्थ माना जाता है। इसे जीवन में संतुलन, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक समझा जाता है। जब भक्त शनि देव को तेल अर्पित करते हैं तो यह अपने अहंकार और कठोरता को त्यागने का भी संकेत माना जाता है।

शनि पूजा में लोहे का महत्व

शनि पूजा में लोहा चढ़ाने की परंपरा भी उतनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक ग्रह से एक धातु जुड़ी होती है और शनि की धातु लोहा मानी जाती है। इसी कारण शनिवार के दिन लोहे से बनी वस्तुएं जैसे कील, छल्ला या अन्य वस्तुएं अर्पित करने या दान देने की परंपरा प्रचलित है।

लोहा अपनी मजबूती और कठोरता के कारण अनुशासन और परिश्रम का प्रतीक भी माना जाता है। इसलिए लोहे का दान या अर्पण यह दर्शाता है कि व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन और जिम्मेदारी को अपनाने का संकल्प ले रहा है। धार्मिक मान्यताओं में शनिवार को लोहे का दान करने को भी शुभ माना गया है।

शनि पूजा का आध्यात्मिक संदेश

धार्मिक विद्वानों के अनुसार शनि पूजा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं केवल धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि जीवन से जुड़े गहरे संदेश भी देती हैं। तेल संतुलन और धैर्य का प्रतीक है, जबकि लोहा कठोर परिश्रम और अनुशासन का संकेत देता है। शनिवार का दिन व्यक्ति को अपने कर्मों पर विचार करने और जीवन में सुधार करने की प्रेरणा भी देता है।

क्या केवल पूजा सामग्री से शनि प्रसन्न होते हैं?

धार्मिक ग्रंथों में यह भी बताया गया है कि शनि देव को प्रसन्न करने का सबसे बड़ा माध्यम अच्छे कर्म और ईमानदारी है।

मान्यता है कि शनि विशेष रूप से उन लोगों पर कृपा करते हैं जो परिश्रमी होते हैं, जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और अन्याय या छल से दूर रहते हैं। इसलिए केवल पूजा सामग्री चढ़ाना ही पर्याप्त नहीं माना जाता, बल्कि आचरण और कर्म भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

इस प्रकार शनि देव की पूजा में सरसों का तेल और लोहा चढ़ाने की परंपरा केवल धार्मिक रीति नहीं है। इसके पीछे पौराणिक कथाएं, ज्योतिषीय प्रतीक और जीवन के गहरे संदेश जुड़े हुए हैं। यह परंपरा मनुष्य को धैर्य, अनुशासन और अच्छे कर्मों की ओर प्रेरित करने का भी माध्यम मानी जाती है।

नवरात्रि स्पेशल: यहां सोलहभुजी मां पूरी करती है भक्तों की हर मुराद

पुजारी नहीं बल्कि आदिवासी को है पूजा का पहला अधिकार

19 मार्च से देशभर में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है, और इसके साथ ही देवी मंदिरों में तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। हमारे पुराणों में 51 शक्तिपीठ मंदिरों का जिक्र किया गया है जबकि लाखों की संख्या में सिद्धपीठ मंदिर स्थापित हैं। एक ऐसा ही मंदिर झारखंड की धरती पर स्थापित है, जहां नवरात्रि के नौवें दिन बलि की विशेष प्रथा आज भी कायम है। हम बात कर रहे हैं देवरी मंदिर (देउड़ी मंदिर) की। झारखंड की राजधानी रांची से दक्षिण-पश्चिम दिशा में एनएच-33 पर 60 किलोमीटर दूर तामार में मां जगदम्बा का देवरी मंदिर मौजूद है। यहां विराजित मां की प्रतिमा बाकी सिद्धपीठ मंदिरों से काफी अलग है। देवरी मंदिर में मां की सोलहभुजी प्रतिमा स्थापित है। सामान्य मां दुर्गा के आठ हाथ होते हैं लेकिन यहां मां 16 भुजाओं में अस्त्र और शस्त्र के साथ भक्तों की मनोकामना की पूर्ति करती हैं। यह मंदिर बहुत पुराना है और अब इसका जीर्णोद्धार चल रहा है। माना जाता है कि दो एकड़ में फैला यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव की प्रतिमा पर स्थापित है।

मंदिर का निर्माण बड़े-बड़े पत्थरों से किया गया है और खास बात यह है कि मंदिर के निर्माण में सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। मंदिर की भव्य वास्तुकला दर्शकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है क्योंकि इसकी बलुआ पत्थर की दीवारें विभिन्न देवी-देवताओं की जटिल नक्काशी से सुशोभित हैं। माना जाता है कि मंदिर 700 से भी अधिक साल पुराना है।

स्थानीय मान्यता के मुताबिक, जिसने भी मंदिर की संरचना में बदलाव करने की कोशिश की है, उसे देवताओं के प्रकोप का सामना करना पड़ा है और इसके परिणाम भुगतने पड़े हैं। यही कारण है कि मंदिर की संरचना झारखंड की समृद्ध विरासत को दिखाती है।

मंदिर की एक खास बात और है जो इसे बाकी मंदिरों से अलग बनाती है। शक्तिपीठ और सिद्धपीठ मंदिरों में मुख्यत: पुजारी को पूजा का अधिकार होता है लेकिन देवरी मंदिर ऐसा मंदिर है, जहां पुजारी को हफ्ते में एक दिन पूजा का अधिकार मिला है और बाकी के छह दिन आदिवासी समुदाय के लोग मंदिर में मां की विशेष आराधना करते हैं। मार्च का महीना मंदिर और भक्तों के लिए खास होता है क्योंकि होली और चैत्र नवरात्रि का पर्व मंदिर में धूमधाम से मनाया जाता है।

चैत्र नवरात्रि में लाखों की संख्या में भक्त मां के अलग-अलग रूपों के दर्शन के लिए आते हैं। खुद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मंदिर में कई बार दर्शन कर चुके हैं। उनके लगातार आगमन ने मंदिर की लोकप्रियता में बड़ा उछाल आया है।

अलोपी देवी शक्तिपीठ मंदिर: बिना मूर्ति के होती है माता की पूजा, चैत्र नवरात्रि में जुटता है भक्तों का सैलाब

सनातन धर्म में चैत्र नवरात्रि का खास महत्व है। हर साल यह त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस साल चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च को हो जाएगी। वहीं, नौ दिनों तक चलने वाले इस त्योहार का समापन 27 मार्च को होगा। चैत्र नवरात्रि में नौ दिन देवी दुर्गा के 9 अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के दौरान देशभर के माता के मंदिरों की रौनिक अद्भुत होती है। देवी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी तादाद में भीड़ देखी जाती है, जो माता के दर्शन के लिए उनके द्वार पर आते हैं। देश के उन्हीं मंदिरों में से एक यूपी के प्रयागराज के अलोपीबाग इलाके में स्थित 'अलोपी देवी शक्ति पीठ' मंदिर है। इस मंदिर की खासियत है कि यहां माता की मूर्ति के बिना उनकी पूजा की जाती है, जो कि अपने आप में एक अद्भुत दृश्य होता है।

नवरात्रि के समय अलोपी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी तादाद में भीड़ उमड़ती है। हालांकि, मंदिर में माता की प्रतिमा न होने के कारण यहां नवरात्रि के समय उनका श्रृंगार तो नहीं होता लेकिन विधि के अनुसार पूरे नौ दिन उनके अलग-अलग स्वरूपों का पाठ किया जाता है। इस मंदिर को 'अलोपी देवी मंदिर,' 'मां अलोपशंकरी का सिद्धपीठ मंदिर,' और 'ललिता मंदिर' के नाम से भी जाना जाता है।

अलोपी देवी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यहां मां सती के दाहिने हाथ का पंजा एक कुंड में गिरकर अदृश्य हो गया था। इसलिए इस मंदिर को देवी अलोपशंकरी के नाम से जाना जाता है। मंदिर में देवी का स्वरूप नहीं है, लेकिन प्रांगण के बीच में एक कुंड बना हुआ है, जिसके ऊपर चांदी का एक खास झूला या पालना बना हुआ है, जिसे लाल कपड़े से ढंक कर रखा जाता है और उसकी पूजा की जाती है।

धरती पर मौजूद है मिट्टी से रचा देवलोक इतिहास और अध्यात्म का है अद्भुत संगम

धरती पर कश्मीर को स्वर्ग कहा जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि धरती पर प्राकृतिक देवलोक भी मौजूद है। हम बात कर रहे हैं पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में स्थित बिष्णुपुर शहर की, जो बंगाल की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। यहां के मंदिर सिर्फ अध्यात्म और आस्था का प्रतीक नहीं बल्कि खुद में एक इतिहास को समेटे हैं। यह छोटा सा शहर अपने प्रसिद्ध उत्कृष्ट शिल्प कौशल के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें सिर्फ मिट्टी का इस्तेमाल होता है। पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में स्थित बिष्णुपुर शहर अपने आप में अनोखा है। बिष्णुपुर शहर में कई मंदिर बने हैं जो प्राचीन होने के साथ-साथ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इस कला को देखने के लिए न सिर्फ देश के अलग-अलग राज्यों से बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। इस शहर में बने सभी मंदिरों को सिर्फ मिट्टी से बनाया गया है और किसी तरह के सीमेंट और पत्थर का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिर का बनाव बंगाल की समृद्ध विरासत की गवाही देता है।

पक्की मिट्टी से तैयार इन मंदिरों की दीवारों पर महाभारत और रामायण काल की कहानियों को प्रतिमा के जरिए उकेरा गया है। यही कारण है कि यहां की मिट्टी की प्रतिमाओं में आस्था के साथ कला की छठा भी दिखती है। इन मंदिरों पर की गई जटिल मिट्टी की नक्काशी धार्मिक और सांस्कृतिक कहानियों का एक समृद्ध ताना-बाना बुनती है, जो इन्हें भारत की स्थापत्य और ऐतिहासिक विरासत का अभिन्न अंग बनाती है।

यूनेस्को ने इन मंदिरों को बेहतरीन नमूनों की अस्थायी सूची में शामिल किया है और हर साल इन मंदिरों को देखने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां आपको रासमंच मंदिर, जोड़ बांग्ला मंदिर, मदन मोहन मंदिर, रघुनाथ जीऊ मंदिर, नूतन महल, विष्णुपुर हवा महल जैसे कई मंदिर देखने को मिल जाएंगे और मुख्यत: वैष्णव धर्म का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यहां घूमने का सही समय सितंबर से दिसंबर और फरवरी-मार्च रहता है। इस समय मौसम का तापमान कम रहता है और यह घूमने के लिए सही तापमान है। इस वक्त सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक घूमने के लिए बिष्णुपुर शहर पहुंचते हैं।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

संपादकीय

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है।

केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था

अविश्वास प्रस्ताव और विपक्ष का आचरण

डॉ राकेश कुमार आर्य

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष की ओर से प्रस्तुत किया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से निरस्त हो गया है। वास्तव में यह अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध ही नहीं था बल्कि यह केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था। यदि यह अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो निश्चित रूप से सरकार की स्थिरता पर भी गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा हो गया होता। इसलिए सरकार के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की के द्वारा किए जा रहे कार्यों के दृष्टिगत उनके किसी भी साथी दल ने उनसे दूर जाना उचित नहीं माना। यही कारण रहा कि सारा राजग मजबूती के साथ अपने नेता के साथ खड़ा रहा। वैसे लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया यह अविश्वास प्रस्ताव पहला अविश्वास प्रस्ताव नहीं है। इससे पूर्व सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव गणेश वासुदेव मावलंकर के विरुद्ध आया था। जो कि लोकसभा के पहले स्पीकर हुआ करते थे। 18 दिसंबर 1954 को लोकसभा ने अपने अध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए उस प्रस्ताव पर जमकर चर्चा की थी। जिसे कम्युनिस्ट पार्टी, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और हिंदू महासभा के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उस समय विपक्षी दलों का आरोप था कि स्थगन प्रस्ताव और प्रश्नों की अनुमति देने में लोकसभा अध्यक्ष की ओर से निष्पक्षता नहीं बरती जाती है। इसलिए लोकसभाध्यक्ष सभी सदस्यों का विश्वास प्रस्ताव प्राप्त करने में सफल नहीं रहे हैं।जिन्हें पद से हटाना ही एकमात्र विकल्प है। परंतु उस समय सत्तापक्ष का लोकसभा में पूर्ण बहुमत होने के कारण विपक्ष का वह प्रस्ताव गिर गया था। उसके बाद दूसरा अविश्वास प्रस्ताव 1966 की नवंबर में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष हुकमसिंह के विरुद्ध विपक्षी दलों के सांसदों द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उसमें संसदीय कार्यवाही में विपक्ष को आनुपातिक दृष्टिकोण से पर्याप्त अवसर न देने का आरोप लगाकर विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। तीसरा अविश्वास प्रस्ताव अप्रैल 1987 में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष बलराम जाखड़ के विरुद्ध विपक्षी दलों की ओर से प्रस्तुत किया गया था। उस समय केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। विपक्ष के सांसदों ने लोकसभाध्यक्ष पर आरोप लगाया था कि वह विपक्ष के प्रति पूर्वाग्रहग्रस्त हैं और राजीव गांधी सरकार के प्रति अधिक झुकाव रखते हैं। जबकि लोकसभाध्यक्ष को इस प्रकार का आचरण नहीं करना चाहिए। एक बार लोकसभाध्यक्ष बनने के पश्चात उसे प्रत्येक सांसद की निजता और सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। राजीव गांधी के पास उस समय प्रचंड बहुमत था, जिसके कारण यह प्रस्ताव भी पारित नहीं हो पाया था। अब कुल मिलाकर इसी प्रकार के आरोप वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी पर लगाए गए हैं। कांग्रेस के सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से आरोप लगाया गया है कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता है। राहुल गांधी के इस आरोप पर सत्ता पक्ष की ओर से जवाब देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि 17वीं लोकसभा में कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया था। जबकि उनके 52 सदस्य थे। 17वीं लोकसभा में कांग्रेस को भाजपा की अपेक्षा 6 गुणा अधिक समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुणा अधिक सदस्य थे। लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुणा समय मिला। वास्तव में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की समस्या यह है कि वह लोकसभा में भी अपनी गंभीरता नहीं दिखाते हैं। उनके रहते नेता प्रतिपक्ष का आचरण कुछ इस प्रकार का लग रहा जैसे केवल और केवल सरकारी नीतियों और कार्यों का विरोध करना ही नेता प्रतिपक्ष का एकमात्र कार्य है। इसके लिए वे हर प्रकार का हथकंडा अपनाने के लिए तैयार हैं।उसके बाद वह जनता के सामने अपने आपको एक विक्टिम के रूप में प्रस्तुत करते हैं। जिससे जनता को गुमराह किया जा सके। सत्ता में आने का यदि यही एकमात्र रास्ता है तो इसे देश की जनता सबसे घटिया रास्ता मानकर बार-बार नकार रही है, परन्तु राहुल गांधी हैं कि मनाने को तैयार नहीं हैं। वह सभी तथ्यों को नकारकर केवल एक ही रट लगाए जाते हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता। सत्ता पक्ष के सांसदों की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि राहुल गांधी को जब संसद में ढूंढा जाता है और लोगों की उन्हें बोलते देखने की इच्छा होती है तो वह संसद में न होकर इंग्लैंड या जर्मनी में होते हैं। अच्छा हो कि राहुल गांधी समय पर बोलें, तर्क संगत बोलें, बोलने में झूठ का सहारा न लें। परंतु दुर्भाग्य से वह ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। राहुल गांधी के मुताबिक यदि ईरान के समर्थन में बोलना और संसद में उस पर बहस करवाना ही उनके बोलने का सबसे अच्छा आधार हो सकता है तो इसे देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। आप वर्तमान सरकार की विदेश नीति के विरोधी हो सकते हैं, परंतु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि जो देश भारत का अहित चाहते रहे हैं, उनके लिए ही हम अपनी संसद का कीमती समय नष्ट करें। देश का बच्चा-बच्चा जानता है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफ़ात इंदिरा गांधी के अच्छे दोस्त थे, उसके बाद वे राजीव गांधी के भी अच्छे दोस्त रहे। परंतु जब कश्मीर का प्रश्न आया तो संयुक्त राष्ट्र में उन्होंने भारत का विरोध करते हुए कश्मीर को पाकिस्तान का अभिन्न अंग बताया था। इसके अतिरिक्त इस बिंदु पर एक अच्छे मित्र की भांति इजरायल पहले दिन से भारत के साथ खड़ा रहा है। कांग्रेस के लिए अराफात की सोच अच्छी हो सकती है, परन्तु यह सोच राष्ट्र के लिए अच्छी नहीं हो सकती। इसे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। मित्र को वही बोलना चाहिए जो मित्र के हित में हो। आतंकी देशों या संगठनों को दूध पिलाना किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। यदि सरकार आतंकी देशों या संगठनों के सामने झुकती हुई दिखाई देती है या वोट प्राप्ति के लालच में उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देती हुई दिखाई देती है तो यह सोच राष्ट्र का विखंडन तो करा सकती है, उसका उद्धार कभी नहीं करा सकती। वर्तमान में जब प्रकार ओम बिरला जी के लिए स्पष्ट हो गया है कि वह लोकसभा अध्यक्ष बने रहेंगे, उसके दृष्टिगत राहुल गांधी को भी आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कई बार ऐसा किया है जब वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव तक से अनुपस्थित रहे हैं। इसी प्रकार सरकारी विधेयक पर चर्चा से भी वह भागते रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भी अनेक बार भाग नहीं लिया। अंततः ऐसा कब तक चलेगा।

वास्तव में यह अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध ही नहीं था बल्कि यह केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए की स्थिरता को भी प्रभावित करने वाला अविश्वास प्रस्ताव था। यदि यह अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो निश्चित रूप से सरकार की स्थिरता पर भी गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा हो गया होता। इसलिए सरकार के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की के द्वारा किए जा रहे कार्यों के दृष्टिगत उनके किसी भी साथी दल ने उनसे दूर जाना उचित नहीं माना। यही कारण रहा कि सारा राजग मजबूती के साथ अपने नेता के साथ खड़ा रहा। वैसे लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया यह अविश्वास प्रस्ताव पहला अविश्वास प्रस्ताव नहीं है। इससे पूर्व सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव गणेश वासुदेव मावलंकर के विरुद्ध आया था। जो कि लोकसभा के पहले स्पीकर हुआ करते थे।

देश | दुनिया से

पंजाब की 'कैंसर बेल्ट' के संकट की भ्रांति दूर करने का वक्त

एक दशक से,पंजाब के जन-स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में जो एकमात्र छवि सबसे ज्यादा उभरती है—वह है ट्रेन नंबर 14888, जिसे 'कैंसर एक्सप्रेस' भी कहा जाता है। आधी रात बठिंडा से बीकानेर जाने वाली इस रेलगाड़ी में सवार लोगों को देखने वाले और पश्चिमी देशों के डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म निर्माताओं के लिए, यह एक 'विफल' भूमि का उदाहरण है-एक पुण्यभूमि जिसका नुकसान उसकी कथित कृषि-सफलता ने ही किया। हालांकि आलोचनात्मक नज़रिए से इस स्थिति की गहन जांच करने पर इस दलील की खामी ज़ाहिर हो जाती है। दुर्भाग्य से, कोई बाहरी व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है तो लगेगा कि विज्ञान-प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। मीडिया में इस शब्द का पहला लिखित उपयोग जून, 2005 में 'डाउन टू अर्थ' मैगज़ीन में हुआ था। यह नाम एक भाषाई बदलाव रणनीति का परिणाम है, मालवा इलाके के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे 'कॉटन बेल्ट' में कॉटन की जगह कैंसर रखकर नया नाम गढ़ डाला। तब से, दुनिया के पर्यावरण पत्रकारों ने इस कहानी को अलग-अलग तरीकों से दिखाया। एक सराहनीय सामाजिक सेवा के अलावा 'कैंसर ट्रेन' के वजूद की कोई और वजह नहीं। 1940 के दशक से, बीकानेर का आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल (बाद में देश का 13वां क्षेत्रीय कैंसर सेंटर बना) मुफ़्त कैंसर इलाज देता आया है, जिनमें मालवा इलाके के मरीज़ भी शामिल हैं। इसके अलावा, 1990 के दशक से ही, भारतीय रेलवे कैंसर मरीज़ों के लिए भाड़ा माफी और तीमारदार के लिए स्लीपर और एसी-तृतीय यान में किराया छूट दे रहा है। इसलिए, ट्रेन में 'भीड़' की वजह सस्ते इलाज के साथ मुफ़्त टिकटों की सुविधा भी है न कि सिर्फ स्थानीय विषाक्तता से उपजा रोग। आधार जांच दर, कथित एज-एडजस्टेड इंसिडेंस रेट' (एएआईआर)- जो कि विविधितापूर्ण आबादी के आंकड़ा आधारित तुलनात्मक अध्ययन करने का बेस्ट पैमाना है, दर्शाता है कि भ्रांति किस तेज़ी से फीकी पड़ जाती है। आईसीएमआर-एनसीडीआईआर (2025-26) के डेटा के आधार पर, बठिंडा क्षेत्र का कैंसर एएआईआर सूचकांक प्रति 1,00,000 लोगों पर 125 मामले है। हालांकि यह राष्ट्रीय औसत (लगभग 100) से थोड़ा ज़्यादा है, लेकिन यह दिल्ली (146) या केरल (135) की तुलना में काफ़ी कम है। मिज़ोरम में एएआईआर बहुत अधिक बढ़कर 256 है। अगर 125 के आंकड़े के साथ बठिंडा 'कैंसर बेल्ट' कहलाता है, तब तो 256 दर के साथ, मिज़ोरम उस हिसाब से 'राष्ट्रीय आपदा' होना चाहिए, फिर भी निशाना केवल पंजाब को ही बनाया जा रह है। इस संकट में सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया पहलू, विरोधाभासी रूप से, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में पंजाब की शानदार उपलब्धि है। 2006-2010 के दौर में, जब वायरल हुई वे डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज़ हुई थीं, पंजाब तब भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था, जहां की औसत जीवन प्रत्याशा 70.6 साल थी-जो तब राष्ट्रीय औसत से 4.5 साल ज़्यादा थी। भले उसके बाद जीवन प्रत्याशा का यह राज्य-राष्ट्रीय अंतर लगातार कम होता गया है-संभवतः वायु प्रदूषण के कारण-फिर भी पंजाब का यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। पंजाब में जीवन प्रत्याशा का ज़्यादा होना किसी 'किस्मत' जनित आनुवंशिकी की वजह से नहीं, बल्कि यह पंजाबी समुदाय में मौजूद 'परमार्थ संस्कृति' का नतीजा है, जो 'लंगर' और 'सेवा' को प्राथमिकता देती है। इसका अन्य कारण है 2005 के बाद छपे लेख और 2010 में बेहद लोकप्रिय हुई डॉक्यूमेंट्री। कैंसर बुढ़ापे की बीमारी है। उदाहरण के लिए, जिस गांव में 80 साल से अधिक उम्र के लोग ज़्यादा होंगे, वहां आसपास के गांवों की अपेक्षा कैंसर के मामले ज़्यादा होंगे, भले ही वहां का पानी उनसे ज़्यादा साफ़ हो। जिन राज्यों में लोगों की औसत उम्र कम है, वहां कई लोग 'कैंसर की उम्र' तक पहुंचने से पहले ही संक्रामक बीमारियों अथवा हृदय रोगों से मर जाते हैं। गौरतलब है कि जिन राज्यों में कैंसर की एएआईआर दर पंजाब से ज़्यादा है (जैसे केरल, दिल्ली और मिज़ोरम), वहां लोगों की औसत उम्र भी अधिक है। 'कैंसर बेल्ट' वाली बात को महज एक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई कहानी जानकर, आखिरकार हम अपना वैज्ञानिक ध्यान और संसाधन इस इलाके की वास्तविक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर लगा सकेंगे। इनमें हेपेटाइटिस सी, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, फैटी लिवर रोग, वायु प्रदूषण, शहरी कचरे का सही निपटान, भारी धातुओं के ज़हर और एंडोक्राइन को बिगाड़ने वाले 'नॉनिलफेनोल' जैसे रसायनों की उच्च मात्रा शामिल है। पिछले कई सालों से, पंजाब भारत में हेपेटाइटिस सी संक्रमण का मुख्य केंद्र बना हुआ है; भारत भर में हेपेटाइटिस सी के कुल प्रमाणिक मामलों के लगभग 35 प्रतिशत पंजाब के ही होते हैं। 44.2 प्रतिशत सूचकांक के साथ, पंजाब भारत में मोटापे का मुख्य केंद्र है, जबकि 53 प्रतिशत के साथ चंडीगढ़ में फैटी लिवर रोग के सर्वाधिक मामले पाए जाते हैं। पंजाब वास्तव में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी कई बड़ी समस्याओं का मुख्य केंद्र है-लेकिन आंकड़े साफ़ दर्शाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है।

आप का | नज़रिया

मृत्यु में गरिमा

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निषक्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा। दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निषक्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निषक्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था।

कुछ | अलग

आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है। नौ ग्रह इस चराचर जगत में पदार्थ, वनस्पति, तत्व, पशु-पक्षी इत्यादि सबमें अपना प्रतिनिधित्व समाहित रखते हैं। सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरू एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है।

दृष्टि | कोण

सबको साथ लेकर चलना बंधुता का शाश्वत आधार

मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि,हमने जब भी प्रगति की है,वह सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम रही है। 'सबको साथ लेकर चलना' केवल एक नारा या विचार नहीं है, बल्कि यह वह जीवन-दर्शन है जो वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को चरितार्थ करता है। समाज रूपी विशाल भवन की मजबूती उसकी हर ईंट के आपसी जुड़ाव पर टिकी होती है। यदि एक भी ईंट कमजोर पड़ जाए या अलग होने की कोशिश करे, तो पूरे ढांचे का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। इसी जुड़ाव का नाम बंधुता है। बंधुता वह अदृश्य धागा है जो विविधताओं से भरे समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखता है। सच्ची बंधुता का अर्थ केवल अपने परिचितों या स्वजनों के प्रति प्रेम भाव रखना नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। जब हम 'सबको साथ' लेकर चलने की बात करते हैं, तो इसमें समावेशिता का गहरा भाव छिपा होता है। इसका अर्थ है कि प्रगति के पथ पर कोई पीछे न छूटे। अक्सर देखा जाता है कि विकास की दौड़ में कुछ वर्ग बहुत आगे निकल जाते हैं, जबकि कुछ हाशिए पर रह जाते हैं। ऐसी प्रगति स्थाई नहीं हो सकती क्योंकि वह समाज में असंतोष और ईर्ष्या को जन्म देती है। बंधुता का आधार यह सिखाता है कि जो समर्थ हैं, वे अक्षम का हाथ थामें और जो आगे हैं, वे पीछे रह गए लोगों की राह आसान करें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो यह दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ धर्म, भाषा, जाति और क्षेत्रीयता की अनगिनत परतें हैं। इन विविधताओं के बीच सामंजस्य बिठाने का एकमात्र तरीका बंधुता ही है। जब हम दूसरों के विचारों,विश्वासों और जीवनशैली का सम्मान करते हैं, तभी हम उन्हें साथ लेकर चलने की दिशा में पहला कदम बढ़ाते हैं। सहिष्णुता बंधुता की पहली सीढ़ी है। यदि हमारे भीतर दूसरों को स्वीकार करने का धैर्य नहीं है, तो 'सबको साथ लेकर चलना' महज एक काल्पनिक विचार बनकर रह जाएगा। परस्पर सम्मान और विश्वास ही वह खाद-पानी है जिससे बंधुता का वृक्ष फलता-फूलता है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो महान सभ्यताओं का पतन तभी हुआ जब उनके भीतर ऊंच-नीच और भेदभाव की खाई चौड़ी हो गई। जब समाज का एक हिस्सा दूसरे हिस्से को अपने से नीचा समझने लगा या उसके अधिकारों का हनन करने लगा, तो बंधुता की नींव दरक गई। इसके विपरीत, जिन समाजों ने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के मार्ग को चुना, वे आज भी विश्व पटल पर प्रेरणा के केंद्र बने हुए हैं। बंधुता का आधार न्याय और समानता पर टिका होता है। यदि समाज में न्याय नहीं है, तो वहां बंधुता की कल्पना करना व्यर्थ है। सबको साथ लेकर चलने के लिए यह अनिवार्य है कि संसाधनों और अवसरों का वितरण न्यायसंगत हो, ताकि हर व्यक्ति को यह महसूस हो कि वह इस महान सामाजिक यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। आज के इस आधुनिक और प्रतिस्पर्धी युग में व्यक्तिवाद की भावना प्रबल होती जा रही है। लोग अक्सर अपनी व्यक्तिगत सफलता की अंधी दौड़ में यह भूल जाते हैं कि उनकी सफलता में समाज का भी बड़ा योगदान है। हम अकेले चाहे कितनी भी ऊँची उड़ान भर लें, लेकिन सुरक्षित लैंडिंग के लिए हमें उसी जमीन की जरूरत होती है जहाँ समाज खड़ा है। एक एकाकी व्यक्ति शक्तिशाली हो सकता है, लेकिन एक संगठित समाज अजेय होता है। सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति व्यक्ति के भीतर संकुचित मानसिकता को समाप्त कर उसे उदार बनाती है। जब हम दूसरों के दुःख को अपना दुख और दूसरों की सफलता को अपनी खुशी मानने लगते हैं,तभी सही मायनों में बंधुता का जन्म होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जी–वनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 मार्च 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 09:43 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 06:23 तक
योग : शिव प्रातः 09:35 तक
करण : तैतिल प्रातः 09:43 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 06:15 तक
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सोम प्रदोष व्रत, पंचक आरंभ सायं 06:15 से

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विकसित राजस्थान रन–2026 को सीएम भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, कहा

युवाओं को स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नियमित दौड़ लगाना स्वस्थ जीवन का मूल मंत्र है। दिन की शुरुआत दौड़ के साथ करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है, स्वास्थ्य ठीक रहता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए फिट इंडिया अभियान ने देशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है। शर्मा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे, तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। शर्मा राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को जयपुर में अमर जवान ज्योति से 'विकसित राजस्थान रन–2026'

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर में आयोजित 'विकसित राजस्थान रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से राजस्थान दिवस को तिथि अनुसार मनाने की नई परंपरा शुरू की है। 30 मार्च 1949 को तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन रेवती नक्षत्र इन्द्र योग में विभिन्न रियासतों को एकत्रित कर वृहद राजस्थान की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि गृह नक्षत्र देखकर नए कार्य की शुरुआत करना हमारी संस्कृति में है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 19 मार्च (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को राजस्थान दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत–2047' विजन के अनुरूप प्रदेश सरकार 'विकसित राजस्थान–2047' के विजन पर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आह्वान किया कि सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है। युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिले और युवा रोजगार प्रदाता भी बनें। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप अपने सपनों की उड़ान के लिए तैयार रहिए, राज्य सरकार आपके सपनों को साकार करने में हरसंभव मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। वहीं 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पेपरलीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के भविष्य पर कुठाराघात करने वाले आज सलाखों के पीछे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस दौरान विधायक गोपाल शर्मा एवं मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रतिभागी व आमजन मौजूद रहे।

वीर–वीरांगनाओं का बलिदान हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं : राज्यवर्धन राठौड़

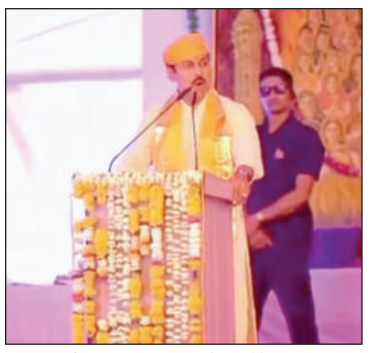

चित्तौड़गढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)।

कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को चित्तौड़गढ़ प्रवास के दौरान जौहर स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित जौहर श्रद्धांजलि समारोह में सहभागिता कर त्याग, वीरता एवं बलिदान के प्रतीक मेवाड़ के समस्त वीर–वीरांगनाओं को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर उपस्थित जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, वीर–वीरांगनाओं का बलिदान हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है। सभी वीर–वीरांगनाओं के स्वाधीन व्यक्तित्व की आभा सदियों तक हमारा पथ प्रदर्शित करती रहेगी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अपने संबोधन की शुरुआत नारी शक्ति को नमन करके की और भारत माता की जय के नारे से पूरा समारोह स्थल गूंज उठा। उन्होंने कहा, जब मेवाड़ के वीर योद्धा युद्ध में उतरते थे तो उनका एक ही जयघोष होता था, एकलिंग महाराज की जय। यह जयकारा और उनका संकल्प जिस संकल्प से मेवाड़ की भूमि आज भी हम सबके दिल में रची बसी रहती है। वह हमारे दिल में भी याद होना चाहिए। इस धरती के अंदर और इस मेवाड़ की आबोहवा में जो जोश और जुनून है वह आज भी हम सबके अंदर है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, आज देश और दुनिया बदल रही है। पूरी दुनिया के अंदर जो संघर्ष हो रहा है वह हम सब देख रहे हैं और यह सही समय है कि इस समय हम सब एक रहें। हमारी पहचान की परतें अलग–अलग हो सकती हैं, लेकिन उन परतों के पीछे जो सबसे बड़ी पहचान है वह हम सब हिंदुस्तानी हैं, यही सबसे बड़ी पहचान है। वीर–वीरांगनाओं का बलिदान हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है।

मोबाइल स्नेचिंग गैंग ने उगला ब्लाइंड मर्डर का राज, दो सगे भाई गिरफ्तार

झालावाड़, 15 मार्च (एजेंसियां)।

शहर की कोतवाली पुलिस ने मोबाइल छीनने की एक साधारण सी दिखने वाली वारदात की तह तक जाते हुए एक खौफनाक ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग गैंग के मास्टरमाइंड दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में न केवल हत्या की बात कबूली, बल्कि झालावाड़ और कोटा क्षेत्र से बाइक चोरी की दर्जनों वारदातों का भी खुलासा किया। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 6 मार्च 2026 को झालावाड़ शहर के मंगलपुरा क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों ने एक महिला से मोबाइल छीन लिया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली थानाधिकारी मुकेश कुमार मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान कर 13 मार्च को दोनों को गिरफ्तार कर लिया और महिला से छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों नरेन्द्र धाकड़ (31) और सुरेन्द्र धाकड़ (26) निवासी हरिगढ़ खेड़ा थाना खानपुर से गहन पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने एक अन्य साथी गोकुल के साथ मिलकर 21 जनवरी को थाना सारोला क्षेत्र में युवक तेजपाल उर्फ भैरू खाईवाल की हत्या करना स्वीकार किया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.85 करोड़ की ठगी का पर्दाफाश

बैंक कर्मी सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)।

जोधपुर साइबर थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.85 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए एक संविदा बैंक कर्मी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त शरत कविराज के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त शाहीन सी के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त धन्ना राम के सुपरविजन में सहायक पुलिस आयुक्त पदमदान चारण के मार्गदर्शन तथा पुलिस निरीक्षक सुरेश सारण के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी विश्लेषण और आसूचना के आधार पर इस गिरोह का भंडाफोड़ किया।

पुलिस उपायुक्त शाहीन ने बताया कि कमला नेहरू नगर, प्रतापनगर निवासी 75 वर्षीय सरस्वती देवी माहेश्वरी के मोबाइल पर 13 फरवरी को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड से केनरा बैंक में खाता खुला है, जिसमें करीब 2 करोड़ रुपये का फर्जी लेन–देन हुआ है।

आरोपी ने महिला को गिरफ्त–ारी का डर दिखाते हुए कहा कि यदि वह जांच से बचना चाहती हैं तो उनकी एफडी और अन्य राशि आरबीआई जांच के लिए बताए गए खाते में जमा करानी होगी, अन्यथा उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया जाएगा। डर के कारण महिला ने 18 फरवरी को अपने एसबीआई खाते से 1 करोड़ 85 लाख 23 हजार रुपये बताए गए खाते में आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। इस संबंध में 23 फरवरी को साइबर पुलिस थाना जोधपुर में विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

आईडीएफसी बैंक घोटाला

सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया गिरफ्तार, मामले में 12वीं गिरफ्तारी

चंडीगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)।

आईडीएफसी बैंक घोटाले मामले में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए आज सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पाया गया कि ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि सावन ज्वेलर्स के द्वारा रिभव रिषी, अभय कुमार, अभिषेक सिंगला, स्वाति सिंगला व अन्य आरोपियों की विभिन्न कंपनियों/फर्मों से प्राप्त की गई । इन कंपनियों/फर्मों में पैसा सरकारी खातों से गैर कानूनी तरीके से ट्रांसफर किए गए थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन के द्वारा मुख्य आरोपियों के लिए कैश कन्वर्जन का काम किया गया व इसके लिए भारी कमीशन प्राप्त किया। आरोपी के द्वारा इन फर्मों/कंपनियों के नाम सोने के आइटम्स बेचे हुए दिखाए गए। आरोपी राजन ने इस मामले में धोखाधड़ी की शुरुआत से ही षडयंत्र रचने में अहम भूमिका निभाई तथा पूर्व योजना के तहत् अपराध को अंजाम देने में सक्रिय योगदान दिया। इस मामले में यह 12वीं गिरफ्तारी है। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद कल न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी, ताकि इस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का खुलासा हो सके।

सीएम सैनी ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष की माताजी के निधन पर जताया शोक

चंडीगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की माताजी, प्रेम कौर कल्याण के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेम कौर कल्याण के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिवंगत माताजी की पुण्य स्मृति को सादर नमन करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अग्रवाल वैश्य समाज प्रदेश महिला इकाई का गठन

भिवानी, 15 मार्च (एजेंसियां)।

अग्रवाल वैश्य समाज ने संगठन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के संकल्प को जारी रखते हुए प्रदेश महिला इकाई का गठन कर सुशीला सर्राफ फतेहाबाद को पुनः महिला इकाई की कमान सौंपी है। ये जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता ने बताया कि समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंसा पर जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से प्रदेश के अलग–अलग जिलों से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी सामाजिक रूप से सक्रिय महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों में वेणु अग्रवाल अंबाला को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही डॉ. अंजली जैन पलवल और निशी गुप्ता कुरुक्षेत्र को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मीनू बंसल बाढड़ा, भारती जैन गुरुग्राम तथा नीता गुप्ता नारनौल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। पायल गोयल नरवाना को महामंत्री, डिंपल सिंगला सफीदों, ऋतु बंसल नारनौल, अंजू बंसल कैथल तथा डॉ. अंजू अग्रवाल बहादुरगढ़ को सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं निशा मंगल गुहला चीका को कोषाध्यक्ष, संतोष जैन व अंजु मित्तल

उकलाना को संगठन सचिव बनाया गया है तथा पिंकी मित्तल जींद को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासचिव बलराम गुप्ता ने बताया कि उनके संगठन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं की सहभागिता से संगठन और अधिक सशक्त बनेगा तथा राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जनसेवा से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। नई टीम समाज में एकता, संगठन और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता ने उम्मीद जताई कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी समाज की एकता, संगठनात्मक कार्यों और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने में पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी तथा समाज में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए महिला इकाई विशेष पहल करेगी।

महेंद्रगढ़ से कुख्यात वांछित अपराधी लकी गिरफ्तार, कोर्ट ने जारी किया था एनबीडब्ल्यू

महेंद्रगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)।

द्वारका की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक बार फिर अपनी तत्परता और साहस का परिचय दिया है। लकी उर्फ भवानी, जो कि कुख्यात कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग का शार्प शूटर माना जाता है, को नंगल शालू, निझामपुर, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) से गिरफ्तार किया गया है। वह पहले भी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रह चुका है और जेल से रिहा होने के बाद फिर से अपने पुराने कामों को शुरू करने के फिराक में था। अदालत से उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू और प्रोक्लेमेशन जारी किया गया था क्योंकि वह ट्रायल से भाग रहा था। लकी उर्फ भवानी पहले भी दिल्ली के उजवा गांव में दिन–दहाड़े हत्या का आरोपी रह चुका है। इस हत्या को कपिल सांगवान उर्फ नंदू के इशारे पर अंजाम दिया गया था। इसके अलावा, बीजवासन इलाके में फिरौती के लिए फायरिंग की घटना में भी वह शामिल रहा है। जेल से रिहा होने के बाद उसने अपने पुराने सहयोगियों से संपर्क बनाए रखा और फिर से आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश की।

द्वारका जिले के डीसीपी ने विशेष रूप से स्पेशल स्टाफ की टीम को निर्देश दिया था कि हाल ही में जेल से रिहा हुए अपराधियों पर नजर रखी जाए। खासतौर पर उन पर ध्यान दिया जाए जो कोर्ट या जेल जाकर अपने पुराने गैंग सहयोगियों से मिलते हैं या जो अवैध हथियारों के साथ अपराध करने की कोशिश करते हैं। इसी दिशा में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में एक टीम बनाई गई, जिसमें एसआई दिनेश कुमार, एएसआई विजय सिंह, एचसी जैराम, एचसी नरेश कुमार, एचसी राजेश और एचसी जगत सिंह शामिल थे। टीम ने पहले हाल ही में रिहा हुए अपराधियों के डेटा को इकट्ठा किया और गैंग से जुड़े लोगों पर निगरानी रखी।

11 मार्च 2026 को टीम को सूचना मिली कि लकी उर्फ भवानी जेल से बाहर है और वह अपने पुराने सहयोगी धर्मेन्दर राणा से मिलने के लिए अंबाला जेल गया था। टीम ने सूचना की पुष्टि की और पता लगाया कि वह अपने पैतृक गांव नंगल शालू में रह रहा है। उसके खिलाफ कोर्ट ने पहले से गैर जमानती वारंट और प्रोक्लेमेशन जारी किया हुआ था और वह ट्रायल से भाग रहा था।

टीम ने जुटाई गई जानकारी के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज थे, जिनमें दिल्ली और राजस्थान के अपराध शामिल हैं। गिरफ्तार करने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया और उसे फिर से जेल भेज दिया गया।

पूछताछ में लकी ने बताया कि उसने सिर्फ आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की है और बाद में बुरी आदतों के कारण स्कूल छोड़ दिया। वह पवन शेरावत के संपर्क में आया, जो कपिल सांगवान का करीबी सहयोगी था। पवन के जरिए उसने कपिल और धर्मेन्दर राणा से संपर्क बनाया और धीरे–धीरे गैंग के शूटर के रूप में काम करने लगा।

आसिफाबाद से पलायन करने वाले 'लॉन्ग-बिल्ड' गिद्धों का पता लगाने पर 1 लाख के इनाम की घोषणा

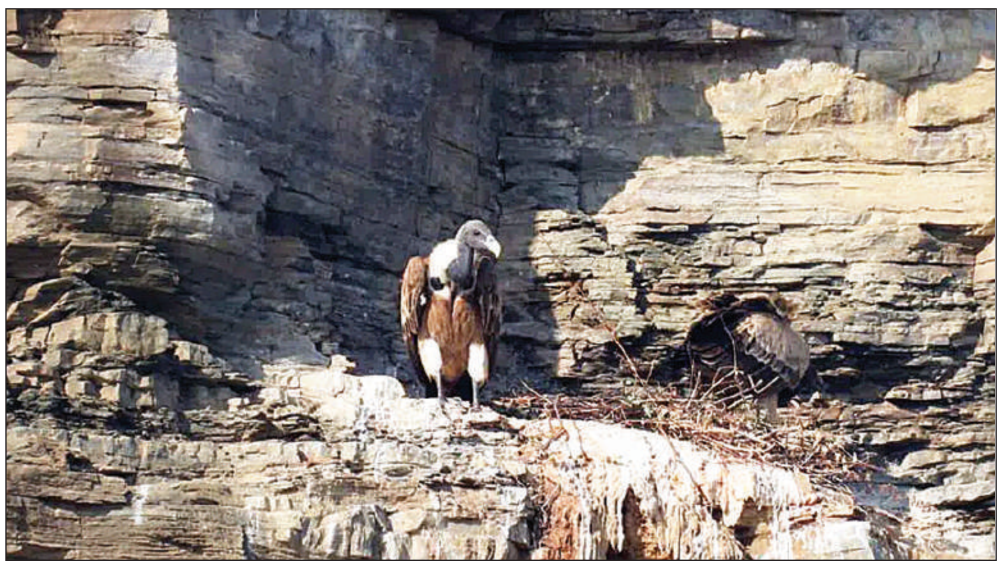

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वन अधिकारियों ने उन लोगों के लिए 1 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है, जो 'लॉन्ग-बिल्ड' (लंबी चोंच वाले) गिद्धों का पता लगाने में मदद करेंगे। यह गिद्ध एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति है, जो कभी पेंचीकलपेट मंडल के नंदीगांव गांव में पालरापू गुट्टा (चट्टान) स्थित गिद्ध संरक्षण स्थल पर निवास करती थी। एक प्रेस विज्ञप्ति में अधिकारियों ने कहा कि संरक्षण उपायों के तहत इन सफाईकर्मी पक्षियों का पता लगाकर विभाग को सूचित करने वाले किसी भी व्यक्ति को यह इनाम दिया जाएगा। उन्हें संदेह है कि कुछ महीने पहले अपनी कॉलोनी छोड़ने के बाद ये पक्षी पड़ोसी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के कमलापुर स्थित गिद्ध अभयारण्य में चले गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इन लुप्तप्राय पक्षियों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। संरक्षण स्थल की निगरानी के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया है और पक्षियों को वापस चट्टान पर लाने के प्रयास जारी हैं। बताया गया है कि ये 'प्राकृतिक भस्मक' पड़ोसी राज्य के अभयारण्य में अधिकारियों द्वारा परोसे जाने वाले 'अतिरिक्त' भोजन के आदी हो गए हैं और वापस अपनी कॉलोनी में लौटने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

साल 2013 में पेद्दावागु और प्राणहिता के संगम पर स्थित पालरापू गुट्टा (चट्टानों) पर वन अधिकारियों द्वारा पहली बार 10 'लॉन्ग-बिल्ड' गिद्धों की एक कॉलोनी की पहचान की गई थी। इसके बाद, जनवरी 2015 में प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण द्वारा वित्त पोषित एक गिद्ध संरक्षण परियोजना शुरू हुई, जिसके तहत एक क्षेत्र जीवविज्ञानी और पांच पक्षी ट्रैकर्स नियुक्त किए गए थे।

2022 तक इस कॉलोनी में लगभग 20 वयस्क और 10 बच्चे रहा करते थे। हालांकि, समय के साथ इस स्थल पर इनकी संख्या घटकर केवल दो जोड़ों तक रह गई है, जिससे अधिकारी चिंतित हैं। ये पक्षी पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इनके संरक्षण के प्रयासों को तेज कर दिया गया है।

आदिलाबाद: 'रयथु भरोसा' में देरी पर किसानों ने तेलंगाना विधानसभा घेराव की चेतावनी दी

आदिलाबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । किसानों ने रविवार को चेतावनी दी कि यदि 'रयथु भरोसा' का लाभ तुरंत जारी नहीं किया गया, तो वे तेलंगाना विधानसभा का घेराव करेंगे। एचोडा मंडल के मुखरा गांव में किसानों ने 'वानाकालम' (खरीफ) सीजन के दौरान काटे गए गेहूं की बोरियों पर घुटने टेककर अपना विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलनकारी किसानों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लाभ जारी करने में देरी करके कृषि समुदाय को धोखा दे रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर केवल चुनावों के दौरान लाभ जारी करने संबंधी बयान देकर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अब तक तीन बार लाभ देने से बच चुकी है।

असंतुष्ट किसानों ने कहा कि वे अब निजी साहूकारों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं, जो अत्यधिक ब्याज दरें वसूलकर कृषि समुदाय का शोषण करते हैं।

उन्होंने याद किया कि बीआरएस सरकार के शासनकाल के दौरान लाभार्थी आरामदायक जीवन जी रहे थे और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने नवीन योजनाएं शुरू करके कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदल दी थी। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सरपंच गाडगे मीनाक्षी, पूर्व एमओटीसी सदस्य सुभाष और कई किसानों ने भाग लिया।

मंचेरियाल में करीब 100 आवारा और पालतू कुत्तों की हत्या: सरपंच और पंचायत सचिव पर मामला दर्ज

मंचेरियाल, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक चौंकाने वाली घटना में, लगभग एक सप्ताह पहले जन्नाराम मंडल के किस्तापुर गांव में आवारा और पालतू कुत्तों सहित करीब 100 कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार दिया गया।

यह घटना तब सामने आई जब पुलिस ने रविवार को कुत्तों की हत्या के आरोप में गांव के सरपंच और पंचायत सचिव के खिलाफ मामला दर्ज किया।

पुलिस ने बताया कि सरपंच नरेश और ग्राम सचिव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछड) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने स्थानीय निवासियों को होने वाली असुविधा को रोकने के लिए 7 और 8 मार्च को जहरीले इंजेक्शन लगवाकर कुत्तों को मरवा दिया और उनके शवों को दफना दिया।

यह मामला करीमनगर की एक स्वैच्छिक संस्था 'स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के कार्यकर्ता गौतम अदुलपुरम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरपंच और सचिव ने कथित तौर पर दो लोगों को काम पर रखकर न केवल आवारा कुत्तों बल्कि पालतू कुत्तों को भी खत्म कर दिया।

उनका दावा था कि आवारा कुत्ते नियमित अंतराल पर निवासियों पर हमला कर रहे थे। कुत्तों के शवों को गांव के बाहरी इलाके में गोदावरी नदी के किनारे दफनाया गया था। कुछ निवासियों ने अपने पालतू जानवरों के भी मारे जाने का एहसास होने पर कार्यकर्ता को सूचित किया।

इसके बाद कार्यकर्ता ने इस मामले को रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के संज्ञान में लाया। अपनी शिकायत पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी से संपर्क किया। रिपोर्ट के अनुसार, महानिदेशक ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और घटना की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं।

नेत्रदान से दो जिंदगियों में रोशनी

कोट्टे सत्यप्रकाश की याद में आँखें दान कर परिवार ने बनाई मिसाल

बेल्लमपल्ली, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली नगर के कालटेक्स में रहने वाले 68 वर्षीय कोट्टे सत्यप्रकाश की हार्ट अटैक से अचानक मृत्यु हो गई। उनके बेटे, जनहित सेवा समिति के सदस्य कोट्टे विनय के परिवार ने इस दुखद समय में नेत्रदान करने का निर्णय लिया, ताकि दो लोगों की ज़िंदगी को रोशन किया जा सके। सदाशय फाउंडेशन के जनरल सेक्रेटरी सीएच. लिंगमूर्ति के सहयोग से, एल.वी. प्रसाद आई बैंक के स्टाफ सदस्य प्रदीप ने उनकी आँखें सुरक्षित कर लीं। इस अवसर पर जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष अडेपु सतीश ने कहा कि कोट्टे सत्यप्रकाश की पत्नी कोट्टे नागमणि, बेटे और बहू कोट्टे विनय-लावण्या, राकेश-संध्या रानी और बहू रावुलापल्ली प्रियांका-अरुण के दुखी परिवार के सदस्य उनकी आँखों की रोशनी को वापस लाने के लिए आगे आए हैं।

यह जनहित सेवा समिति द्वारा आयोजित 11वां नेत्रदान कार्यक्रम था। सतीश ने बताया, कोट्टे सत्यप्रकाश के परिवार के सदस्यों की प्रेरणा से हम सभी को प्रेरित होना चाहिए कि मरने के बाद अपनी आँखें, अंग और शरीर को जलाने के बजाय समाज के भले के लिए इस्तेमाल करें। आँखें दान करते वक्त, मरने वाले व्यक्ति की आँखों का कॉर्निया मौत के आठ घंटे के अंदर लिया जाता है।

उन्होंने जोर दिया कि नेत्रदान के ज़रिए दो लोगों को रोशनी मिलती है और उन्हें इस दुनिया को देखने का एक नया अवसर मिलता है। सभी लोगों से अपील की गई कि वे अपनी गलतफहमियाँ छोड़कर आँख, अंग और शरीर दान करने के लिए आगे आएं।उन्होंने उदाहरण पेश किया कि ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग दान करने से आठ गंभीर रूप से बीमार लोगों की जान बचाई जा सकती है, और इसका उपयोग हजारों मेडिकल स्टूडेंट्स को पढ़ाने और लोगों के इलाज के लिए किया जा सकता है। आंख दान करने के बाद परिवार वालों को एल.वी. प्रसाद आई बैंक की ओर से आँख दान का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में जनहित सेवा समिति के सचिव पेद्दी विनय कुमार, कार्यकारी सदस्य डोली सुकुमार और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हुए।

क्रांतीवीर बाबुराव शेडमाके जयंती पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

251 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया, 51 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

किनवट, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । क्रांतीवीर बाबुराव शेडमाके की जयंती के अवसर पर वझरा स्थित स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर और निःशुल्क औषधि वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 251 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया और 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

जयंती उत्सव समिति और जय जोहार आदिवासी आरोग्य संस्था के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्रांतीवीर बाबुराव शेडमाके और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके की गई।दुर्गम और पिछड़े क्षेत्र वझरा बु में आयोजित इस शिविर में डॉ. जयराम बससी, डॉ. प्रशिक सिरसाट, डॉ. पुंडलिक आमले और डॉ. गौतम नरवाडे ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस शिविर में आम जनता की शुगर, बीपी और ईसीजी जांच की गई।संस्था के अध्यक्ष डॉ. पुंडलिक आमले ने इस शिविर की सफलता के लिए डॉक्टरों की टीम को आमंत्रित किया, जिन्होंने समय पर उपस्थित होकर अपनी सेवाएँ दीं। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से 40 रुपये की दवाएँ उपलब्ध कराई गईं, साथ ही जयंती उत्सव समिति ने भी दवाओं की व्यवस्था की।ग्रामवासियों ने इस सामाजिक उपक्रम का स्वागत करते हुए सराहना की और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का आह्वान किया।

यादाद्रि भोंगिर: मां ने बेटी की हत्या की, बेटे को मारने और खुदकुशी का भी किया प्रयास

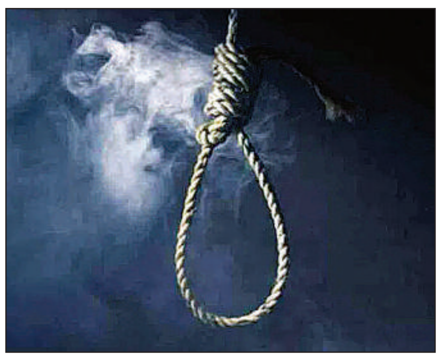

नलगोंडा, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): यादाद्रि भोंगिर जिले के तुक्कापुरम गांव में एक पूर्व सरपंच की पत्नी ने कथित तौर पर अपनी बेटी की हत्या कर दी और खुदकुशी करने से पहले अपने बेटे को भी मारने की कोशिश की।

महिला की पहचान जैनापल्ली के पूर्व सरपंच बी. नरेंद्र रेड्डी की पत्नी रत्नाकला के रूप में हुई है। इस खौफनाक कदम के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

रिपोर्टों के अनुसार, उसने पहले अपनी बेटी कीर्तना रेड्डी (14) का गला रेत दिया। इसके बाद उसने अपने बेटे अशांत रेड्डी को भी इसी तरह मारने की कोशिश की, लेकिन लड़का किसी तरह बच निकलने में सफल रहा और शोर मचा दिया।

जैसे ही अशांत रेड्डी मदद के लिए चिल्लाया, रत्नाकला ने छत से लटककर आत्महत्या करने की कोशिश की। लड़के की चीखें सुनकर ग्रामीण घर की ओर दौड़े और उसे बचा लिया।

खबरों के मुताबिक, रत्नाकला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे इलाज के लिए हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। पूर्व सरपंच की पत्नी शनिवार को जैनापल्ली स्थित अपनी ससुराल से अपने माता-पिता के घर तुक्कापुरम गांव आई थी।

मंचेरियाल में प्रगति योजना का निरीक्षण

अतिरिक्त कलेक्टर पी. चंद्रैया ने की कार्यक्रम की समीक्षा

मंचेरियाल, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) पी. चंद्रैया ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी 99 दिवसीय लोक प्रशासन प्रगति योजना को योजनानुसार लागू किया जाना चाहिए।शुक्रवार को, जयपुर मंडल परिषद के विकास अधिकारी सत्यनारायण और मंडल पंचायत अधिकारी श्रीपति बापूराव ने जिले के जयपुर मंडल के इंद्रम और रामाराव पेटा में चल रहे कार्यक्रमों का दौरा किया और कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया।इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा, जिले के जयपुर मंडल के इंद्रम और रामाराव पेटा में चल रहे कार्यक्रम सुचारू रूप से चलाए जा रहे हैं। सभी अधिकारियों के समन्वय से सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।उन्होंने ग्राम पंचायतों को हर शुक्रवार को एक दिन शराब मुक्त रखने, गांव में स्वच्छता का पालन सख्ती से करने और आंतरिक सड़कों एवं पशुओं के नालों की समय-समय पर सफाई करने के निर्देश दिए। चंद्रैया ने ग्राम सरपंच और पंचायत सचिवों से कहा कि वे अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने के प्रति जागरूक रहें।उन्होंने पीने के पानी की आपूर्ति की जांच करने, मोटरों की बिजली खपत कम करने के उपाय करने और पानी के उपयोग के लिए समय निर्धारित करने के निर्देश दिए। लाभार्थियों को इंदिराम्मा घरों के निर्माण कार्य के बारे में भी जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।इस कार्यक्रम में इंद्राम ग्राम सरपंच फैयाजुद्दीन, पंचायत सचिव ए. सुमन, डी. राजिता और ग्राम पंचायत के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

मंचेरियाल शिकार मामला: सागौन तस्करों द्वारा तेंदुए की हत्या की अधिकारियों ने की पुष्टि

मंचेरियाल, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दंडेपल्ली मंडल के ऊटला गांव में जब्त किए गए वन्यजीव अंगों के व्यापार की वन अधिकारियों द्वारा की गई जांच में यह खुलासा हुआ है कि अपराधियों ने एक तेंदुए का शिकार किया था और उसके नाखून निकाल लिए थे।

जांच अधिकारियों ने शनिवार देर रात तक आरोपियों से जब्त किए गए नाखूनों के मामले में विस्तृत पूछताछ की। उन्होंने बताया कि ऊटला में तेंदुए के 13 नाखूनों का व्यापार करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने दोपहिया वाहनों के क्लच वायर (लोहे के तार) का फंदा बनाकर जानवर को मारा था। साक्ष्य मिटाने के लिए उन्होंने नाखून निकालने के बाद तेंदुए के शव को आग लगा दी थी।

पशु चिकित्सक के साथ वन अधिकारियों की एक विशेष टीम द्वारा की गई जांच में इस बात की पुष्टि हुई है कि आरोपियों द्वारा मारा गया जानवर तेंदुआ ही था। बताया गया है कि जानवर को कुछ हफ्ते पहले ऊटला के बाहरी इलाके में मारा गया था।

विभाग ने अपराधियों का पता लगाने के लिए 'चीता' नाम के एक खोजी कुत्ते को तैनात किया और गुप्त सूचना के आधार पर गांव को चारों दिशाओं से घेरकर तलाशी ली।

शनिवार को, ऊटला निवासी मोडते वेंकटेश और मोडते श्रीनिवास, और मामिदीपल्ली गांव के वनपर्थी श्रीकांत को वन्यजीव अंगों के व्यापार की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांचकर्ताओं ने कहा कि आरोपी सागौन की लकड़ी की तस्करी में भी शामिल थे और पहले भी सागौन के पेड़ काटने के आरोप में उन पर मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

वन अधिकारियों ने कहा कि अपराध की जांच अभी जारी है। उन्हें संदेह है कि तेंदुए के शिकार में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, और कहा कि एक या दो सप्ताह के भीतर जांच पूरी होने के बाद दूसरों की भूमिका स्पष्ट हो जाएगी।

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 महान बल्लेबाज, ब्रैडमैन का रिकार्ड आज भी अटूट

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।

क्रिकेट इतिहास में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जिन्हें तोड़ना आज भी लगभग असंभव माना जाता है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजों द्वारा एक ही सीरीज में बनाए गए विशाल स्कोर आज भी क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर देते हैं। टेस्ट क्रिकेट के करीब 149 साल के इतिहास में केवल दो बल्लेबाज ही ऐसे हुए हैं जिन्होंने एक ही सीरीज में 900 से ज्यादा रन बनाए। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ पारियां ऐसी रहीं जो रिकार्ड बुक में हमेशा के लिए दर्ज हो गईं। इस सूची में सबसे ऊपर नाम आता है आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डान ब्रेडमैन का। उन्होंने 1930 की दा एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन किया जिसे आज भी क्रिकेट का चमत्कार कहा जाता है। ब्रैडमैन ने पांच मैचों की उस सीरीज में 139.14 की औसत से 974 रन बनाए थे, जो एक टेस्ट सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इस ऐतिहासिक सीरीज में उन्होंने 334 रन की तिहरी पारी के साथ दो दोहरे शतक भी लगाए थे। लगभग एक सदी बीतने के बाद भी यह रिकार्ड अटूट बना हुआ है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के महान बल्लेबाज वाली हैमंड का नाम आता है। उन्होंने 1928-29 की एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 905 रन बनाए थे। पांच मैचों की इस सीरीज में उनका औसत 113.12 रहा। हैमंड उस समय एक सीरीज में 900 रन का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस सीरीज में लगातार दो दोहरे शतक भी जड़े थे, जिससे उनका प्रदर्शन और भी यादगार बन गया।

तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं। उन्होंने 1989 की एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए छह मैचों में 83.90 की औसत से 839 रन बनाए थे। टेलर ने उस सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली थी और अपने प्रदर्शन से खुद को आधुनिक युग के बेहतरीन ओपनरों में शामिल कर लिया था। चौथे स्थान पर आस्ट्रेलिया के ही दिग्गज बल्लेबाज राबर्ट नील हार्वे का नाम आता है। उन्होंने 1952-53 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 834 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 92.66 का रहा। हार्वे की तकनीक और धैर्य ने उस समय दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को काफी परेशान किया था।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर में 31 मार्च को हांगकांग से भिड़ेगा भारत, कोच्चि में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम एएफसी एशियन कप सऊदी अरब-2027 क्वालीफायर के अपने अंतिम मुकाबले में 31 मार्च को हांगकांग चीन पुरुष फुटबाल टीम का सामना करेगी। यह मैच केरल के कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा। यह मुकाबला इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि लगभग दस साल बाद कोच्चि का यह स्टेडियम भारतीय पुरुष फुटबाल टीम की मेजबानी करेगा। इससे पहले मार्च 2016 में भारत ने इसी मैदान पर तुर्कमेनिस्तान पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर का मुकाबला खेला था। वह आखिरी मौका था जब भारतीय सीनियर टीम ने केरल में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है, लेकिन टीम अपने अभियान का समापन जीत के साथ करना चाहेगी। यह मुकाबला भले ही क्वालीफिकेशन के लिहाज से औपचारिक रह गया हो, क्योंकि हांगकांग भी बाहर हो चुका है, लेकिन इसमें मिलने वाले फीफा रैंकिंग अंक दोनों टीमों के लिए काफी अहम होंगे। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर के फाइनल राउंड में यह भारत का तीसरा अलग घरेलू मैदान होगा। इससे पहले मार्च में शिलांग में भारत ने बांग्लादेश पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ मुकाबला खेला था, जबकि अक्टूबर में मडगांव में सिंगापुर पुरुष फुटबाल टीम के खिलाफ मैच आयोजित किया गया था।

द हंड्रेड' में शायद ही खेल पायें अबरार : पीसीबी

लंदन। पाकिस्तानी गेंदबाज अबरार अहमद को इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड' में खरीदे जाने के बाद से ही आईपीएल फ्रैंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक काव्य मारन लोगों के निशानद पर हैं। सनराइजर्स से ही जुड़ी द हंड्रेड' की एक टीम सनराइजर्स लीड्स ने पाक स्पिनर अबरार को 1,90,000 पाउंड में खरीदा है। काव्य इस फैसले से लोग भड़के हुए हैं। वहीं अब कहा जा रहा है कि अबरार के इस लीग में खेलने की संभावनासं बेहद कम है। ऐसे में उन्हें शामिल करने वाली टीम सनराइजर्स लीड्स को झटका लगना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस लीग के दौरान ही पाक में वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में उनको पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना नहीं है। वहीं पीसीसीबी के अनुसार वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज को देखते हुए अबरार के द हंड्रेड में खेलने की संभावना नहीं है। पाक टीम का कैरेबियाई दौरा 15 जुलाई से 7 अगस्त तक चलेगा, जबकि द हंड्रेड' 21 जुलाई से 16 अगस्त तक खेला जाएगा हालांकि पाक के लिए इस दौरे में टेस्ट मैच खेलने की संभावना काफी कम है।

आईपीएल 2026 से पहले टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पारियां, टाप-6 में नहीं हैं रोहित और कोहली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की शुरुआत का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है और क्रिकेट प्रशंसक एक बार फिर मैदान पर बड़े सितारों की धमाकेदार बल्लेबाजी देखने के लिए उत्साहित हैं। फैंस को खास तौर पर रोहित शर्मा, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से बड़ी पारियों की उम्मीद रहती है, जो क्रमश: मुंबई इंडियंस, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते नजर आते हैं। हालांकि आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी पारियों की सूची पर नजर डालें तो हैरानी होती है कि इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली का नाम शीर्ष छह में शामिल नहीं है। आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज है।

भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हाकी इंडिया ने दी बधाई

हैदराबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)।

हाकी इंडिया ने भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अंतरराष्ट्रीय करियर में 150 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। सलीमा ने यह उपलब्धि हाकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड महिला हाकी टीम के खिलाफ खेलते हुए हासिल की। यह मैच हैदराबाद के जी.एम.सी. बालयोगी हाकी ग्राउंड में खेला गया।

झारखंड में जन्मी 25 वर्षीय मिडफील्डर सलीमा टेटे अपनी तेज रफ्तार और मैदान पर अथक मेहनत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने नवंबर 2016 में मेलबर्न में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। तब से वह राष्ट्रीय टीम की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक बन चुकी हैं और अब तक 16 अंतरराष्ट्रीय गोल भी कर चुकी हैं।

सलीमा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में ओलंपियन का दर्जा हासिल किया, जब वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद उनके करियर में लगातार उन्नति देखने को मिली। 2022 में मस्कट में आयोजित महिला एशिया कप में उन्हें राइजिंग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला, जहां भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया था।

उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जहां टीम चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा 2022 के कामनवेल्थ गेम्स 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उनका अहम गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

सलीमा भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने 2022 में स्पेन में आयोजित महिला नेशंस कप जीता और 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किया। उसी वर्ष रांची में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी में उन्होंने सात मैचों में पांच गोल किए और प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुनी गईं।

साल 2024 में उन्हें भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान बनाया गया। उनकी अगुआई में भारत ने बिहार में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी 2024 में स्वर्ण पदक जीता और 2025 के महिला एशिया कप में रजत पदक हासिल किया।

उनके शानदार प्रदर्शन को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2021 में उन्हें हाकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवार्ड से नवाजा गया, जबकि 2023 में उन्हें हाकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर आफ द ईयर पुरस्कार मिला। 2024 में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सलीमा की प्रतिभा, निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि सलीमा हाल के वर्षों में भारतीय महिला हाकी की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं और भविष्य में उनसे और कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

टी20 विश्वकप ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे सूर्यकुमार, गंभीर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप ट्राफी के साथ ही सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान आईसीसी चेयरमैन जय शाह भी उनके साथ थे। वहीं इससे पहले, टी20 विव कप 2026 का खिताब जीतने के बाद सूर्यकुमार, गंभीर और शाह स्टेडियम के पास के हनुमान मंदिर में आशीर्वाद के लिए पहुंचे थे। भारतीय टीम ने अपनी धरती पर तीसरी बार विश्वकप जीतकर एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। भारतीय टीम ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली टीम है। 8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड का आसानी से हराया दिया था। तब भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन बनाए थे। इस मैच में टीम इंडिया की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन बनाए। उनके अलावा, ईशान किशन ने 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवरों में केवल 159 रन बनाये। कीवी टीम की ओर से टिम सीफर्ट ने 26 गेंदों में 52 रन बनाये।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 80 रन से हराया

न्यूजीलैंड, 15 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 80 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड महिला टीम ने टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम ने 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम की कप्तान अमेलिया केर ने 44 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज जार्जिया प्लिमर ने 44 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। सोफी डिवाइन 12, ब्रुक हालिडे 13 और मैडी ग्रीन ने 10 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के लिए मसाबाटा कलास और नादिन डी क्लर्क ने दो-दो विकेट लिए। अयाबोंगा खाका और नानकुलुलेको म्लाबा ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज तजमिन ब्रिट्स ने 35 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 29 रनों की जुझारू पारी खेली। कायला रेनेके 18 गेंदों में चार चौकों के साथ 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। बाकी बल्लेबाज बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 80 रनों से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला टीम की ओर से अनुभवी सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और चार विकेट लिए। वहीं जेस केर ने दो विकेट लिए। कप्तान अमेलिया केर को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। दोनों देशों के बीच दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

इटली में पैरा अल्पान स्कीइंग

इटली में पैरा अल्पान स्कीइंग महिला स्लेलोम मुकाबले में खेलती हुई रुस की वरवावा वोरसिखीना ।

आर्सेनल के मैक्स डावमैन प्रीमियर लीग में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

लंदन, 15 मार्च (एजेंसियां)।

आर्सेनल के युवा विंगर मैक्स डावमैन ने प्रीमियर लीग में इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। शनिवार को एवर्टन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्सेनल की 2-0 की जीत के दौरान डावमैन ने स्टापेज टाइम में गोल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

16 साल और 73 दिन की उम्र में गोल करने वाले डावमैन ने एवर्टन के पूर्व स्ट्राइकर जेम्स वान का 19 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। वान ने 2005 में क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ खेलते हुए 16 साल और 270 दिन की उम्र में गोल किया था। अब डावमैन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मुकाबले के अंतिम क्षणों में आया यह गोल आर्सेनल की जीत को पक्का करने वाला साबित हुआ। इस जीत के साथ टीम ने लीग तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। युवा खिलाड़ी के इस प्रदर्शन से क्लब के खिलाड़ी, स्टाफ और दर्शक सभी बेहद उत्साहित नजर आए।

मैच के बाद आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने डावमैन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह क्लब और खिलाड़ी दोनों के लिए बेहद खास पल है।

आर्टेटा ने कहा, यह एक शानदार क्षण था। सभी खिलाड़ी और दर्शक खुशी से झूम रहे थे। यह एक खूबसूरत दिन है। इतनी कम उम्र में, इतने दबाव और उम्मीदों के बीच इस तरह का प्रदर्शन करना आसान नहीं होता।

जब आर्टेटा से पूछा गया कि मैदान पर भेजने से पहले उन्होंने डावमैन से क्या कहा था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने उससे कहा था कि जाओ, अपना खेल खेलो और हमें मैच जिताओ।

डावममैन का यह गोल न केवल उनके करियर की शानदार शुरुआत माना जा रहा है, बल्कि आर्सेनल के लिए भी भविष्य की बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। फुटबाल विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह का आत्मविश्वास और प्रदर्शन उन्हें आने वाले समय में प्रीमियर लीग का बड़ा सितारा बना सकता है।

आईपीएल इतिहास की सबसे खतरनाक गेंदबाजी, जब अल्जारी जोसेफ ने 16 गेंदों में ढहा दी थी पूरी टीम

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। नए सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी टूर्नामेंट को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आईपीएल का इतिहास ऐसे कई यादगार पलों से भरा है, जिन्होंने इस लीग को दुनिया की सबसे रोमांचक टी20 प्रतियोगिता बना दिया। इन्हीं में से एक यादगार प्रदर्शन 2019 में देखने को मिला था, जब एक गेंदबाज ने अपने घातक स्पेल से क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। यह कारनामा वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने किया था, जो उस समय मुंम्बई इंडियंस की ओर से खेल रहे थे। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ ऐसा गेंदबाजी प्रदर्शन किया, जो आज भी आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतरीन स्पेल माना जाता है। जोसेफ ने सिर्फ 3.4 ओवर यानी 16 गेंदों में 12 रन देकर 6 विकेट झटके थे। उनकी इस घातक गेंदबाजी के सामने हैदराबाद के बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए और पूरी टीम बिखर गई। यह आंकड़ा आज भी आईपीएल इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के रूप में दर्ज है। उस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। टी20 क्रिकेट के लिहाज से यह स्कोर ज्यादा बड़ा नहीं माना जाता। आज के दौर में कई टीमें इतने रन शुरुआती कुछ ओवरों में ही बना लेती हैं। ऐसे में उस समय यह माना जा रहा था कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 137 रन का लक्ष्य हासिल करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। लेकिन मैच का असली मोड़ तब आया जब अल्जारी जोसेफ ने गेंद संभाली। उनकी तेज और सटीक गेंदबाजी के सामने हैदराबाद के बल्लेबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। विकेटों की झड़ी लग गई और टीम संभल ही नहीं पाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की पूरी टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 96 रन पर सिमट गई। इस तरह मुंबई इंडियंस ने मुकाबला 40 रन से अपने नाम कर लिया। टी20 क्रिकेट में इतना बड़ा अंतर खासकर लो स्कोरिंग मैच में काफी दुर्लभ माना जाता है। इस जीत की सबसे बड़ी वजह अल्जारी जोसेफ की जादुई गेंदबाजी रही, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है: इरफान पठान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवत: धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे। पठान ने यह भी कहा कि इस सीजन में धोनी की फिटनेस, बल्लेबाजी क्रम और खेलने वाले मैचों की संख्या को लेकर कई सवाल उठेंगे। उनके अनुसार इन सवालों का जवाब केवल टीम मैनेजमेंट ही दे सकता है।

इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन पर 31 तक ही मिलेगा सरकारी इंसेंटिव

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के पीछे सरकार की प्रोत्साहन नीतियां और सब्सिडी बड़ी वजह मानी जा रही हैं, जिसके चलते अब कई ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर खरीदने वाले ग्राहकों के लिए मौजूदा समय काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इन वाहनों पर मिलने वाला डिमांड इंसेंटिव केवल 31 मार्च 2026 तक ही उपलब्ध रहेगा। इसके बाद यह सब्सिडी समाप्त हो जाएगी। हालांकि केंद्र सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन योजना पीएम ई-ड्राइव स्कीम 31 मार्च 2028 तक लागू रहेगी, लेकिन दो और तीन पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मौजूदा प्रोत्साहन सीमित अवधि के लिए ही है। ऐसे में जो लोग इलेक्ट्रिक स्कूटर या बाइक खरीदने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए अभी खरीदारी करना अधिक लाभदायक हो सकता है। यह योजना 1 अक्टूबर 2024 से शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना और स्वच्छ परिवहन को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया, तीनपहिया, ई-एम्बुलेंस और इलेक्ट्रिक ट्रकों के उपयोग को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत सरकार सीधे आर्थिक प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर बैटरी क्षमता के आधार पर इंसेंटिव दिया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह प्रोत्साहन प्रति किलोवाट-घंटा 5,000 रुपये तक था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह घटकर 2,500 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा रह जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को आसान बनाने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। देशभर में हजारों सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिसके लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये की सहायता निर्धारित की गई है। इसके अलावा कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर पर अतिरिक्त छूट और विशेष आफर भी दे रही हैं। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में लगातार नई कंपनियां भी प्रवेश कर रही हैं। हालांकि बिक्री के मामले में अभी भी कुछ बड़ी कंपनियों का दबदबा बना हुआ है, लेकिन छोटे ब्रांड भी अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आयकर विभाग ने महत्वपूर्ण लेनदेन ईमेल को नजरअंदाज करने को कहा, गलती स्वीकार की

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को करदाताओं से आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए महत्वपूर्ण लेनदेन जुड़ी त्रुटिपूर्ण ईमेल को नजरअंदाज करने की अपील की है। विभाग ने स्वीकार किया है कि इन संचारों में गलत जानकारी शामिल थी, जिसकी रिपोर्ट करदाताओं ने की थी। यह त्रुटि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भेजे गए ईमेल में पाई गई है। विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उसे करदाताओं से गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने की शिकायतें मिली हैं। विभाग ने इस मुद्दे को ध्यान में लाने के लिए करदाताओं का धन्यवाद किया और हुई असुविधा के लिए माफी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि संचार प्रणाली के लिए जिम्मेदार सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सुलझाया जा रहा है। विभाग ने कहा, हम अपने सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सक्रिय रूप से हल करने के लिए काम कर रहे हैं।' विभाग ने आगे कहा, इस बीच, करदाताओं से अनुरोध है कि वे आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान से संबंधित पहले के ईमेल संचार को नजरअंदाज करें।' आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे संचार करदाताओं के लिए अनुपालन पोर्टल पर उपलब्ध वित्तीय जानकारी की समीक्षा करने और आवश्यक होने पर उचित अग्रिम कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सुविधा प्रदान करने वाले अनुस्मारक के रूप में होते हैं। करदाताओं को सलाह दी गई है कि वे आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से अनुपालन पोर्टल पर ई-अभियान' टैब के माध्यम से अपने लेनदेन विवरण को सत्यापित करें। विभाग ने इस मुद्दे के समाधान के दौरान करदाताओं से समझ और सहयोग का भी आग्रह किया। गलती से भेजे गए ईमेल का कारण और समाधान आयकर विभाग ने स्वीकार किया है कि अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए कुछ ईमेल में महत्वपूर्ण लेनदेन से संबंधित गलत विवरण थे। यह समस्या आकलन वर्ष 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए भेजे गए ईमेल में सामने आई है।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे माडल शामिल हैं।

हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है, जबकि एमजी कामेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ माडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है। कुलकर्णी के अनुसार मोटर, इन्वर्टर, आनबोर्ड चार्जर और पावर इलेक्ट्रानिक्स जैसे कंपोनेंट्स का बेहतर इंटीग्रेशन वाहन का वजन कम कर रहा है और पैकेजिंग एफिशिएंसी बढ़ा रहा है। पहले ये सभी अलग-अलग यूनिट्स हुआ करते थे, बाद में इन्हें 3-इन-1 सिस्टम में बदला गया और अब इंटीग्रेशन और उन्नत स्तर पर पहुंच रहा है। इससे बचने वाला वजन बैटरी क्षमता बढ़ाने में उपयोग किया जा सकता है, जिससे बिना बड़े बदलाव के वाहन की रेंज बेहतर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बैटरी कीमतों में नरमी और तकनीकी सुधार के कारण कई मामलों में इलेक्ट्रिक कारें आईसीई वाहनों की कीमत के करीब 10 प्रतिशत के भीतर पहुंच चुकी हैं। भारत में 10 लाख रुपये से कम का सेगमेंट सबसे बड़ा बाजार माना जाता है और टाटा की रणनीति का मुख्य फोकस भी यही है। कंपनी ने हाल ही में पंच ईवी को बैटरी-एज-ए-सर्विस विकल्प के साथ पेश किया है, जिससे इसकी शुरुआती कीमत 6.94 लाख रुपये तक लाई गई है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंची

नई दिल्ली । बीते महीने फरवरी 2026 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंच गई। पिछले साल फरवरी 2025 में दर्ज 76,720 यूनिट्स की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। यह मौजूदा वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री मानी जा रही है। इन आंकड़ों के साथ वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 12,09,542 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है। इस तरह यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2025 के पूरे साल के रिकार्ड 11,50,767 यूनिट्स को भी पार कर चुका है। यदि मार्च 2026 में इस सेगमेंट की बिक्री 1.40 लाख यूनिट से ज्यादा रहती है, तो वित्तीय वर्ष 2026 के अंत तक कुल बिक्री 13.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बिक्री के मामले में फरवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बार फिर बाजार में अपना दबदबा बनाए रखा। कंपनी ने पिछले महीने 31,600 इलेक्ट्रिक स्कूटर की रिटेल बिक्री की, जो फरवरी 2025 की 18,955 यूनिट्स की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को करीब 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी मिली। टीवीएस के पोर्टफोलियो में फिलहाल आईक्यूब और आर्बिटर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में कंपनी की कुल बिक्री 2,90,746 यूनिट्स तक पहुंच चुकी है और अनुमान है कि यह साल के अंत तक 3.25 लाख यूनिट्स का नया रिकार्ड बना सकती है।

टी 30 इलेक्ट्रिक बाइक की ग्राहक डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक बाइक निर्माता कंपनी राप्टी.एचवी ने अपनी हाई-वोल्टेज टेक्नोलाजी पर आधारित टी 30 इलेक्ट्रिक बाइक की ग्राहक डिलीवरी शुरू कर दी है। इस मोटरसाइकिल की एक्स-शोरूम कीमत 2.39 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी इसके साथ 8 साल की बैटरी वारंटी और 3 साल की वाहन वारंटी दे रही है।

यह कदम कंपनी के सात वर्षों से अधिक समय तक चले शोध और इंजीनियरिंग के बाद प्रोडक्ट डेवलपमेंट से व्यावसायिक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए सर्विस सपोर्ट, डेडिकेटेड सर्विस प्वाइंट आफ कान्टैक्ट और रोडसाइड असिस्टेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कंपनी की टी 30 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ने हाल ही में 19 दिनों में देशभर में 7,530 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ इसका नाम एशिया बुक आफ रिकार्ड्स और इंडिया बुक आफ रिकार्ड्स में दर्ज किया गया है। भारत में किसी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल द्वारा इतनी लंबी दूरी तय करने का यह पहला मामला बताया जा रहा है। इस राइड के दौरान सीसीएस2 डीसी फास्ट चार्जिंग तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे देशभर में मौजूद 40,000 से अधिक पब्लिक डीसी फास्ट चार्जर का लाभ लिया जा सका। इस चुनौतीपूर्ण यात्रा को राइडर बाला मणिकंदन ने पूरा किया, जिन्होंने औसतन प्रतिदिन 407 किलोमीटर की दूरी तय की। मोटरसाइकिल को फास्ट चार्जिंग स्टेशन पर लगभग 30 मिनट में चार्ज किया जा सका, जबकि एसी चार्जिंग पर 80 प्रतिशत चार्ज होने में करीब एक घंटा लगा। पूरी यात्रा के दौरान बार-बार फास्ट चार्जिंग के बावजूद बैटरी की सेहत 100 प्रतिशत बनी रही। राप्टी.एचवी के सीईओ और सह-संस्थापक दिनेश अर्जुन के अनुसार, टी 30 को सात वर्षों की मेहनत से विकसित किया गया है और इसमें हार्डवेयर व साफ्टवेयर दोनों का नियंत्रण कंपनी के पास है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

5 राज्यों में...

मतगणना के लिए 15 हजार माइक्रो ऑब्जर्वर अलग से तैनात होंगे।

इन चुनावों में कुल 824 सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाताओं के लिए करीब 2.19 मतदान केंद्र बनाये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा आयोग ने इन राज्यों का दौरा कर वहां के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, राज्यों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद किया है। संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ. एस.एस. संधु और विवेक जोशी भी उपस्थित थे।

श्री कुमार ने कहा, आयोग प्रत्येक मतदाता का मतदान केंद्र पर स्वागत करने के लिए तैयार है। हम खासकर पहली बार वोट डालने वाले और युवा मतदाताओं से अपील करते हैं कि वे अपने मताधिकार का उत्साह, आत्मसम्मान और विवेक के साथ प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभायें।उन्होंने बताया कि आयोग ने चुनाव कार्यक्रम तैयार करने से पहले चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश का दौरा कर राजनीतिक दलों, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों तथा चुनाव अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया।पश्चिम बंगाल में चुनाव इस बार केवल दो चरणों में सम्पन्न कराने के आयोग के निर्णय के बोर में पूछे जाने पर श्री कुमार ने कहा कि आयोग ने इस पर विस्तृत चर्चा की और यह राय बनी कि चुनाव के चरणों की संख्या कम की जाये ताकि यह सभी के लिए सुविधाजनक हो।पश्चिम बंगाल के पिछले चुनाव में हिंसा में लिप्त होने के आरोप में शामिल पुलिस कर्मियों की आगामी चुनाव में ड्यूटी के बारे में उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जायेगी।

राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या के बारे में उन्होंने कहा कि मौजूदा सूची के अलावा पूरक सूची भी जारी की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार कोलकाता उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार गहन पुनरीक्षण के दौरान हटाये गये नामों की कानूनी समीक्षा कर रहे न्यायाधीश गण पूरक सूची जारी कर सके हैं।चुनाव आयोग ने इसके साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा विधानसभा की आठ रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव अप्रैल महीने में कराने की घोषणा की है। गोवा, नागालैंड और त्रिपुरा में एक-एक और कर्नाटक की दो सीटों के लिए उपचुनाव नौ अप्रैल को तथा गुजरात की एक और महाराष्ट्र की दो सीटों के लिए उपचुनाव 23 अप्रैल को कराये जाएंगे। इनकी मतगणना भी चार मई को ही की जायेगी।

चुनाव आयोग ने कहा कि औसतन प्रत्येक मतदान केंद्र पर 750 से 850 मतदाता होंगे, लेकिन किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होंगे।

असम में 2,50,21,408 मतदाताओं के लिए कुल 28,205 मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं। पश्चिम बंगाल में 6,45,61,152 मतदाता 80,719 मतदान केंद्रों पर अपना वोट डाल सकेंगे। तमिलनाडु में कुल 5,67,74,436 मतदाता हैं जिनके लिए 75,032 मतदान केंद्र निर्धारित हैं। केरल में 2,71,06,059 मतदाता हैं जिनके लिए 30,471 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। पुडुचेरी में 9,44,539 मतदाता 1,099 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

आयोग ने कहा है कि मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर छाया और पेयजल के समुचित प्रबंध होंगे। आयोग ने 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा प्रदान की है। उनके लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गयी है।

8 सीटों पर...

इन उप चुनावों के लिए मतदान नौ अप्रैल को कराये जायेंगे।

गुजरात की उमरेठ और महाराष्ट्र की राहूरी और बारामती विधान सभा सीट के उप चुनाव के लिए अधिसूचना 30 मार्च को जारी की जाएगी और नामांकन छह अप्रैल तक दाखिल किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच सात अप्रैल को होगी तथा नाम नौ अप्रैल तक तक वापस लिये जा सकेंगे। इन सीटों पर मतदान 23 अप्रैल को कराया जाएगा।

बीबी अभी....

जज्बा मुझे, सरकार को, इजरायली सुरक्षा बलों और मोसाद को ताकत देता है।' नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इजरायल ईरान पर कड़े हमले कर रहा है और लेबनान में भी कार्रवाई जारी है। हालांकि उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह अभी सभी जानकारी साझा नहीं कर सकते। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे बाहर निकलते समय ताजी हवा जरूर लें, लेकिन किसी सुरक्षित शेल्टर के पास ही रहें और होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करते रहें। वीडियो के अंत में नेतन्याहू ने कॉफी शॉप के अटेंडेंट से मजाक करते हुए कहा, 'कॉफी के लिए धन्यवाद, यह शानदार है बस इसकी कैलोरी को लेकर थोड़ा शक है।'

ईरान की धमकी एवं सैन्य कार्रवाई के दावे

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरजीसी ने कहा था कि यदि नेतन्याहू 'अब भी जीवित हैं, तो हम उनका पीछा करते रहेंगे और पूरी ताकत से उन्हें खत्म करेंगे।' इससे पहले दिन में बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रही उन अफवाहों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ईरान की जवाबी कार्रवाई में उनकी हत्या कर दी गई है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, 'ये पूरी तरह फर्जी खबरें हैं, पीएम सुरक्षित हैं।' ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने रविवार को दावा किया कि उसने मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिका के तीन सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। साथ ही उसने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर कड़ी चेतावनी भी दी थी। आईआरजीसी ने हमलों में इराक के एरबिल स्थित अल-हरीर एयरबेस, कुवैत के अली-अल सलेम और अरिफजान सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया था। आईआरजीसी ने कहा था कि इन ठिकानों पर शक्तिशाली ईरानी मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया। उसने इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' की 52वीं लहर का हिस्सा बताया और कहा कि यह हालिया संघर्ष के दौरान ईरान के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों की मौत का बदला है।

हैदराबाद के खाद्य...

कि यह संकट सड़क किनारे के छोटे ठेलों से लेकर बड़े पांच सितारा होटलों तक, सभी को प्रभावित कर रहा है। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पूरी तरह से लकड़ी के ईंधन पर निर्भर होना संभव नहीं है। हालाँकि बिरयानी और चावल आधारित व्यंजन लकड़ी पर बनाए जा सकते हैं, लेकिन करी, स्टार्टर्स, स्नैक्स और फास्ट फूड जैसे व्यंजनों के लिए नियंत्रित और निरंतर तापमान की आवश्यकता होती है, जो केवल गैस स्टोव पर ही संभव है।

एनआरएआई ने सरकार को लिखा पत्र; तत्काल हस्तक्षेप की मांग

संकट को देखते हुए एनआरएआई ने राज्य सरकार से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है। नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी को लिखे पत्र में संगठन ने मांग की है कि होटलों और भोजनालयों के लिए नियमित कमर्शियल एलपीजी आपूर्ति का कम से कम 50% हिस्सा आवंटित किया जाए ताकि रसोई का काम बुनियादी स्तर पर चलता रहे।संगठन ने जोर देकर कहा ''हैदराबाद की पहचान इसके खान-पान और अतिथि सत्कार से है। एलपीजी आपूर्ति में व्यवधान न केवल व्यवसायों को प्रभावित करेगा, बल्कि कामकाजी पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों के लिए भोजन की उपलब्धता का संकट भी पैदा कर देगा। शहर की साख बनाए रखने के लिए निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना अनिवार्य है।''

फूड डिलीवरी...

के मुकाबले आधी रह गई है। डिलीवरी पार्टनर रमेश वाई. ने बताया, ''पहले मैं दिन में 25 से 30 डिलीवरी पूरी कर लेता था, लेकिन अब घंटों ऑनलाइन रहने के बाद भी बमुश्किल 10 से 12 ऑर्डर ही मिल पा रहे हैं।'' एक अन्य राइडर मोहम्मद इमरान ने कहा कि कई होटल अब ऑर्डर स्वीकार ही नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें रेस्टोरेंट के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ता है।

रेस्टोरेंट मालिकों की मजबूरी: मेनू में कटौती और डाइन-इन को प्राथमिकता

गैस की कमी के चलते रेस्टोरेंट संचालकों के पास परिचालन कम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। बंजारा हिल्स स्थित एक रेस्टोरेंट के मैनेजर किशोर ने बताया कि उनके पास सिलेंडरों का स्टॉक बेहद सीमित है। इस कारण उन्होंने अपने मेनू को छोटा कर दिया है और केवल उन ग्राहकों को प्राथमिकता दे रहे हैं जो रेस्टोरेंट में आकर खाना खाते हैं। कई छोटे भोजनालयों और टिफिन सेंटरों ने तो गैस न होने के कारण कुछ घंटों के लिए अपना काम पूरी तरह बंद करना शुरू कर दिया है।

गिग वर्कर यूनियनों की सरकार से हस्तक्षेप की मांग

इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए 'इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स' और 'तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन' ने कहा कि यह कमी सीधे तौर पर लाखों परिवारों की आजीविका को प्रभावित कर रही है। आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में लगभग 4.2 लाख गिग वर्कर्स हैं। यूनियन प्रमुख सलाउद्दीन शेख ने बताया कि वे डिलीवरी पार्टनर्स को फिलहाल ई-कॉमर्स, क्विक डिलीवरी या बाइक राइड जैसी अन्य सेवाओं की ओर रुख करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को पत्र लिखकर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ईरान युद्ध पर...

इसे नागपुर मुख्यालय की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।रणनीतिक दृष्टि से अनुकूल होने के कारण संघ यहां से कई उत्तर भारतीय राज्यों को एक साथ साधने की तैयारी में है। दिल्ली से निकटता और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण माधव सृष्टि को और अधिक अपग्रेड किया जाएगा। 8 साल पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने पट्टीकल्याणा में सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र की आधारशिला रखी थी।

आरएसएस की 3 दिवसीय सभा की अहम बातें

संघ ने अपने तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में आखिरी दिन कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव और सुझाव रखे। इनमें आरएसएस के दायित्व परिवर्तन भी शामिल रहा। आरएसएस के शताब्दी वर्ष (2025-26) की वार्षिक रिपोर्ट पेश की गई।

यहां केरल और तमिलनाडु समेत दक्षिण के राज्यों और पूर्वोत्तर में संघ की गतिविधियों और सामने आई चुनौतियों का जिक्र किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि एक वर्ष में देश में संघ की 88,949 शाखाएं लगाई गईं। जो पिछले साल से 5,820 ज्यादा हैं।

गुरु तेग बहादुर व संत शिरोमणि रविदास जयंती से मैसेज

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर कई कार्यक्रम किए गए। वहीं संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती पर इस साल कार्यक्रम हो रहे हैं। यह समरता का संदेश है।

3 दिन में 32 संगठनों ने दिए सुझाव

माधव सृष्टि में चल रहे तीन दिवसीय सभा के अंतिम दिन आरएसएस के सरसंघ चालक का संबोधन होगा। इससे पहले दो दिन में आरएसएस की विचारधारा से जुड़े 32 संगठनों ने सुझाव रखे। 1487 पदाधिकारियों ने यहां भाग लिया।

संघ में बदलाव और अगले साल की योजना पर सहमति लेंगे

बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत संघ के स्ट्रक्चरल बदलावों के साथ ही अगले एक साल तक होने वाले कार्यों को लेकर आज सभा से स्वीकृति लेंगे।

आरएसएस प्रतिनिधि सभा के पहले दिन चर्चा के केंद्र में वो राज्य रहे, जिनमें भाजपा या तो कभी सत्ता में नहीं रही, या दमदार उपस्थिति नहीं है। संघ के शीर्ष नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया कि आगले दो वर्षों में मुख्य ध्यान चार राज्यों- केरल, तमिलनाडु, पंजाब और पश्चिम बंगाल पर केंद्रित रहेगा। इन राज्यों में संघ अपने कार्य विस्तार के लिए माइक्रो-मैनेजमेंट और नए सांगठनिक स्ट्रक्चर पर जोर दे रहा है।

पंजाब में राष्ट्रीय सिख संगत को एक्टिव करेंगे

आरएसएस पंजाब को एक चुनौती के रूप में ले रही है। वहां कभी भाजपा अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है।

असल में पंजाब की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में कट्टर हिंदुत्व की विचारधारा का सिखों के साथ तालमेल बैठना आसान नहीं। इसलिए पंजाब में राष्ट्रीय सिख संगत को नए सिरे से एक्टिव किया जाएगा। संघ यह मैसेज देना चाहता है कि सिखों और हिंदुओं का रिश्ता 'नख-मांस' जैसा है। पंजाब में अगले साल के शुरु में चुनाव होने हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 16 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

कावुरी सांबशिव राव के निधन पर बंडारू और चंद्रबाबू नायडू ने जताया शोक

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ राजनेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कावुरी सांबशिव राव के निधन के बाद राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। इसी क्रम में रविवार, 15 मार्च 2026 को पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के साथ हैदराबाद में स्वर्गीय राव के आवास पर जाकर शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की।

दोनों नेताओं ने कावुरी सांबशिव राव के पार्थिव चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बंडारू दत्तात्रेय ने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि कावुरी जी का निधन तेलुगु राज्यों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने न केवल राजनीति बल्कि उद्योग जगत में भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि कावुरी सांबशिव राव एक दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने पांच बार सांसद के रूप में क्षेत्र के विकास के लिए अमूल्य कार्य किए। विशेष रूप से कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल प्रबंधन और औद्योगिक विकास में उनके प्रयासों को हमेशा याद रखा जाएगा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार दि. 15 मार्च 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक मोदी भवन, पिलर संख्या 143 के समीप, अत्तापुर, हैदराबाद में मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक साधना एवं आत्मनिरीक्षण पर बल

इस अवसर पर साध्वी साक्षी भारती जी ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान समय चुनौतियों से भरा हुआ है, इसलिए आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए सजगता और नियमित साधना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साधक को समय-समय पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि वह अपने जीवन में वे कार्य कर रहा है या नहीं जो गुरुदेव को प्रिय हैं। यदि ऐसा नहीं है, तो उसे स्वयं में सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए।

साध्वी जी ने जोर देकर कहा कि आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग निरंतर अभ्यास और समर्पण से ही संभव है।

गुरु कृपा एवं साधना मार्ग का महत्व

साध्वी जी ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे ओजोन की परत पृथ्वी को सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाती है, उसी प्रकार सद्गुरु अपने शिष्यों को नकारात्मकता से सुरक्षित रखते हैं और उनके जीवन में वही परिस्थितियाँ आने देते हैं जो उनकी आध्यात्मिक प्रगति के लिए आवश्यक होती हैं। उन्होंने कहा कि इस कृपा का अनुभव करने के लिए साधक को साधना, सेवा और सत्संग रूपी गुरु आज्ञा का पालन करना चाहिए तथा सदैव गुरुदेव से यह प्रार्थना करनी चाहिए कि वे उन्हें दिखाए गए ज्ञान मार्ग पर चलने की सामर्थ्य प्रदान करें। सत्संग के उपरांत सभी उपस्थित साधकों ने सामूहिक साधना में भाग लिया, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम का समापन मंगल आरती एवं भंडारे के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में नियमित अनुदान कार्यक्रम का रविवार को आयोजन किया गया।

राजस्थानी जागृति समिति की श्रीमद् भागवत कथा के सन्दर्भ में बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आगामी 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन मध्याह्न 3 बजे से सायं 7 बजे तक स्थान: बाहेती भवन, सिद्धामबर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इसी सन्दर्भ में आज सुबह 11.30 बजे बाहेती भवन, सिद्धामबर बाजार में श्री रामदेव नागला, मंत्री राजस्थानी विप्र समाज की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई।

कलश यात्रा एवं पंजीकरण की विशेष व्यवस्था

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में कलश यात्रा का बहुत महत्व रहता है। इस कार्यक्रम में महिलाएं ही कलश को अपने सिर पर रखकर भगवान का सुमिरन करते हुए कथा स्थल व्यास पीठ पर पहुंचती हैं। जिस किसी समाज की महिलाओं को कलश यात्रा में सम्मिलित होना हो, वह समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदनी के पास 200 रुपये की राशि देकर अपना नाम कलश यात्रा में पंजीकरण कराएं। श्रीमद् भागवत कथा के प्रतिदिन के कार्यक्रम इस प्रकार हैं: गुरुवार 9 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे कलश यात्रा दुर्गा माता मंदिर, मुख्त्यारगंज, सिद्दिअंबर बाजार से निकलकर कथा स्थल बाहेती भवन पहुंचेगी। अल्पाहार के बाद मध्याह्न 3 बजे से श्रीमद् भागवत कथा आरंभ होगी।

सप्तदिवसीय कथा कार्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम दिवस 9 अप्रैल गुरुवार को श्रीमद् भागवत माहात्म्य, द्वितीय दिवस 10 अप्रैल शुक्रवार को परीक्षित जन्म, शिव विवाह, तृतीय दिवस 11 अप्रैल शनिवार को प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, चतुर्थ दिवस 12 अप्रैल रविवार को श्री राम अवतार, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 13 अप्रैल सोमवार पंचम दिवस को श्री कृष्ण बाललीलाएं, गोवर्धन पूजन, 14 अप्रैल मंगलवार षष्ठम दिवस को रासलीला, श्री कृष्ण रुक्मिणी मंगल विवाह, 15 अप्रैल बुधवार सप्तम दिवस को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष कथा, विश्राम, अष्टम दिवस पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा, समाप्ति के बाद भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन श्रीमद् भागवत कथा की सायं आरती के बाद प्रसाद भोजन की व्यवस्था की गई है। सभी धर्मावलंबी बंधुओं को श्रीमद् भागवत कथा में सपरिवार कथा का सुनकर पुण्य का लाभ उठाने का आह्वान किया गया है।

समाज के सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान

महेश अग्रवाल ने समाज के धार्मिक बंधुओं से आग्रह किया कि वे श्रीमद् भागवत कथा को तन, मन, धन से सहयोग कर सफल बनाएं। रामदेव नागला ने समाज की महिलाओं को अधिक से अधिक कलश यात्रा और श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हिरावत, मंत्री महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदनी, सह मंत्री रामदेव नागला, बाला प्रसाद लाडा, अनिल जैसवाल, श्रीमती आशादेवी सोमानी, महेश उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऋषि श्रृंग भवन में रविवार को राजस्थानी समाज के प्रमुख एवं तेलंगाना प्रवासी सेलफ़ेयर सोसायटी के सुभाष अग्रवाल को भाजपा तेलंगाना राज्य संगठन मंत्री पद पर मनोनीत होने पर शॉल व माला से स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला, मनोज अग्रवाल, अनिल जयलवाल, संदीप जयलवाल, जुगलकिशोर उपाध्याय, राधेश्याम ओझा, रमेश कुराडीया, पंडित जी मिश्राजी व अन्य।

अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां शाखा द्वारा केक कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां मल्लापुर शाखा द्वारा 14 मार्च को राघव रत्ना टावर, अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में एक भव्य केक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 50 से भी ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके पश्चात शाखा की अध्यक्ष निशा गुप्ता ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि अनीता मित्तल पिछले 7-8 साल से केक, चॉकलेट, आइसक्रीम आदि सिखा रही हैं और नियमित रूप से क्लासेस ले रही हैं।

सरल तकनीकों से केक निर्माण की शिक्षा

सुश्री अनीता ने बहुत ही सरल तरकीबों से सभी प्रतिभागियों को केक बनाने की विधि बताई, इसमें संपूर्ण रूप से वंदना अग्रवाल जी ने उनका साथ दिया। कार्यशाला के दौरान महिलाओं ने उत्साहपूर्वक केक बनाने की बारीकियां सीखीं और अपने हाथों से केक तैयार किए। इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होती हैं।

विभिन्न शाखाओं की महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता

इस कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष निशा गुप्ता, कोषाध्यक्ष माया नरसारिया, केएस सदस्य सुनैना नरसारिया, परामर्शदाता पिंकी अग्रवाल, सहायक कर्ता सोनल अग्रवाल, डेज़ी गुप्ता, नव्या गुप्ता और शाखा की सदस्य निशा अग्रवाल उपस्थित थीं। कार्यक्रम में वैभव नारी शक्ति से रितु अग्रवाल जी, मोती नगर शाखा से दीपा अग्रवाल जी, सत्य शक्ति महिला टावर से रानी मित्तल जी और समाज के कार्यालय से शीतल अग्रवाल जी के अलावा विभिन्न शाखाओं से बहुत सी महिलाएं उपस्थित थीं।

आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज की महिलाएं नए कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सनातनी प्रवासी सेवा संघ के तत्वावधान में होली मिलन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्र नगर क्षेत्र में सनातनी प्रवासी सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित होली मिलन समारोह बड़े उत्साह और उल्लास के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर आपसी सौहार्द, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के नेता वी. मल्लेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भवानी कॉलोनी विकास संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास यादव, उपाध्यक्ष चंद्रकांत तथा महासचिव कृष्णैया भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अतिथियों ने होली के पावन पर्व पर सभी को बधाई देते हुए सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सद्भाव के महत्व को रेखांकित किया।

इस अवसर पर सनातनी प्रवासी सेवा संघ, राजेंद्र नगर के अध्यक्ष रविशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा सहित संघ के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान रंगों और फूलों से होली खेली गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उत्सव को यादगार बनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। सभी अतिथियों ने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने इसे यादगार और सफल कार्यक्रम बना दिया। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में सद्भावना और एकता की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके।

फ्लाई हाई वूमेन अवार्ड 2026: महिला सशक्तिकरण का भव्य समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन देने वाली तेलंगाना सरकार की संस्था वी हब और शी साइट ग्लोबल के संयुक्त तत्वावधान में फ्लाई हाई वूमेन अवार्ड 2026 इंडिया एडिशन भव्य रूप से संपन्न हुआ। वी हब परिसर में शुक्रवार की शाम आयोजित इस कार्यक्रम में महिला उद्यमियों, कलाकारों, क्रिएटर्स, समाज सेवी जैसे क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाली 35 महिलाओं को प्रथम व द्वितीय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित वी हब सोशल इंपैक्ट के निदेशक जाहिद अख्तर शेख और सहायक निदेशक ऊहा सज्जा के साथ-साथ टॉलीवुड अभिनेत्री तनवी आकांक्षा ने विजेताओं को फ्लाई हाई वूमेन अवार्ड 2026 प्रदान किए। इस गरिमामय समारोह में उपस्थित अतिथियों ने विजेताओं को बधाई देते हुए समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और महिला

सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया।शी साइट ग्लोबल की ब्रांड पार्टनर मैनेजर अनामिका चक्रवर्ती ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन पुरस्कारों के लिए कुल 100 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से 21 महिलाओं को विजेताओं के रूप में और 14 महिलाओं को रनर अप के रूप में चुना गया। साथ ही वी हब की दो महिलाओं को भी विशेष पुरस्कार दिए गए। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पहचानने का विशेष प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन जी भवानी ने किया, तो वहीं दीया रॉय चौधरी और सुषमा चिट्टा ने अपनी प्रतिभा से उपस्थितजनों का मनोरंजन किया। वहीं शी साइट ग्लोबल की ओर से इस कार्यक्रम में सुजाता नायर, सुरंगमा गुहा एवं अनामिका चक्रवर्ती उपस्थित थीं। आयोजकों ने बताया कि फ्लाई हाई वूमेन अवार्ड का उद्देश्य केवल सम्मान प्रदान करना नहीं, बल्कि महिला उद्यमियों को एक मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, जहाँ वे अपने विचार, अनुभव एवं सपनों को साझा कर सकें और भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन सकें।

विश्व शांति हेतु नवकार महामंत्र जाप आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री ओसवाल जैन संघ कोटी के तत्वावधान में नवकार महामंत्र जाप बरकतपुरा स्थित भावानी रेजीडेंसी, भगवान श्री संभवनाथ कुशल प्रार्थना जैन मंदिर के पास अशोक हितेश चोपड़ा के निवास पर आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

विश्व में शांति, सुख-समृद्धि और अच्छाई की वृद्धि के लिए जैन धर्म में अरिहंत परमात्मा एवं गुरुदेवों ने फरमाया है कि पूरे विश्व में सभी प्राणियों के सुख-शांति के लिए नवकार महामंत्र का जाप किया जाए। इसी पवित्र संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी भक्तगणों ने भावपूर्ण स्वर में नवकार महामंत्र का जाप किया तथा विश्व कल्याण की कामना की।विश्व शांति के लिए नवकार महामंत्र का जाप एवं शांति पाठ करते हुए संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगणों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना की कि इस पवित्र मंत्र की शक्ति से समस्त विश्व में द्वेष, हिंसा और अशांति का नाश हो और सभी प्राणी सुख-शांति के साथ जीवन यापन करें। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों को तीर्थंकर देवों की कृपा एवं नवकार महामंत्र की असीम शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

श्री ओसवाल जैन संघ कोटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प है। आगामी दिनों में संघ द्वारा नियमित रूप से ऐसे जाप अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे, ताकि नवकार महामंत्र का पावन संदेश हर घर तक पहुँच सके और विश्व शांति की परिकल्पना साकार हो सके।

हिंदू सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए समिति की विशेष बैठक सम्पन्न

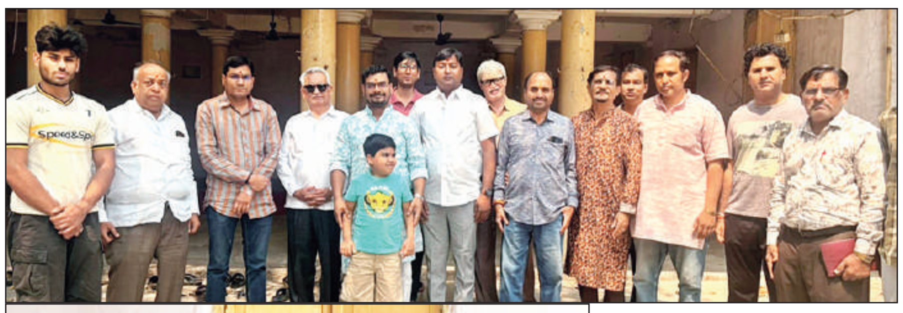

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू सम्मेलन के संदर्भ में रविवार को हिंदू सम्मेलन समिति की विशेष बैठक का आयोजन बालाजी मंदिर, चेलपुरा में किया गया। धर्म की जय घोष के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक की अध्यक्षता सोहनलाल कड़ेल ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से आगामी 29 मार्च 2026 को पत्थरगट्टी क्षेत्र में हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन करने का निर्णय लिया।

बैठक में विनोद व्यास ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि हिंदू सम्मेलन में गौ माता की पूजा, हनुमान चालीसा पाठ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि हिंदू समाज में जागरण हेतु नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने के लिए आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन में भजन-कीर्तन के साथ देश के प्रसिद्ध साधु-संतों, महात्मों तथा समाज सेवकों का मार्गदर्शन एवं उद्बोधन, महिलाओं का शक्ति प्रदर्शन तथा बालकों का शारीरिक दंड व युद्ध कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। सामूहिक महाआरती एवं प्रसाद भंडारे का भी आयोजन होगा।

बैठक में नितेश अग्रवाल, किरण कुमार, राजेश बगड़िया, उमेश सिंघानिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

हिंदू सम्मेलन के स्थान की जानकारी समिति की अगली बैठक में दी जाएगी। हिंदू सम्मेलन को भव्य रूप देने के लिए सभी को अधिक से अधिक संख्या में 29 तारीख को उपस्थित होकर एकता का परिचय देने का अनुरोध किया गया। बैठक में मुख्य रूप से सोहनलाल कड़ेल, पंकज कुमार अग्रवाल, अवधनाथ राय, उमेश सिंघानिया, वेंकटेश, विनोद व्यास, राजेंद्र विजयवर्गीय, संजय सुगंधी, विशाल बंसल, विशाल, गौरीशंकर सोनी, तुषार क्रांति, प्रखर अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, धारा किरण एवं अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन : गिव टू गेन थीम पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआई आर-आईआईसीटी), हैदराबाद ने इस वर्ष की थीम गिव टू गेन के साथ स्वामी विवेकानंद सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत ईश वंदना और 'वंदे मातरम' के भावपूर्ण गायन के साथ हुई।

वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण: डॉ. रेड्डी

संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने अपने स्वागत भाषण में सीएसआईआर-आईआईसीटी में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने में महिला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं संस्थान के वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने नेतृत्वकारी भूमिकाओं, अनुसंधान और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी का आह्वान किया और एक

समावेशी, सम्मानजनक एवं सहायक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बाधाओं को पार कर सफलता पाने का मंत्र: मुख्य अतिथि बाला लता

मुख्य अतिथि एवं सीएसबी आईएएस अकादमी की निदेशक श्रीमती बाला लता मल्लवरपु ने कम उम्र से लेकर आईएएस अकादमी की निदेशक बनने तक के अपने प्रेरक सफर को साझा किया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत विकलांगता पर विजय पाने के बारे में बात की और सफलता के लिए आवश्यक अनुशासन व दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कक्षा 6वीं से बुनियादी अध्ययन सामग्री को फिर से पढ़कर अपनी यूप-ीएससी की तैयारी शुरू की और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन लगभग 12 घंटे समर्पित अध्ययन किया। उन्होंने कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) ढांचे के बारे में जागरूकता और महिलाओं के लिए सुरक्षित व सम्मानजनक पेशेवर माहौल सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

महिला स्वास्थ्य और सोशल मीडिया की भ्रामक जानकारी पर विशेषज्ञों की सलाह

विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ सलाहकार स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वसुंधरा चीपुरुपल्ली ने विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य में प्रारंभिक निदान और पूर्ण रिकवरी के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ओवेरियन सिस्ट और फाइब्रोसिस से संबंधित युवाओं के हालिया केस स्टडीज साझा किए और समय पर चिकित्सा परामर्श की आवश्यकता बताई।

उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अत्यधिक निर्भरता के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और कहा कि गलत जानकारी से अनावश्यक मनोवैज्ञानिक तनाव हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने दर्शकों के साथ बातचीत की और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

कार्यक्रम का समापन डॉ. एस. श्रीलता के समापन भाषण और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सीएसआईआर-आईआईसीटी के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ड्रग्स विवाद पर संग्राम: केटीआर की कानूनी कार्रवाई की चेतावनी, कांग्रेस और सीपीआई ने बोला हमला

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में मोइनाबाद स्थित एक फार्महाउस में कथित ड्रग पार्टी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जहाँ एक ओर विपक्षी दल बीआरएस इसे राजनीतिक साजिश बता रहा है, वहीं कांग्रेस और सीपीआई ने बीआरएस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

केटीआर की चुनौती: मैं ड्रग टेस्ट के लिए तैयार, राजनीति के लिए घसीटना बंद करें

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने रविवार को नशीली दवाओं के सेवन की कड़ी निंदा की और कहा कि इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को, चाहे उसकी राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो, कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस हर प्रकार की अवैध गतिविधियों के खिलाफ है। केटीआर ने हालिया मामलों में बीआरएस का नाम घसीटे जाने को 'घृणित राजनीति करार दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे किसी भी ड्रग टेस्ट के लिए तैयार हैं और चेतावनी दी कि बिना आधार के उनका नाम खराब करने वालों को कानूनी नोटिस भेजा जाएगा।

कांग्रेस का पलटवार: बीआरएस के शासन में ड्रग्स का केंद्र बना तेलंगाना

तांडूर से कांग्रेस विधायक बी. मनोहर रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस विधायक पायलट रोहित रेड्डी

मोइनाबाद फार्महाउस में ड्रग्स का सेवन करते पकड़े गए थे। उन्होंने मांग की कि बीआरएस नेतृत्व इस पर स्पष्टीकरण दे। मनोहर रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 'ईगल टीम' राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए काम कर रही है।

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. चरण कौशिक यादव ने बताया कि फार्महाउस मामले में 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जिनमें से 6 लोगों के ड्रग्स सेवन की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने 2025 में अब तक 172.93 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है और ड्रग सोल्जर्स जैसे कार्यक्रमों के जरिए जागरूकता फैलाई जा रही है।

सीपीआई की मांग: टीडीपी सांसद और पूर्व बीआरएस विधायक को करें निलंबित

सीपीआई नेता के. नारायण ने ओसमानिया यूनिवर्सिटी में आयोजित भगत सिंह प्रीमियर लीग के दौरान टीडीपी सांसद पुट्टा महेश और पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने युवाओं से सट्टेबाजी ऐप्स और ड्रग्स जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। नारायण ने खेलों के बढ़ते व्यवसायीकरण की भी आलोचना की और कहा कि खिलाड़ियों को वस्तुओं की तरह नीलाम करना चिंताजनक है। कार्यक्रम में ओयू के कुलपति मोलुगुरम कुमार ने भी छात्रों को नशामुक्त समाज बनाने की प्रेरणा दी।

यूथ कांग्रेस का विरोध: गांधी भवन पर फूंका पुतला

रविवार शाम को तेलंगाना यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में गांधी भवन पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने केटीआर और पायलट रोहित रेड्डी के पुतले फूंके। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं की संलिप्तता ने तेलंगाना समाज पर कलंक लगाया है और राज्य में ड्रग माफिया को पनपने के लिए बीआरएस ही जिम्मेदार है।

एकादशी पर बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में एकादशी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंदों और राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सेवाभावियों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में मानवता और करुणा का संदेश देते हैं। ग्रुप के सदस्य समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर अन्नदान कर जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

इस कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, शिव भगवान, गोविंद राम जी, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय और सूची गुप्ता उपस्थित रहे तथा सभी ने सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर

भव्य वीर हनुमान विजय यात्रा का आयोजन 2 अप्रैल को

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना की ओर से आगामी हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक विशाल बाइक रैली वीर हनुमान विजय यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन का उद्देश्य सनातन धर्म की एकता, शक्ति और अटूट भक्ति का प्रदर्शन करना है। यह रैली 2 अप्रैल, 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।संगठन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह भव्य बाइक रैली श्री हनुमान व्यायामशाला से प्रारंभ होकर ताडबंद हनुमान मंदिर पर संपन्न होगी। रैली की शुरुआत सुबह 11:00 बजे निर्धारित की गई है। आयोजकों ने बताया कि यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं और पूरी रैली के दौरान सुरक्षा व अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।बजरंग सेना ने इस विजय यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी सनातनी भाइयों और बहनों से भारी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है।

भाजपा तेलंगाना ने एसजेटी जिग्नेश गोकानी को प्रवासी सेल का सह-समन्वयक नियुक्त किया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि. 11 मार्च 2026 को भाजपा तेलंगाना ने एसजेटी जिग्नेश गोकानी (सुजोक मास्टर) को प्रवासी सेल-तेलंगाना राज्य के सह-समन्वयक के रूप में नियुक्त किया। यह जिम्मेदारी उन्हें उन लोगों को एकजुट करने और मदद करने के लिए सौंपी गई है जिन्होंने शिक्षा, व्यवसाय, विवाह या उद्योग स्थापित करने के लिए तेलंगाना में बहुत समय पहले प्रवास किया और अब यहां बस गए हैं।

सुजोक थेरेपी में अग्रणी भूमिका एवं शिक्षा प्रसार

जिग्नेश गोकानी ने हैदराबाद में 1000 से अधिक छात्रों को सुजोक थेरेपी में प्रशिक्षित किया है और लगभग 100+ छात्र अपने क्लिनिक चला रहे हैं। उन्होंने 2008 में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के तहत सुजोक थेरेपी में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया-यह भारत में पहली बार था जब नरेंद्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे-तब यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी में सुजोक थेरेपी कोर्स शुरू हुआ। उन्होंने 2015 से 2019 तक अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी-जिसे हम नुमाईश के नाम से जानते हैं-उसमें पेन मैनेजमेंट ट्रीटमेंट प्रोग्राम किया और 2015 से 2017 तक पेन मैनेजमेंट पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी द्वारा 3 साल लगातार पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय योगदान

उन्हें 2013 में इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन-इंडिया का महासचिव नियुक्त किया गया। उन्होंने 2013 से 2017 तक आईएसए-ग्लोबल के संयोजक के रूप में भी कार्य किया। उन्हें 2016 में आईएसए-इंडिया के कानूनी और मान्यता प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। 2019 में उन्होंने गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें गुजरात के बेरोजगार युवाओं को पेन मैनेजमेंट प्रोफेशनल कोर्स में प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार देने का उद्देश्य था। इसके बाद सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के साथ भी प्रमाणपत्रों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। 2024 में उन्हें जीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में और तेलंगाना एवं मध्य प्रदेश के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया, ताकि हर गौशाला को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और किसानों की आय दोगुनी की जा सके।

सामाजिक एकता एवं राजनीतिक सेवा का संकल्प

2025 में उन्हें अखिल भारतीय गुजराती समाज (एबीजीएस) के राष्ट्रीय समिति सदस्य और समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया, जिसके अंतर्गत भारत वर्ष के सभी गुजराती समाज को जोड़ने एवं एक छत्र के अंतर्गत लाना उद्देश्य है। 31 दिसंबर 2025 को उन्हें एनआरजी विभाग-गुजरात सरकार द्वारा भारत के सभी गुजराती समाज को एनआरजी विभाग से जोड़ने के लिए समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय गुजराती समाज ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' के सिद्धांत पर काम कर रहा है, ताकि ''एक समाज-श्रेष्ठ समाज'' का निर्माण किया जा सके। उन्होंने दक्षिण भारत के एसडीबीएलएस के चिकित्सा समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है और 2016 में एलएमपी-मेडिकल कमेटी में संयुक्त सचिव के रूप में सेवा दी है। वैश्विक युद्ध की स्थिति और अनिश्चितताओं को देखते हुए उनका विश्वास है-भारतीय समाज में हर परिवार के लिए एकता, सहयोग और सुरक्षा की आवश्यकता है। इस मंत्र के साथ वे भाजपा-प्रवासी सेल ऑफ तेलंगाना की सेवा करना चाहते हैं।

निस्वार्थ सेवा का प्रतीक बना राधे-राधे ग्रुप : कैलाश चंद्र केडिया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में जरूरतमंद लोगों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर कैलाश चंद्र केडिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में निरंतर जुटा हुआ है। समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें इस सेवा कार्य से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में जगन, गौरव, मनीष, कैलाश चंद्र केडिया, सविता अग्रवाल, संजय अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल , सीमा अग्रवाल और प्रतिका सहित कई सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के जन्मदिवस पर 750 स्वच्छता प्रहरियों को वस्त्र वितरण

सूरत, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल साहब के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में फोस्टा द्वारा शनिवार, 14 मार्च 2026 को शाम 5:30 बजे मिलेनियम मार्केट-1 परिसर में सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 750 स्वच्छता प्रहरी भाई-बहनों को वस्त्र वितरित किए गए, जिससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था में लगे श्रमिकों के चेहरों पर खुशी देखी गई।इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, लिंबायत विधायक संगीता बेन पाटिल, भाजपा सूरत शहर अध्यक्ष परेश भाई पटेल, महामंत्री किशोर भाई बिंदल तथा पार्षद दिनेश भाई राजपुरोहित विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्वच्छता प्रहरियों को वस्त्र वितरित करते हुए उनकी निस्वार्थ सेवा को सराहा और समाज के प्रति उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में फोस्टा के अध्यक्ष कैलाश हाकीम, उपाध्यक्ष रामलाल सीरवी व सुरेश मोदी, तथा डायरेक्टर मोहनसिंह राजपुरोहित, पुरुषोत्तम अग्रवाल, शैलेश शाह सहित अनेक गणमान्य व्यापारी उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। फोस्टा के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक वस्त्र वितरण नहीं, बल्कि स्वच्छता सेवकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया, ताकि समाज के कमजोर वर्गों तक सहयोग पहुँचाया जा सके और सेवाभाव की परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके।

किद्वाई मेमोरियल फाउंडेशन ने कैंसर मरीजों के लिए शुरू की घर पर देखभाल सर्विस

बेंगलुरु, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। किद्वाई मेमोरियल फाउंडेशन ने राज्य में पहली बार एक नई सर्विस शुरू की है, जिसके तहत गंभीर हालत वाले कैंसर मरीजों के घर डॉक्टरों को भेजकर देखभाल और इलाज किया जा रहा है। आपका घर, आपकी पसंद, आपकी देखभाल इस नारे के तहत पिछले हफ्ते से कैंसर पैलिएटिव केयर सर्विस शुरू की गई है, जिसे संबंधित मंत्री जल्द ही आधिकारिक तौर पर लॉन्च करेंगे।

लक्षित मरीज एवं सेवा व्यवस्था

यह कदम उन कैंसर मरीजों की देखभाल के लिए उठाया गया है जो कैंसर के आखिरी स्टेज में हैं, चलने में असमर्थ हैं, गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, बूढ़े हैं या जिनके परिवार वालों ने मदद मांगी है। राज्य सरकार ने मौजूदा बजट में केरल मॉडल पर गंभीर मरीजों को घर पर इलाज की घोषणा की है, किंतु किद्वाई मेमोरियल फाउंडेशन ने पहले ही एक योजना बनाकर उसे लागू कर दिया है। यह पहली बार है कि किसी सरकारी हेल्थ इंस्टीट्यूशन ने अलग-अलग सरकारी स्कीमों और सीए-सआर की मदद से इस पर काम किया है।

विशेषज्ञ टीम एवं टेलीमेडिसिन सहायता

किद्वाई कैंसर हॉस्पिटल के पैलिएटिव मेडिसिन डिपार्टमेंट के हेड डॉ. एम.के. यदुराज ने बताया कि एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम मरीजों के घर जाकर जरूरी मेडिकल केयर, सिम्टम मैनेजमेंट, घावों का इलाज, नाक के जरिए न्यूट्रिशन और केयरगिवर्स को गाइडेंस प्रदान करेगी। केयर के लिए जरूरी छोटे इक्विपमेंट भी दिए जा रहे हैं। अब तक 11 मरीजों के घरों में विजिट किया जा चुका है। डॉक्टरों के विजिट से पहले टेलीमेडिसिन डिपार्टमेंट से ''हेल्प कॉल'' किया जाता है और विजिट के बाद फॉलो-अप वीडियो कॉल के जरिए लिया जाता है।

संस्थागत क्षमता एवं भविष्य की योजना

किद्वाई मेमोरियल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. टी. नवीन ने बताया कि इस इनोवेटिव कदम से मरीज का डर कम होता है और परिवार को शांति मिलती है, विशेषकर आखिरी दिनों में इज्जत के साथ देखभाल सुनिश्चित होती है। किद्वाई कैंसर हॉस्पिटल में 870 से ज्यादा बेड की क्षमता है और प्रतिदिन 800-1000 नए कैंसर मरीज रजिस्टर हो रहे हैं। शुरुआती दौर में हॉस्पिटल के आस-पास 25 किमी के दायरे में 150 गंभीर मरीजों की पहचान की गई है, जिनकी देखभाल के लिए दो मोबाइल यूनिट्स तैनात की गई हैं, जिनमें दो डॉक्टर, दो नर्स, एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक सोशल वर्कर शामिल हैं। कैंसर मरीज के रिश्तेदार गंगा रामैया ने कहा, हमें हॉस्पिटल ले जाना नामुमकिन था, लेकिन किद्वाई के डॉक्टरों ने घर आकर देखभाल की, जिससे हमें मन की शांति मिली है।

कांशीराम का 92वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बहुजन नायक कांशीराम जी का 92वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम बसपा के गनफाउण्ड्री डिवीजन के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी किशन सिंह ने भाग लिया।इस अवसर पर ए. राजेश, जी.सी. शेखर राव (प्रोफेसर/प्रेसिडेंट), नंदेश, एल. अनिल सिंह तथा पी. देवेंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और उनके जीवन दर्शन एवं संघर्ष को याद किया गया। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने कांशीराम जी के विचारों को आत्मसात करते हुए बहुजन समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि किशन सिंह ने कहा कि कांशीराम जी बहुजन समाज के प्रति ईमानदार, निष्ठावान और कटिबद्ध कार्यकर्ता थे।

उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक बहुजन समाज के लिए कार्य किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ाने में कांशीराम जी की भूमिका अतुलनीय रही है और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

बहुजन समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा कांशीराम जी के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

पुलिस ने साइबर क्राइम गिरोह का भंडाफोड़ किया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर कमिश्नरेट पुलिस ने एक साइबर क्राइम गिरोह का भंडाफोड़ किया और 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया, जिनमें कथित सरगना और 'म्यूल बैंक अकाउंट' (दूसरे के नाम पर बने बैंक खाते) बनाने और उन्हें सर्कुलेट करने में शामिल लोग शामिल हैं। इस गिरोह का पता 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के तहत चला, जो जिले में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए शुरू की गई एक पहल है। रविवार को करीमनगर में मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए, पुलिस कमिश्नर गौश आलम ने गिरोह के काम करने के तरीके के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग बैंकों में अनजान लोगों के नाम पर बैंक खाते-बचत और चालू दोनों तरह के खाते-खोलते थे।

इन खातों से जुड़ी पासबुक, कार्ड और डखच् कार्ड फिर ऊंचे स्तर के साइबर अपराधियों को बेच दिए जाते थे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी ये साइबर जालसाज इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन धोखाधड़ी से हासिल पैसे को ट्रांसफर करने, बदलने और निकालने के लिए करते थे। पुलिस ने कथित सरगना मुदुगंती राजेश्वर रेड्डी के साथ-साथ नंदगिरी साईवर्धन, कालिदास कौशिक, मुलंकुला राजकुमार, बांडी साई कृष्णा, अदावेली साई कार्तिक, मीर जमीउद्दीन, मोहम्मद जवाद खान, सरदार दलजीत सिंह, पल्लेरला अजय, निर्मल्ला शिवा और डिड्डी साईचरण को गिरफ्तार किया। एक शिकायत के आधार पर, करीमनगर टाउन-खख पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 और 318(4) तथा खढ एक्ट की धारा 66ऊ के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। करीमनगर शहर के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में भी इस गिरोह के खिलाफ इसी तरह के मामले दर्ज किए गए हैं।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी बने एम. जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को हुए चुनावों में एम. जीवन रेड्डी को हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन का सेक्रेटरी और डॉ. अनिल कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इन पदों के लिए चुनाव रविवार को हुए, जिसमें अनिल कुमार चुने गए। उन्होंने कहा था कि उन्होंने खेल की सेवा करने के अपने समर्पण और काबिलियत के आधार पर वोट मांगे थे। अनिल कुमार ने एक बयान में कहा, मुझ पर जो भरोसा दिखाया गया है, उससे मैं बहुत विनम्र महसूस कर रहा हूं। मैं अपनी पूरी क्षमता से क्रिकेट की सेवा करता रहूंगा। अनिल कुमार को 61 वोट मिले, जबकि उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी हरिनारायण राव को 59 वोट मिले। दूसरे उम्मीदवारों में अगम राव को 26 वोट और बाबू राव सागर को छह वोट मिले।

शिवा संयुक्त विकास समिति की नयी कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार दि. 15/03/2026 को छत्रपति शिवाजी मार्ग, गांधी पथ वेस्ट, जयपुर (राजस्थान) में शिवा संयुक्त विकास समिति की नयी कार्यकारिणी का निरविरोध चुनाव किया गया। समिति के संरक्षक कर्ण सिंह खंगारोत ने नयी कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर सैकड़ों कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।समिति के संरक्षक कर्ण सिंह खंगारोत द्वारा नयी कार्यकारिणी के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। निर्विरोध चुने गए पदाधिकारियों में- ओमप्रकाश कुमावत - अध्यक्ष, धर्मपाल सिंह - सचिव, के.के. शर्मा - कोषाध्यक्ष और सोहन लाल कुमावत - सह कोषाध्यक्ष शामिल हैं।

इस अवसर पर सभी कॉलोनीवासियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पुष्प माला पहनाकर हार्दिक स्वागत किया। उपस्थित जनसमूह ने नयी कार्यकारिणी के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं और समिति के माध्यम से क्षेत्र के विकास एवं कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Sireesha, R/o F. No. 403, Nasr Ridge Apts, Vishal nagar colony, Vill:Hydershakote, Teh:Gandipet, Dist:Rangareddy, State:Telangana, Pin:500091, have changed my Name & DOB as Sireesha, 24/05/1981 to G. Sireesha, 24/05/1980 vide affidavit dt:15-03-2026 before Judicial Mejistrate Court Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME
I, K Dhanapandi, R/o Sakkaripatti, Nattarmangalam, Usilampatti, Madurai, T.N-625532, have changed my son name from D JENITH to JENITH D, vide affidavit dt.14-3-2026, before Sec-Bad Court

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी एलबी स्टेडियम में राज्य स्तरीय इफ्तार में शामिल हुए

सांप्रदायिक सद्भाव का आह्वान किया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार शाम एलबी स्टेडियम में राज्य सरकार द्वारा आयोजित दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने समाज के सभी वर्गों के बीच एकता, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की पुरजोर अपील की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रमजान केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक शुद्धिकरण और आत्म-चिंतन का समय है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राज्य सरकार ने इफ्तार दावत का आयोजन कर विभिन्न समुदायों के लोगों को एक साथ लाने का कार्य किया है।

अल्पसंख्यक कल्याण और नेतृत्व को प्राथमिकता

रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार मुस्लिम समुदाय के कल्याण और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने रेखांकित किया कि पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को मंत्री नियुक्त किया गया है, जबकि वरिष्ठ नेता मोहम्मद शब्बीर अली को सरकार के सलाहकार की महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि आठ अल्पसंख्यक नेताओं को विभिन्न निगम पदों पर नियुक्त किया गया है। अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद का प्रस्ताव दिया गया है, जबकि मुक्केबाज निखत जरीन को उनकी उपलब्धियों के सम्मान में 2 करोड़ रुपये से पुरस्कृत किया गया है।

आरक्षण का लाभ और समावेशी विकास की प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में अल्पसंख्यकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी सुनिश्चित कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए अल्पसंख्यकों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति ने कई लोगों को शिक्षा और रोजगार के अवसर सुरक्षित करने में सक्षम बनाया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता की सरकार है और उन्होंने स्वयं को सभी समुदायों का भाई बताया। उन्होंने कहा कि सरकार जनता का आशीर्वाद और समर्थन चाहती है।

विभाजनकारी ताकतों से सावधान रहने की अपील

संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि कुछ तत्व धार्मिक समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह किया ताकि तेलंगाना की निरंतर प्रगति और विकास सुनिश्चित हो सके। इस गरिमामयी कार्यक्रम में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने राज्यपाल को बजट सत्र के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने रविवार को राजभवन (लोक भवन) में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्यपाल को आगामी बजट सत्र के अवसर पर राज्य विधानमंडल को संबोधित करने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने राज्यपाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ (बुके) भेंट किया और शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। यह भेंट आगामी विधायी सत्र की तैयारियों और औपचारिक प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में देखी जा रही है, जहाँ राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की योजनाओं का खाका प्रस्तुत करेगा।

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री के साथ वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। आधिकारिक बयान के अनुसार, उपस्थित अधिकारियों में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वित्त एवं योजना सचिव गौरव उप्पल, वित्त सचिव स्मिता पटनायक और अन्य विभागीय अधिकारी शामिल थे। बजट सत्र की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर भी इस दौरान संक्षिप्त चर्चा हुई।

तेलंगाना विधानमंडल का बजट सत्र आज से

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होगी शुरुआत

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना विधानमंडल का बहुप्रतीक्षित बजट सत्र सोमवार, 16 मार्च से शुरू होने जा रहा है। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, सत्र की कार्यवाही सुबह 11:45 बजे प्रारंभ होगी। यह सत्र राज्य की भविष्य की आर्थिक नीतियों और विकास योजनाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सत्र के पहले दिन की शुरुआत राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के संबोधन से होगी। वे विधानमंडल के दोनों सदनों (विधानसभा और विधान परिषद) की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद, सदन की कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। इसके पश्चात, कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सत्र की कुल अवधि तय की जाएगी और विधायी एजेंडे को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इस सत्र का मुख्य आकर्षण 20 मार्च को पेश होने वाला राज्य बजट होगा। वित्त मंत्री द्वारा पेश किए जाने वाले इस बजट में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आवंटन पर सबकी निगाहें टिकी होंगी। उम्मीद की जा रही है कि इस सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधायी और नीतिगत मामलों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें विपक्ष भी विभिन्न जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

तेलंगाना भाजपा द्वारा इफ्तार का आयोजन

एन. रामचंद्र राव ने गंगा-जमुनी तहजीब पर दिया जोर

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा रविवार शाम काचीगुडा के एक निजी होटल में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इफ्तार सभा आयोजित करने के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा को बधाई दी।

अपने संबोधन में रामचंद्र राव ने भारत की प्राचीन गंगा-जमुनी संस्कृति का उल्लेख किया, जहाँ विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग सद्भाव के साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक अनूठा देश है जहाँ हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, पारसी और जैन सभी धर्मों के अनुयायी भाईचारे की भावना के साथ सह-अस्तित्व में हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान आकर्षित किया कि जहाँ दुनिया के कई हिस्से संघर्षों और तनावों का सामना कर रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति और स्थिरता बनाए हुए है।

रामचंद्र राव ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने विश्वास का पालन करने की पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, जो अल्लाह में विश्वास रखते हैं वे नमाज अदा करने के लिए स्वतंत्र होने चाहिए, जो भगवान राम की पूजा करते हैं वे भी स्वतंत्र होने चाहिए, और अन्य धर्मों के अनुयायियों को भी बिना किसी बाधा के अपनी परंपराओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का हवाला देते हुए कहा कि देश सभी समुदायों के सामूहिक समर्थन और भागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्म या क्षेत्र चाहे जो भी हो, हर किसी की सबसे पहली और बड़ी पहचान भारतीय होना है। देश को एकजुट होकर ही आगे बढ़ना चाहिए। रामचंद्र राव ने आगामी ईद के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं भी दीं और सभी लोगों की समृद्धि, खुशी के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेताओं, सदस्यों और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 22 मार्च को जारी करेंगे रैथु भरोसा की पहली किस्त

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आगामी 22 मार्च को सिद्दीपेट जिले के नरमेट्टा से रैथु भरोसा योजना की पहली किस्त जारी करेंगे। इस पहल के माध्यम से राज्य भर के किसानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरकार ने इस योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में योजना के तहत धन राशि जारी करने के तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सरकार की योजना तीन किस्तों में कुल 9,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा करने की है।

पहली किस्त के रूप में सरकार 3,590 करोड़ रुपये लगभग 70 लाख किसानों के बैंक खातों में (डीबीटी के माध्यम से) स्थानांतरित करेगी। यह पहली किस्त उन किसानों के लिए होगी जिनकी भूमि जोत एक एकड़ तक है। इसके लगभग 20 दिन बाद 2,650 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त जारी की जाएगी। योजना की तीसरी और अंतिम किस्त अप्रैल के अंत तक वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

तेलंगाना के 5,008 आंगनवाड़ी केंद्रों का होगा कायाकल्प

सक्षम आंगनवाड़ी पहल के तहत किशन रेड्डी की घोषणा

हैदराबाद, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घोषणा की है कि केंद्र सरकार के 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण अभियान के तहत तेलंगाना के 5,008 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में अपग्रेड किया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देशभर में आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे केंद्र: 30.04 करोड़ की मंजूरी

किशन रेड्डी ने बताया कि 15वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान, देश भर में सरकारी भवनों में चल रहे लगभग दो लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ उन्नत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में नियमित केंद्रों की तुलना में कहीं बेहतर सुविधाएं होंगी। इन केंद्रों में लेड स्क्रीन, जल शोधन प्रणाल, वर्षा जल संचयन, पोषण वाटिका (किचन गार्डन) और सीखने व पोषण जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने तेलंगाना को 30.04 करोड़ की राशि स्वीकृत की है।

कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ ठोस रणनीति

पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और छोटे बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम लाभार्थियों के बीच कुपोषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बच्चों में एनीमिया (खून की कमी) की समस्या को दूर करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सप्ताह में कम से कम एक बार मोटे अनाज (मिलेट्स) से युक्त भोजन और राशन भी प्रदान किया जा रहा है।

नलगोंडा में भीषण सड़क हादसा: खड़े ऑटो में लॉरी ने मारी टक्कर, चार की मौत, छह घायल

नलगोंडा, 15 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नलगोंडा जिले के चिंतापल्ली मंडल के अंतर्गत आने वाले चेन्नाराम गेट पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।

यहाँ एक तेज रफ्तार लॉरी ने सड़क किनारे खड़े एक ऑटो-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो की मौके पर ही मौत, दो ने रास्ते में तोड़ा दम

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी पीड़ित ऑटो-रिक्शा में सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान की जा रही है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

घायलों को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रेफर किया गया

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए देवराकोंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए, प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों में से कुछ की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

पुलिस जांच और कानूनी कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और फरार लॉरी चालक की तलाश के साथ-साथ दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में लॉरी की तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.